राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, बुधवार, 22 अप्रैल 2026
वर्ष 07, अंक 199, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप...03

खोल दो नहीं तो...हॉर्मुज में चीन की एंट्री, ईरान को दिया सख्त आदेश!...12

आपका अधिकारी SC के साथ 'लुका-छिपी' क्यों खेल रहा है?

● **सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के नोएडा हेट क्राइम मामले में उत्तर पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 16 फरवरी को राज्य की ओर से बताया गया था कि शिकायत के आधार पर धारा 153-बी और 295-ए के तहत केस दर्ज होना चाहिए था**

सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के नोएडा हेट क्राइम मामले में उत्तर पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि मामले के जांच अधिकारी का रवैया बहुत बेकार है. साथ ही कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा 'आपका जांच अधिकारी स्ट के साथ 'लुका-छिपी' क्यों खेल रहा है?' कोर्ट यूपी पुलिस के हलफनामे से बिल्कुल संतुष्ट नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है. मामले की अगली सुनवाई 19 मई को होगी.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 16 फरवरी को राज्य की ओर से बताया गया था कि शिकायत के आधार पर धारा 153-बी और 295-ए के तहत केस दर्ज होना चाहिए था, लेकिन अब भी 153-बी नहीं जोड़ी गई है. इस पर बेंच ने असंतोष जताते हुए कहा कि दाखिल अनुपालन हलफनामा संतोषजनक नहीं है. जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यूपी सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से पूछा कि एफआईआर में आईपीसी की धारा 153-बी क्यों नहीं जोड़ी गई. यह धारा राष्ट्रीय एकता के खिलाफ बयानबाजी से संबंधित है, जबकि धारा 295-ए धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामलों में लागू होती है।

राज्य के अनुरोध पर दिया दो हफ्ते का समय

सुनवाई के दौरान् स्त्र ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने आगे की जांच की अनुमति दे दी है और पुलिस जरूरी धाराएं जोड़ देगी. हालांकि याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि धारा 153-बी को फिर से हटा दिया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने जांच अधिकारी को तलब करने की बात कही, लेकिन राज्य के अनुरोध पर दो हफ्ते का समय दिया है. साथ ही कहा है कि वह अपनी गलती को सुधार ले. वहीं अपनी याचिका में गौतमबुद्धनगर के कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है. इन पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन न करने का आरोप है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यूपी सरकार से कहा कि अपने अधिकारियों को सलाह दें, वरना वे मुश्किल में पड़ेंगे. हमें उन्हें बुलाकर फटकार लगाने में कोई रुचि नहीं है।

4 जुलाई 2021 को सेक्टर 37 में हुई थी घटना

बताया जाता है कि यह मामला 4 जुलाई 2021 को नोएडा में कथित हेट क्राइम से जुड़ा है. दिल्ली के रहने वाले शिकायकर्ता एक शादी में अलीगढ़ गए थे. रास्ते में नोएडा के सेक्टर 37 में उनके साथ घटना हुई. उनकी दाढ़ी और मुस्लिम पहचान के कारण उसके साथ मारपीट की गई. इसके अलावा गाली-गलौज और उत्पीड़न किया गया।

मामले की अगली सुनवाई 19 मई को निर्धारित की गई है।

न्यायालय ने विधि अधिकारी से कहा, ''कृपया अपने अधिकारियों को सूचित करें अन्यथा वे मुसीबत में पड़ जाएंगे। उन्हें बुलाकर फटकार लगाने में हमें कोई आनंद नहीं आता।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने 16 फरवरी को न्यायालय को बताया था कि इस मामले में धारा 153-बी के तहत और अपराधों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए थी। तीन फरवरी को न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा कि 2021 में कथित घृणा अपराध के मामले में दर्ज प्राथमिकी में आईपीसी की उपयुक्त धाराएं क्यों नहीं लगाई गई थीं। नटराज ने पूर्व में कहा था कि मामले में आरोपपत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है और पुलिस आगे की जांच के लिए संबंधित अदालत में अर्जी दायर करेगी।

याचिकाकर्ता के वकील ने पूर्व में दलील दी थी कि आईपीसी की धारा 153-बी और 295-ए के तहत दंडनीय कथित अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए थी। याचिका में दावा किया गया कि याचिकाकर्ता पर ''उसकी दाढ़ी और उसके मुस्लिम होने'' के कारण हमला किया गया था।

लेखिका मधु किश्वर समेत कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर एफआईआर

ब्यूरो प्रयागराज। राइटर मधु किश्वर के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी और भ्रामक सामग्री फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अब चंडीगढ़ पुलिस ने उनके दिल्ली ऑफिस जाकर उन्हें नोटिस दिया है।साथ ही उन्हें जांच में शामिल होने को कहा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, चूंकि कानून के अनुसार पुलिस को अंधेरा होने के बाद और सूर्योदय से पहले महिलाओं से मिलने या उन्हें गिरफ्तार करने की अनुमति नहीं है, इसलिए मैंने टीम के प्रमुख से फोन पर बात की। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी टीम चंडीगढ़ में मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में नोटिस देने आई है।'चंडीगढ़ पुलिस ने शिकायत के आधार पर लेखिका मधु किश्वर और अन्य सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ सेक्टर-26 थाने में केस दर्ज किया है। किश्वर और कुछ अन्य सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (धर्म, जाति, भाषा के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना को बढ़ावा देने वाले कृत्यों को अपराध घोषित करना), 336 (1) (जाली दस्तावेज बनाना) और 356 (आपराधिक मानहानि) तथा आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सेक्टर-26 पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, शहर के एक शिकायतकर्ता ने 19 अप्रैल को आरोप लगाया कि कुछ फर्जी और भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो क्लिप, जिनमें अश्लील टेक्स्ट और सामग्री है, विभिन्न सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की गलत पहचान बताई गई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, यह जानबूझकर अश्लील शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करके झूठा इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाने का कृत्य है, वह भी यह जानते हुए और यह मानने के पर्याप्त कारण के साथ कि पोस्ट भ्रामक और झूठे हैं और इसका उद्देश्य नुकसान या चोट पहुंचाना है। शिकायतकर्ता के अनुसार एक संवैधानिक अधिकारी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को भंग करने के इरादे से प्रसारित किए गए वीडियो की जांच की जानी चाहिए और उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बीच, किश्वर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि चंडीगढ़ पुलिस की एक टीम उन्हें उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में नोटिस देने सोमवार देर रात उनके घर आई थी।

ये मामला चंडीगढ़ के एक ट्रैवल व्लॉगर के पुराने वीडियो से शुरू हुआ है।व्लॉगर की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके पति के एक पुराने वीडियो को सोशल मीडिया पर गलत मंशा के साथ वायरल किया जा रहा है।शिकायत के अनुसार, मूल वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई और उसमें अश्लील शब्द और आपत्तिजनक टेक्स्ट जोड़ दिए गए, जिसे मधु किश्वर सहित कई सोशल मीडिया हैंडल्स ने शेयर किया है।

बताया जा रहा है कि 19 अप्रैल 2026 को एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दी कि कुछ सोशल मीडिया यूज़र्स एक वीडियो क्लिप को पीएम मोदी की पहचान के साथ वायरल कर रहे हैं।शिकायतकर्ता का कहना है कि यह सब जानबूझकर किया गया है। आरोप है कि सोशल मीडिया पर झूठे और भ्रामक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार किए गए, जिनमें गंदी भाषा का इस्तेमाल किया गया। यह जानते हुए कि पोस्ट पूरी तरह गलत हैं, फिर भी उन्हें शेयर किया।इसका मकसद व्यक्ति की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना और सार्वजनिक शांति को भंग करना है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति ट्रैवल व्लॉगर है, उसकी पत्नी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से नियमित रूप से उनकी गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अपडेट शेयर करती रहती हैं। वीडियो सबसे पहले उनके ही अकाउंट से पोस्ट किया गया था। महिला ने पुलिस को दिए बयान में साफ कहा कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति उसका पति है. पुलिस ने वीडियो में मौजूद एक अन्य महिला और पति के बयान भी दर्ज कर लिए हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

ट्रेनों के एसी मेंटनेंस को लेकर रेलवे ने बढ़ाई सतर्कता, यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

लखनऊ। पिछले तीन दिनों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों के एसी फेल होने की घटनाओं ने रेलवे की नींद उड़ा दी है। रेल मदद और रेलवे के अधिकारिक एक्स एकाउंट पर लगातार एसी काम नहीं करने की शिकायतों को देखते हुए रेलवे ने उसके मेंटनेंस की भी निगरानी के आदेश दिए हैं। रेलवे बोर्ड की सख्ती के बाद मंडलीय स्तर पर यांत्रिक और इलेक्ट्रिक विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का एक स्पेशल सेल गठित किया गया है। यह सेल नियमित परीक्षण के बाद बोगियों के एसी प्लांट की जांच करेगा। शुक्रवार, शनिवार और रविवार को वंदे भारत एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस सहित दो दर्जन ट्रेनों में एसी फेल होने की 31 शिकायतें दर्ज की गई हैं। एसी फेल होने की शिकायतों को लेकर रेलवे बोर्ड ने सभी रेल मंडलों के अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

बैठक में एसी बोगियों की मरम्मत की भी जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। इसी आदेश के तहत वाशिंग पिट पर खड़े रेक की एसी बोगियों के फिल्टर, सेंसर, ब्लोअर और कूलिंग को परखा जा रहा है। एलएचबी और कनवेंशनल श्रेणी के रेक की एसी बोगियों की मरम्मत के लिए आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। नियमित परीक्षण के बाद एसी प्लांट को चालू करके बोगी को बंद कर उसकी कूलिंग के लेवल की जांच हो रही है। किसी भी बोगी में अपेक्षाकृत कूलिंग कम मिलने पर इसकी रिपोर्ट उच्च स्तर पर अधिकारियों को भेजी जा रही है। गड़बड़ी की शिकायत पर सेल के अधिकारी प्लांट की जांच कर उसकी ट्रिपिंग की जांच करेंगे।वहीं, उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन ने एसी की गड़बड़ी होने पर इसकी सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस हेल्पलाइन नंबर पर फोन करते ही इलेक्ट्रिक और यांत्रिक विभाग के कर्मचारी बोगी तक पहुंचकर एसी की गड़बड़ी को दूर करेंगे।

लखनऊ में 50 लाख की गाड़ी जलकर खाक, आधा दर्जन बसों के बीच खड़ी नई बस में लगी आग

» 50 लाख रुपये की बस जलकर हुई खाक।
» शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, जांच जारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-5 में इग्नू व सब्जी मंडी के बीच सोमवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब आधा दर्जन बसों के बीच खड़ी एक नई बस में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे इलाके में अफरातफरी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर बसें खड़ी थीं, वहीं पर सब्जी बाजार लगी थी और मौके पर दुकानदारों के साथ बड़ी संख्या में खरीददार भी मौजूद थे। आग लगते ही लोगों में भगदड़ मच गई और हर कोई सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगा।

लोगों ने बताया कि वहां खड़ी बस के ऊपर से 11 हजार बिजली के तार गुजर रहे हैं जो जर्जर हैं जबकि पास के खंभे पर सूखी झाड़ी जैसी बेल पूरी तरह लिपटी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के चलते ही आग की चिंगारी नीचे बस पर गिरने से घटना हुई है। सूचना पर पहुंची चार फायर ब्रिगेड की गाड़ियों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

आग के समय लोगों ने अन्य बसों को धक्का देकर आग की चपेट में आने से बचाया, नहीं तो नुकसान और भी बड़ा हो सकता था इस दौरान एक और बस भी कुछ चपेट में आ गई थी लेकिन समय रहते उसे सुरक्षित किया गया। जिस बस में आग लगी, वह कुछ दिन पहले ही खरीदी गई थी और उसकी कीमत 50 से 55 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस की पहली बुकिंग अगले ही दिन के लिए तय थी। बस मालिक संजय कुमार यादव के अनुसार, बसें रोजाना इसी स्थान

पर खड़ी की जाती हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने रिहायशी और बाजार क्षेत्र में इस तरह बसों की पार्किंग पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। चालक दिनेश ने घटना की पुष्टि करते हुए भारी नुकसान की बात कही है। पीजीआज फायर स्टेशन के एफ एस ओ मामचंद बडगूजर ने बताया कि बस मेकाज की सूचना पर चार गाड़ियां भेजी गई थी, जिस बस में आग लगी उसके ऊपर से 11 हजार की बिजली लाइन निकल रही है उसी के शॉर्ट सर्किट के चलते हैं घटना का अनुमान लगाया जा रहा है,बाकी जांच की जा रही।

भीषण गर्मी के चलते लखनऊ में कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों का बदला समय, DM ने जारी कर दिया आदेश

अब स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर 12:30 तक।

भीषण गर्मी के कारण जिलाधिकारी ने दिया आदेश।

लखनऊ। भीषण गर्मी के चलते स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। जिला प्रशासन ने कक्षा आठ तक के स्कूलों को 12:30 बजे तक ही खोलने के निर्देश दिए हैं।प्रशासन का यह आदेश प्री प्राइमरी से कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों पर लागू होगा। पिछले एक सप्ताह से दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है और साथ ही गर्म हवाएं भी चल रहीं हैं। पूर्वानुमान है कि अगले कुछ दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी को हो सकती है। गर्मी में छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी विशाख जी ने मंगलवार को आदेश जारी किया जिसमें कहा गया है कि सभी सरकारी, परिषदीय, गैर सरकारी व प्राइवेट विद्यालय सुबह 7:30 बजे से 12:30 बजे तक ही खोले जा सकेंगे। सभी जगहों पर इस आदेश का शतप्रतिशत पालन कराया जाएगा।अगर कहीं पर इसका उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित विद्यालय के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भ्रस्टाचारः- ग्राम पंचायत गिन्हूना में मनरेगा से कार्य कराए बिना भुगतान निकाले जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी, विकास खण्ड नकहा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गिन्हूना में मनरेगा योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। सूत्र बताते हैं कि प्रधान चुन्नी देवी व सेक्रेटरी की मिलीभगत और एपीओ संतोष कुमार पांडेय की शह पर बिना कोई कार्य कराएं ही फर्जी एम बी पास करवाकर बिल पास कर दिया गया है।

क्या है मामला–जानकारी के अनुसार मेजरमेंट बुक को तकनीकी सहायक/जे.ई. तभी पास करता है जब वो मौके पर जाकर काम की माप करता है। एम बी पास होने के बाद ही मजदूरी और सामग्री का भुगतान होता है। लेकिन विकास खण्ड नकहा में बिना ज़मीन पर एक ईट रखे, बिना एक दिन काम हुए, एम बी पास कर सरकारी खज़ाने से लाखों का भुगतान पास किए जाने के आरोप लगाये गये हैं।

इस तरह से की गई सरकारी धन की निकासी भ्रस्टाचार और धन गवन का गंभीर मामला प्रतीत होता है जो जांच का विषय बना है।यदि मामले की जांच टीम गठित कर करायी जाये निष्पक्ष जांच तो होगा बड़ा खुलासा और एपीओ संतोष कुमार और

सचिव व जेई की भी तय होगी जवाब देही। और फर्जीवाड़े में शामिल कई जिम्मेदारो पर हो सकती हैं कार्रवाई।इस सम्बन्ध में एपीओ संतोष कुमार से बात की गई तो बताया कि कार्य चल रहा है। यक्ष प्रश्न यह है कि कार्य पूर्ण होने से पहले कैसे पास कर दी गई एम बी? और किस सक्षम अधिकारी के आदेश से लगाया गया बिल बाउचर वाउचर? इतने बड़े भ्रष्टाचार के मामले का खुलासा होने के बाद भी अभी तक नहीं लगी विकास खण्ड नकहा में बैठे जिम्मेदारो को भनक। कहीं जान बूझकर तो अनजान नहीं बनने का प्रयास किया जा रहा है। अब देखना यह है कि खण्ड विकास अधिकारी संगीता यादव क्या कार्रवाई करती है। या फिर मामले को यू ही फाइलो में दफन कर दिया जाएगा।

पत्नी को गर्म रॉड से जलाता था पति, दिल्ली पुलिस को सौंपा सबूत तो आरोपी ने दिया तीन तलाक

पूर्वी दिल्ली। फर्श बाजार इलाके में एक नवविवाहिता के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर पति पानी गर्म करने वाली राड से शरीर पर दागता था। महिला के शरीर पर उसके साथ हुई हैवानियत के निशान हैं। जो उसने सुबूत के तौर पर पुलिस को दिखाएं है। आरोप है दहेज न मिलने पर युवक ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। 22 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपित पति शराफत पर पत्नी से मारपीट का एक केस पहले से दर्ज है। गिरफ्तार हुआ था। जमानत पर बाहर आ गया।22 वर्षीय पीड़िता अपने परिवार के साथ बिहारी कॉलोनी में रहती है। उनका मायका न्यू संजय अमर कॉलोनी में है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि गत 14 फरवरी को उनकी शादी शराफत से हुई थी। शादी के बाद दोनों बिहारी कालोनी में किराये पर कमरा लेकर रहने लगे। शराफत मजदूरी करता है। आरोप है कि शादी में दहेज न मिलने पर युवक ने पत्नी को यातनाएं देनी शुरू कर दीं। हैवानियत की हद पार करत हुए गर्म राड को शरीर पर जगह-जगह दागने लगा। आरोप है प्रताड़ना का विरोध करने पर 18 अप्रैल को पत्नी को तीन तलाक दे दिया। तलाक के बाद से ही आरोपित पति फरार है।

नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ रखना पड़ा भारी, सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद 5 लाख मुआवजा देगी यूपी सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को वयस्क कैदियों संग जेल में रखने पर यूपी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है, इसे बाल संरक्षण कानूनों का गंभीर उल्लंघन बताया है. अदालत ने पीड़ित नाबालिग को 5 लाख मुआवजा देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए देशव्यापी SOP जारी करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसे मामले में कड़ी टिप्पणी की है, जहां एक नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ आगरा की केंद्रीय जेल में रखा गया था. अदालत ने इसे बाल संरक्षण कानूनों और संवैधानिक गारंटियों के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है. कोर्ट की फटकार के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पीड़ित नाबालिग को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला कानून से टकराने वाले बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने में सिस्टम की बड़ी नाकामयाबी है. पीठ ने कहा, 'यह एक ऐसा मामला है, जहां एक नाबालिग को नाबालिग घोषित किए जाने के बावजूद, अधिकारियों की ओर से संचार की कमी, असंवेदनशीलता और अमानवीय दृष्टिकोण के कारण गलत तरीके से वयस्क कैदियों वाली नियमित जेल में डाल दिया गया।'

ऐसा करना कानूनी रूप से गलत सुप्रीम

कोर्ट ने साफ कहा कि किसी भी नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ रखना कानून के तहत पूरी तरह अस्वीकार्य है. अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह की कैद बाल संरक्षण कानूनों और संवैधानिक गारंटियों के मूल सिद्धांतों पर गंभीर चोट है. सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ यूपी सरकार तक सीमित रहने के बजाय पूरे देश के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को जारी किया है. कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस SOP को अन्य सभी राज्यों में भी भेजा जाए ताकि भविष्य में ऐसा कोई मामला न दोहराया जा सके. साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी राज्य इसका पालन करें, अदालत इस मामले पर नजर बनाए रखेगी।

क्या है पूरा मामला? दरअसल, घटना के दिन आरोपी नाबालिग था, फिर भी उसे वयस्क कैदियों के साथ आगरा केंद्रीय जेल में रखा गया था. यह घटना बाल संरक्षण कानूनों का गंभीर उल्लंघन मानी जा रही है. अब उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद पीड़ित को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

'लोगों में वैज्ञानिक सोच होती तो नदियों में दूध नहीं बहाया जाताः जस्टिस अभय एस ओका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अभय एस ओका ने हाल ही में चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए वैज्ञानिक सोच विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को करने से पहले उसे विज्ञान के आधार पर परखना जरूरी है और यह बात धार्मिक आस्थाओं से जुड़े कार्यों पर भी समान रूप से लागू होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सही और गलत का आकलन करने में मदद करता है।

जस्टिस ओका ने उदाहरण देते हुए कहा कि नदियों में दूध बहाना या उनमें स्नान करना जैसी प्रथाएं, यदि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परखी जाएं, तो यह स्पष्ट होगा कि इससे जलीय जीवन को नुकसान होता है और पानी को पुनः सामान्य होने में लंबा समय लगता है। उन्होंने कहा, 'दूध पानी में ऑक्सीजन को अवशोषित करता है, जिससे प्रदूषण बढ़ता है और पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है।'

यह टिप्पणी उन्होंने एन राम, निदेशक, द हिंदू समूह द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में की। यह कार्यक्रम राकेश लॉ फाउंडेशन और रोजा मुथैया रिसर्च लाइब्रेरी द्वारा आयोजित वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा था, जिसका विषय था 'पर्यावरण- अधिकार या कर्तव्य ।

जस्टिस ओका ने यह भी कहा कि देश में प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों पर पड़ता है, जबकि शहरों में रहने वाले लोग, जो अक्सर प्रदूषण के लिए अधिक जिम्मेदार होते हैं, अपेक्षाकृत आरामदायक जीवन जीते हैं। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि राजनीतिक दल पर्यावरण के मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने पर्यावरण कार्यकर्ताओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए एम सी मेहता जैसे लोगों की सराहना की, जो कानून के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त जन समर्थन नहीं मिल पाता। अंत में, उन्होंने कहा कि पर्यावरण कानूनों और संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को शिक्षित करना समय की आवश्यकता है ।

संक्षिप्त खबरें

पूजा साहू (आईएएस) ने मुख्य विकास अधिकारी, अमेठी का कार्यभार ग्रहण किया

अमेठी। दिनांक 21 अप्रैल 2026 को पूजा साहू (आईएएस) द्वारा मुख्य विकास अधिकारी, अमेठी के पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जनपद में संचालित विकासपरक एवं लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया।पूजा साहू वर्ष 2022 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं तथा इससे पूर्व संयुक्त मजिस्ट्रेट, चित्रकूट के पद पर कार्यरत रही हैं। अपने पूर्व दायित्वों के दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों के कुशल संचालन एवं जनहित से जुड़े विषयों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनपद के समग्र विकास को गति मिल सके।

बारात लेकर जाओगे तो सही सलामत नहीं आओगे, बस्ती में दरोगा दूल्हे को धमकाकर दुल्हन के आशिक ने खुद लिए फेरे

बस्ती– जिले में बरात लेकर निकलने की तैयारी कर रहे दरोगा दूल्हे को उस समय झटका लगा जब होने दुल्हन का आशिक उसके घर पहुंचा और धमकी देते हुए कहा कि बारात लेकर आओगे तो सही सलामत नहीं जाओगे. इसके बाद दूल्हे ने शादी से इनकार कर दिया. फिर लड़की वालों ने दुल्हन के आशिक के साथ उसकी शादी करवा दी. यूपी के बस्ती जिले में अजब गजब मामला सामने आया है. बारात निकलने से पहले दूल्हा बने दरोगा के घर उस की दुल्हन का आशिक जा धमका और धमकाते हुए कहा कि अगर बारात लेकर जाओगे तो सही सलामत नहीं आओगे. फिर क्या था दूल्हा बना दरोगा धमकी से डर गया और बरात लेकर नहीं गया. इधर दुल्हन के घरवाले बारात का इंतजार कर रहे थे. जब उनको घटना की सूचना मिली तो काफी मान मनौव्वल के बाद भी दारोगा दूल्हा ने बारात लेकर आने से इनकार कर दिया. इसके बाद दुल्हन के घर वालों ने मजबूर होकर दुल्हन की शादी उसके प्रेमी से करा दी. दूल्हा सारी तैयारी करके अपनी किस्मत पर कोष रहा था

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान का भव्य आयोजन

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली विधानसभा क्षेत्र के बसडीला मानिकचंद स्थित सिंह मैरेज हाल में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन निवर्तमान विधायक संजय प्रताप जायसवाल द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कप्तानगंज के सीए सी.पी. शुक्ला रहे। उन्होंने अपने संबोधन में बाबा साहब के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि हमें उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संयोजक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि बाबा साहब का सपना एक समतामूलक समाज का निर्माण करना था, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य सिर्फ श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

महिला सशक्तीकरण की खुलेआम धज्जियां उड़ा रही गौर पुलिस दुष्कर्म पीड़िता को नहीं दे पा रही बस्ती पुलिस न्याय

●पीड़िता न्याय के लिए कई महीनों से गौर थाने व पुलिस अधीक्षक कार्यालय का लगा रही चक्करदुष्कर्म करने वाले आरोपी को गौर पुलिस का मिल रहा संरक्षण - पीड़िता

आरोपी के खिलाफ कार्रवाई न होने से आरोपी कभी भी पीड़ित परिवार के साथ बड़ी घटना को दे सकता है अंजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के गौर पुलिस महिला सशक्तिकरण की खुलेआम धज्जियां उड़ा रही है। दुष्कर्म पीड़िता न्याय के लिए कई महीनों से गौर थाने का चक्कर काट रही है। बस्ती पुलिस सत्य घटनाओं पर मुकदमा लिखने में पीछे हट रही है अगर मोटी रकम मिल गई तो फर्जी मुकदमा तुरंत दर्ज होता हैपीड़िता ने महिला सीओ हरैया व पुलिस अधीक्षक बस्ती से भी लिखित शिकायत दिया लेकिन पीड़िता को न्याय नहीं मिल पा रहा है। पुलिस महिला उत्पीड़न का केस लिखने से करनी कट रही है क्योंकि आरोपी से मोटी रकम मिलने के कारण पीड़िता को नहीं नया दे पा रही है बस्ती पुलिस बस्ती जिले की पुलिस इतना भ्रष्ट हो चुकी है अगर आपके पास पैसा है तो आपका केस दर्ज होगा नहीं तो आप चक्कर लगाते रहो कप्तान भी तेज तर्रार होने के बावजूद भी महिला सशक्तिकरण की धज्जियां उड़ रही है पुलिस विभाग दुष्कर पीड़िता के साथ तमाशा कर रही है न्यायाधीश पानी में अक्षम साबित हो रही है बस्ती पुलिस कैसे होगा गरीबों का न्याय भ्रष्टाचार में बस्ती पुलिस के आगे जनता को न्याय नहीं दे पा रहे हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेशों की ताजिया उड़ा रही है बस्ती पुलिस कार्रवाई करने से करनी कट रही है

आपको बता दें कि गौर थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म, गर्भपात कराने और मंदिर में विवाह के बाद घर से निकाल दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आरोपी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाई है।

शिकायत पत्र में पीडिता ने लिखा है कि गौर थाना क्षेत्र के उसी गांव के ही निवासी किशन पुत्र केशवराम ने शौच के लिए गई पीड़िता को पकड़कर जबरन जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया और दुष्कर्म का वीडियो भी बना लिया और धमकी देकर लगभग तीन चार माह से पीड़िता से सम्बन्ध बनाता रहा। तीन चार महीनो से जबरन बीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल कर सम्बंध बनाते-बनाते पीड़िता गर्भावती हो गई इस बात की जानकारी आरोपी किशन को हुई तभी आरोपी किशन ने पीड़िता रमपता को विश्वासघात कर बहलाया फुसलाया और गुमराह कर कहा कि तुम गर्भ निरोधक गोलियां खा लो गर्भ गिरने के बाद हम आपसे शादी कर लेंगे पीड़िता आरोपी किसन के जाल में फंस कर गर्भ निरोधक गोलियां खा लिया गर्भ निरोधक गोलियां खाने के बाद पीड़िता की हालत बिगड़ गई और खून गिरना बंद नही हो रहा था तब पीड़िता ने मजबूर होकर सारी घटना की जानकारी अपनी माता को दी थी। तब पीड़िता की माता ने आरोपी किसन के खिलाफ गौर थाने में तहरीर दी थी गौर पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर आरोपी किशन व अन्य परिवार के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने में जुट गई थी। तभी आरोपी पुलिस के दबाव में आकर बैडवा समय माता मंदिर पर पीड़िता से विवाह से किया था किन्तु अब किसन पीड़िता को अपने घर रखने के लिए तैयार नहीं है। और उसके पिता केशवराम, भाई जनकराम व भाभियां उर्मिला व गुडिया आदि ने उसे बुरी तरह से मारा पीटा था और जान से मारने की धमकी देते हुये घर से भगा दिया था पीड़िता ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई की मांग की है और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाई है। पीड़िता ने घटना की जानकारी हरैया सीओ को दी थी और पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायती पत्र दी थी लेकिन अभी तक पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाई है। अब देखना यह है कि बस्ती पुलिस पीड़िता को न्याय दिला पाती है या लेन देन करके मामले में लीपापोती करती है।

बलरामपुर में डिजिटल सशक्तिकरण से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

●उद्यमी वाणी प्लेटफॉर्म के जरिए मिल रहे नए अवसर ऐ,डी,ओ आई,एस,बी यशवंत पांडे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर में ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ग्राम वाणी संस्था सक्रिय है। एक, डी,ओ,आई,एस,बी यशवंत पांडे ने बताया कि संस्था अपने W 4P (वर्क फॉर प्रोग्रेस) कार्यक्रम के तहत 'उद्यमी वाणी' प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं को तकनीक से जोड़कर उद्यमिता के लिए प्रेरित कर रही है।इसी पहल के तहत जिले में हाल ही में जिला उद्यमिता सम्मेलन (DEC) का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना और स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए सहयोगात्मक माहौल तैयार करना था।कार्यक्रम में ग्राम वाणी के स्टेट हेड रफी अहमद ने बताया कि तकनीक महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से महिलाएं अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकती हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं।

इस अवसर पर RSETI के निदेशक पंकज वर्मा, NRLM के जिला मिशन प्रबंधक अखिलेश मौर्य, एडीओ यशवंत पांडेय, डीपीएम मौर्य और जिला समन्वयक वीर बहादुर सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने महिलाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं और व्यावसायिक अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस पूरे कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य डिजिटल तकनीक का उपयोग कर महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सके।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म- तीन अभियुक्त गिरफ्तार, गर्भपात कराने का भी आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। थाना पचपेड़वा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ कई बार दुष्कर्म करने के सनसनीखेज मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

क्या है मामला

पीड़िता ने थाना पचपेड़वा में दी गई तहरीर में बताया कि वह आरोपित के घर काम करने जाती थी। इसी दौरान मुख्य आरोपित ने उसे शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। इससे वह गर्भवती हो गई। आरोप है कि बाद में उसे जुड़ीकुईया ले जाकर एक डॉक्टर से सांठगांठ कर जबरन गर्भपात भी करा दिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त

पुलिस ने इस मामले में वांछित तीन अभियुक्तों–जलाल अहमद महतो, डॉ.

अफजल उर्फ सूफियान और कमलेश कुमार चौरसिया–को गिरफ्तार कर लिया है।

गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

पुलिस टीम की भूमिका

कार्रवाई में उपनिरीक्षक रमाकांत त्रिपाठी, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अजय प्रताप सिंह, कांस्टेबल रानू और महिला कांस्टेबल प्रीती शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी।

स्टॉक व बिक्री रजिस्टर अधूरे मिलने पर 3 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे निरीक्षण अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। स्टॉक एवं बिक्री रजिस्टर में अनियमितताएं पाए जाने पर तीन उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई संयुक्त कृषि निदेशक, अयोध्या मंडल अवतीन्द्र कुमार मिश्र एवं जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से की गई। अधिकारियों ने उर्वरक दुकानों और गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स यदुवंशी ट्रेडर्स, पूरबगांव द्वारा स्टॉक एवं बिक्री रजिस्टर प्रस्तुत नहीं किया जा सका। वहीं मेसर्स तिवारी ट्रेडर्स, गौरीगंज के पास चालू वर्ष का स्टॉक व बिक्री रजिस्टर उपलब्ध नहीं पाया गया। इसके अलावा इफको किसान सेवा केंद्र, गौरीगंज का स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर सत्यापित नहीं मिला। इन गंभीर अनियमितताओं के चलते तीनों विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित करते

हुए स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके अतिरिक्त साधन सहकारी समिति, जगदीशपुर एवं माधवपुर के निरीक्षण के दौरान केंद्र बंद पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने जनपद के सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिक्री रजिस्टर में निर्धारित कॉलम के साथ-साथ किसान का मोबाइल नंबर, खतौनी नंबर और फार्मर रजिस्ट्री नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज करें। निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी बोई गई फसल के अनुसार निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। प्रति हेक्टेयर अधिकतम 5 बोरी डीएपी और 7 बोरी यूरिया की बिक्री ही अनुमन्य होगी। सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि उनके पास स्टॉक व बिक्री रजिस्टर, रेट बोर्ड, कैश मेमो तथा भारत सरकार की अनुदान संबंधी जानकारी का प्रदर्शन (प्लेक्सी बोर्ड/वाल राइटिंग) अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो। साथ ही पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और भौतिक स्टॉक में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित विक्रेता का लाइसेंस निरस्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने लिया फैसला, स्कूलों के समय में बदलाव

तेज धूप और लू के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी का आदेश, कक्षा 1 से 8 तक नई समय-सारिणी में परिवर्तन

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश - जनपद में लगातार बढ़ रही गर्मी, तेज धूप और लू के असर को देखते हुए जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी परिषदीय विद्यालय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों सहित सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संचालित हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक का संचालन अब बदले हुए समय से किया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी पढ़ाई

जारी आदेश के मुताबिक कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालय अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होंगे। प्रशासन का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

डा0 सुनील कुमार तिवारी पर मरीज के साथ अभद्रता करने का लगा आरोप

●पीड़ित परिवार ने एस एस मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल पर मरीज को भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार ने मरीज की हालात नाजुक देख मरीज को रेफर करने के लिए नर्स से कहा तब नर्स ने कहा कि डॉक्टर साहब अभी नही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में स्थित कैली रोड एस एस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पर कार्यरत डा0 सुनील कुमार तिवारी पर गंभीर आरोप लगा है। डा0 सुनील कुमार तिवारी ने मरीज को रेफर कराने को लेकर पीड़ित परिवार पर आग बबूला हो गए और कहा कि जाओ जो करना है कर लो हमारा कुछ नही

होगा। डा0 सुनील कुमार तिवारी द्वारा पीड़ित परिवार को धमकाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रह है। आपको बता दें कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बढ़ूपुर ग्राम प्रधान राम प्रसाद की पत्नी को घर में कार्य करते समय सिर में चोट लग गई थी और सिर पर कई टांका लगा है। पीड़ित परिवार ने एस एस मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल पर मरीज को भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार ने मरीज की हालात नाजुक देख मरीज को रेफर करने के लिए नर्स से कहा तब नर्स ने कहा कि डॉक्टर साहब अभी नही है जब डॉक्टर साहब आयेंगे तभी मरीज को रेफर किया जायेगा। थोड़ी देर बाद डा0 सुनील कुमार तिवारी OPD कमरे में पहुंचे। तब नर्स ने डॉ सुनील तिवारी को बताया कि मरीज को रेफर के लिए पीड़ित परिवार के सदस्य कह रहे हैं इतना सुनते ही डा0 सुनील तिवारी पीड़ित परिवार पर आग बबूला हो गये और पीड़ित परिवार को मारने पीटने की धमकी देने लगे। पीड़ित परिवार ने बड़े ही धैर्यता से डा0 सुनील तिवारी से बातचीत किया। मामला फंसता देख डा0 सुनील तिवारी ने पीड़ित परिवार को फंसाने की भी धमकी देने लगे और पीड़ित परिवार का वीडियो बनवाने लगे और कहने लगे कि अब हम पूरे परिवार को फंसा देंगे। मामला तूल पकड़ते देख आनन फानन में डा0 सुनील कुमार तिवारी ने मरीज को रेफर कर दिया है लेकिन पीड़ित परिवार डा0 सुनील कुमार की दबंगई को देख डरा हुआ है पीड़ित परिवार के साथ कहीं कोई अनहोनी न हो जाएं। पीड़ित परिवार ने कहा कि यदि पूरे परिवार के साथ कोई घटना घटित होती है तो सारी जिम्मेदारी डा0 सुनील तिवारी समेत एस एस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पर कार्यरत समस्त कर्मचारियों की होगी।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनीं जनसुनवाई में आमजन की समस्या. , दिये त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – सोमवार दिनांक 20.04.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रताप इंटरनेशनल स्कूल 'लिटिल चैंपियन कप' में छात्राओं को मिला मौका, महिला सशक्तिकरण पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर के प्रताप इंटरनेशनल स्कूल में अंडर-13 'लिटिल चैंपियन कप' टूर्नामेंट (सीजन-2) के आयोजन में छात्राओं को भी टीम में शामिल किया गया है। स्कूल प्रबंधन ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया है। स्कूल डायरेक्टर सुरभि भदौरिया ने कहा कि समाज में महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलना चाहिए और इसी सोच के साथ स्कूल ने इस टूर्नामेंट में लड़कों के साथ-साथ लड़कियों को भी मौका दिया है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रही हैं और देश के सर्वोच्च पदों तक पहुंच रही हैं, ऐसे में बच्चों के मन में भी समानता और आत्मविश्वास की भावना विकसित करना जरूरी है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री राम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों में अनुशासन और टीम भावना का महत्व बताया। टूर्नामेंट में छात्र-छात्राओं की संयुक्त भागीदारी को लेकर अभिभावकों और उपस्थित लोगों ने भी सराहना की और इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया।

विकासखण्ड कप्तानगंज की साफ सुथरी छवि को धूमिल करने में सफल दिख रही सचिव रजनी दूबे

●इस मामले पर खंड विकासअधिकारीएवं सहायक विकास अधिकारी कोई संतुष्ट बयान नहीं दे पाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केविकासखण्ड कप्तानगंज की साफ सुथरी छवि को धूमिल करने में सफल दिख रही सचिव रजनी दूबे मनमानी आहत ग्रामीण परेशान हैं बीडीओ और एडीओ पंचायत के द्वारा जारी पंचायत भवन पर बैठने के कलस्टर को ठेंगा दिखाने में कोई कसर नही छोड़ रही सचिव रजनी दूबे कारनामे से ग्राम पंचायत के लोग परेशान नजर आ रहे हैं पंचायत भवन कलस्टर के अनुसार पूरा दिन ग्राम पंचायत बढ़ूपुर के पंचायत भवन पर सचिव रजनी दूबे को है बैठना ग्राम पंचायत बढ़ूपुर के पंचायत भवन पर पूरा दिन बैठ कर सचिव रजनी दूबे को करना है समस्त ग्राम पंचायतों की समस्याओं का निस्तारण कैसे हो नहीं ध्यान दे रहे हैं जिले के जिम्मेदार अधिकारी कैसे विकास हो ग्राम पंचायत का सुबह 12 बजे तक ग्राम पंचायत बढ़ूपुर के पंचायत भवन पर नही पहुंची सचिव रजनी दूबे जनता घंटे इंतजार करने के बाद अपने-अपने घर चले गए महीने में एक बार भी पंचायत भवन पर जनता की शिकायतों का ध्यान दिया जाए तब भी बहुत है इस मामले में वबीडीओ चन्द्रभान उपाध्याय एवं एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव से शिकायत की गई

लेकिन अधिकारियोंकी लापरवाही से मनमानी डियूटी करने में सफल है दबंग सचिव रजनी दूबे मनमानी डियूटी करने वाली सचिव रजनी दूबे की दबंगई के आगे लाचार हुए खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज चन्द्रभान उपाध्याय द्वारा रजनी दुबे को क्यों नहीं करवाई की जा रही है तेज तर्रार सीडीओ सार्थक अग्रवाल के लिए चुनौती बना कलस्टर से गायब सचिव रजनी दूबे के खिलाफ कार्रवाई करना सूत्रों के अनुसार सचिव रजनी दूबे ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवन बैठने के बजाए घर पर बैठकर फरमाती है आराम नहीं जाती है पंचायत भवनों पर जनता की शिकायतों का निस्तारण भी नहीं करती हैं सचिव महोदय बीडीओ चन्द्र भान उपाध्याय व एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव के मेहरबानी से डियूटी से गायब रहने में सफल है सचिव रजनी दूबे की दबंगई के आगे खंड विकास अधिकारी सहायक विकास अधिकारी फेल नजर आ रहे हैं।

डियूटी से गायब रहने के बाद भी विभागीय अधिकारियों द्वारा सचिव रजनी दूबे के खिलाफ कार्रवाई न होना जिले में बना चर्चा का विषय संदीप खंड विकास अधिकारी सहायक खंड विकास अधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी को ना सुनने की आदत है ना देखने की आदत है भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की आदत ऐसे अधिकारियों को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं हैस्ती जिले के विकासखण्ड कप्तानगंज में तैनात सचिव रजनी दूबे के बड़े कारनामों से विभाग कार्रवाई करने में क्यों पीछे हट रहा है सचिव द्वारा भ्रष्टाचार के चेहरे सामने आने से जिम्मेदार अधिकारी अपना पल्ला झाड़ रहे हैं पत्रकारों से बयान देने में पीछे हट रहे खंड विकास अधिकारी क्यों नहीं करवाई हो रही है रजनी दुबे के ऊपर इसका कारण स्पष्ट नहीं दे पा रहे अधिकारी विकासखंड कप्तानगंज में भ्रष्टाचारचरम पर है अधिकारियों के आंखों पर काला चश्मा लगा हुआ है जो ना कभी दिखाई देता है और कानों में लगी छतरी जिससे सुनाई नहीं देता है कैसे न्याय मिलेगा जनता को भ्रष्टाचार विकास विभाग का खुलासा कब होगा।

प्रजापति समाज का 22वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

ललितपुर। प्रजापति समाज द्वारा आयोजित 22वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास और सामाजिक एकता के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष शोभाराम ने की। इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सम्मेलन में संरक्षण मंडल से जुड़े पदाधिकारियों के साथ जिला अध्यक्ष हरचरण प्रजापति बाबा, कोषाध्यक्ष सुरेश, उपाध्यक्ष छह बिहार, सचिन भगवान दास प्रजापति, संगठन मंत्री गणेश, श्रीराम प्रजापति, राधेश्याम, हर प्रसाद सतगता, तथा जिला मीडिया प्रभारी अमित प्रजापति विशेष रूप से शामिल रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान करना रहा। सम्मेलन के सफल आयोजन पर समाज के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की और आयोजकों की सराहना की।

संक्षिप्त खबरें

तंबौर में तीन सभासद मनोनीत, एसडीएम ने दिलाई शपथ

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

लहरपुर, तंबौर क्षेत्र में शासन द्वारा तीन सभासदों की मनोनीति की गई। नामित सभासदों में अजय पटेल, राम सिंह वर्मा और मनोज नाग शामिल हैं। लहरपुर में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम ने सभी तीनों नामित सभासदों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष जयकुमार वर्मा मौजूद रहे। नगर अध्यक्ष तंबौर तैय्यबुन निशा, सकरन मंडल अध्यक्ष हरगोविंद मौर्या, जिला प्रतिनिधि अजय पटेल, मंडल उपाध्यक्ष दिनेश शुक्ला और पूर्व मंडल अध्यक्ष तंबौर नगर टेनी रस्तोगी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शासन की इस पहल से स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। मनोनीत सभासदों ने शपथ ग्रहण के बाद क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश, प्राथमिक विद्यालय बना जंगल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बिराहिमपुर ग्राम पंचायत इन दिनों बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर चर्चा में है। गांव के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान रामशंकर और पंचायत सचिव पर घोर लापरवाही और अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में महीनों से नियमित साफ-सफाई नहीं कराई गई है, जिसके चलते पूरे पंचायत में गंदगी का अंबार लग गया है और लोगों का जीवन दूभर हो गया है।

ग्राम पंचायत के रामपुर बस्ती मजरा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है। यहां की नालियां पूरी तरह जाम होकर बजबजा रही हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों और गलियों में फैल रहा है। दुर्गंध के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो प्रधान ने कोई ध्यान दिया और न ही पंचायत सचिव ने इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाया।

वहीं शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले प्राथमिक विद्यालय की हालत भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। विद्यालय परिसर में जगह-जगह झाड़ियां और घास उग आई हैं, जिससे पूरा परिसर जंगल जैसा नजर आने लगा है। साफ-सफाई के अभाव में बच्चों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, यहां तैनात शिक्षक खुद अपने निजी खर्च से मजदूर लगाकर विद्यालय की सफाई कराने को मजबूर हैं, जो कि प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान रामशंकर दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है। जो भी व्यक्ति अपनी समस्या या शिकायत लेकर उसके पास पहुंचता है, उसे डराने-धमकाने की कोशिश की जाती है। इस कारण लोग खुलकर अपनी समस्याएं रखने से भी डरते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान द्वारा सरकारी व्यवस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और आम जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके अलावा ग्रामीणों ने यह भी गंभीर आरोप लगाए हैं कि पंचायत में तैनात सफाईकर्मियों का सही तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि प्रधान केवल अपने चहेते और करीबी लोगों के घरों व आसपास ही सफाई कराता है, जबकि बाकी गांव गंदगी और अव्यवस्था से जूझता रहता है। इससे गांव में असमानता और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने इस पूरे मामले को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को भी मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर प्रधान व पंचायत सचिव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

मुख्तार अंसारी के शार्प शूटर सरफराज की याचिका खारिज, उसरी चट्टी हत्याकांड में मुकदमा जारी

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गाजीपुर के उसरी चट्टी हत्याकांड में मुख्तार अंसारी के कथित शार्प शूटर सरफराज अंसारी उर्फ मुन्नी के खिलाफ चल रही अभियोजन की कार्यवाही को समाप्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में विचारण कोर्ट के सामने आरोपपत्र दाखिल होकर याची पर आरोप तय हो चुके हैं और घटना में मृतक मनोज राय के पिता शैलेंद्र कुमार राय की गवाही भी हो चुकी है। इसलिए ऐसे में सीआरपीसी की धारा 82 के तहत दखल देकर पूरी अभियोजन कार्यवाही खत्म करने का कोई औचित्य नहीं है। यह आदेश जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने सरफराज अंसारी की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया है।याची की ओर से कहा गया था कि घटना 2001 की है, जिसमें मुख्तार अंसारी के गुट पर बृजेश सिंह गुट ने बड़ा हमला किया था। इस दौरान कई लोगों की मौत हो गई थी। बृजेश के साथ कथित रूप से घटना में शामिल मनोज राय की भी मौत हो गई थी। मनोज राय के पिता शैलेंद्र कुमार राय ने 2023 में गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने पर मुख्तार अंसारी व अन्य के खिलाफ 2001 की घटना की प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। इसमें कहा था कि मनोज राय को बिहार के बक्सर से उठाकर मुख्तार के गुर्गों ने उसकी हत्या करके उसरी चट्टी हत्याकांड में मरना बता दिया था।

लोकतंत्र की सशक्त सारथी बनेंगी महिलाएं: रमेश वाजपेयी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। स्त्री शक्ति का उत्थान और बालिकाओं की सुरक्षा वर्तमान शासन तंत्र की प्राथमिक अधिमानताओं में सर्वोपरि है। महिलाओं के चहुंमुखी विकास और विधायी प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रवर्तित नारी शक्ति वंदन अधिनियम राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक युगांतरकारी हस्तक्षेप है। यह विचार स्थानीय सीता इंटर कॉलेज के शास्त्री सभागार में व्यक्त किए गए। अवसर था राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की इकाई द्वारा आयोजित विशेष जागरूकता अभियान का, जहाँ प्रधानाचार्य रमेश वाजपेयी 'विरल' छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं को संबोधित कर रहे थे। प्रधानाचार्य ने बल दिया कि आधुनिक युग की अनिवार्य आवश्यकता महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने छात्राओं को केवल शैक्षिक अर्जन तक सीमित न रहकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वर्ष 2023 के इस ऐतिहासिक अधिनियम की व्याख्या करते हुए उन्होंने इसे महिलाओं के राजनीतिक व सामाजिक सशक्तीकरण का आधार स्तंभ बताया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को स्वावलंबन और नेतृत्व कौशल विकसित करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें। समारोह के अंतर्गत विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस गरिमामयी आयोजन में उप-प्रधानाचार्य यशपाल वर्मा, एनएसएस के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी शिवसेवक मिश्र, सांस्कृतिक प्रभारी प्रतिभा सिंह सहित अनीता वर्मा, राजकुमारी वर्मा एवं संजू रस्तोगी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

महराजगंज/रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू की छात्रा शिवानी सिंह पुत्री राकेश सिंह का यूपी पीसीएस-2024(असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी) पद पर चयन होने पर विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिवानी सिंह ने अपनी स्कूली शिक्षा एन.एस.पी.एस. सलेथू से ग्रहण की। इन्होंने हाईस्कूल की परीक्षा-2014 तथा इंटरमीडिएट-2016 में उत्तीर्ण की थी। छात्रा का पीसीएस में चयन होने पर विद्यालय परिवार गौरवान्वित है। आयोजित समारोह में शिवानी सिंह ने विद्यालय के छात्रों को अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रेरित किया व बताया कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कैसे अपनी रणनीति बनानी होगी साथ ही उपस्थित छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनको प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने बताया कि शिवानी सिंह हमारे विद्यालय की होनहार व प्रतिभावान छात्रा रही है। छात्रा ने अपने अथक प्रयास और समर्पण से विद्यालय का नाम रोशन किया है जिससे हम और हमारा विद्यालय परिवार बहुत ही खुश है। उन्होंने ये भी कहा कि छात्रा शिवानी सिंह विद्यालय के लिए प्रेरणा श्रोत है उनकी इस सफलता से अन्य छात्र-भी प्रेरित होंगे। इस कार्यक्रम में उप- प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव, शिक्षक- शिक्षिकाएं ,छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में समर फन कैंप का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली: न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय समर फन कैंप का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एनएसपीएस तेजगाव के प्रधनाचार्य इंद्र विक्रम सिंह व एनएसपीएस विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने फीता काट कर किया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों के लिए अनेक रोमांचक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें वॉटर रोलर, ज़ॉर्बिंग, ट्रेम्पोलिन, पूल क्रॉसिंग, एडवेंचर माउंटेन बाइक, पॉटरी, किड्स बाउंसी, बिग बाउंसी, सूमो रेसलिंग, रेन डांस, पूल पार्टी, फोम पार्टी, नॉकआउट बाउंसी, टेंडम साइकिल, बर्मा ब्रिज कमांडो क्रॉसिंग तथा पप्पेट शो प्रमुख रहे।

इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ आनंद उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, साहस, रचनात्मकता एवं टीम भावना का विकास करना था, जिसमें यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस प्रकार के फन कैंप बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उक्त कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र अंशुमान भदौरिया, शिवांश त्रिपाठी, भौमिक त्रिवेदी, आधा यादव,अदिती आदि को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था, जिससे यह आयोजन यादगार बन गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाराबंकी-बहराइच हाईवे निर्माण में अटका पेच, अलाइनमेंट बदला तो टूटेंगे सैकड़ों मकान

लखनऊ। बाराबंकी से बहराइच के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की हरी झंडी कैबिनेट से भले मिल गई हो, लेकिन वन विभाग की अनुमति मिलना बाकी है। अक्टूबर 2026 से काम शुरू होना है, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक किए गए कई पत्राचार के बाद भी वन विभाग से एनओसी का इंतजार है। बताया जा रहा है कि सेकेट्री फोरेस्ट राज्य सरकार से क्लीयरेंस मिलना है। छह लेन के राष्ट्रीय राजमार्ग मुस्ताफाबाद से कैसरगंज होते हुए बहराइच तक जाएगा। इस रास्ते में वन विभाग की 70 हेक्टेयर जमीन है। वन विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग के अलाइनमेंट का बदलवाना चाहता है, क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग के मार्ग में नौ हजार पेड़ आ रहे हैं, जिन्हें सड़क बनाते वक्त काटना ही पड़ेगा और कई हेक्टेअर जमीन भी जाएगी। वहीं, वन विभाग इस अलाइनमेंट को बदलवाने का प्रयास कर रहा है। एनएचएआई का तर्क है कि पीएमओ कार्यालय से अलाइनमेंट की स्वीकृति मिल चुकी है। ऐसे में अलाइनमेंट में कोई बदलाव संभव नहीं है। अगर अलाइनमेंट बदलता है तो शहर के भीतर से निकलेगा और सैकड़ों मकान गिराए जाएंगे, इससे प्रोजेक्ट की लागत कई सौ करोड़ बढ़ जाएगी। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग का प्रोजेक्ट विलंब से शुरू होने की संभावना है।

मलिहाबाद में 'मलिहा पासी स्मृति द्वार' को लेकर गहराया विवाद, सोशल मीडिया पर लगातार किए जा रहे भड़काऊ पोस्ट, माहौल तनावपूर्ण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ) मलिहाबाद में विधायक जयदेवी कौशल द्वारा बनवाए गए मलिहा पासी स्मृति द्वार को लेकर शुरू हुआ विवाद अब धीरे-धीरे गंभीर रूप लेता जा रहा है। यह मामला अब केवल एक स्मृति द्वार तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील मुद्दा बन गया है। क्षेत्र में पासी समाज और अर्कवंशी समाज के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिल रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अर्कवंशी समाज के कुछ लोगों का दावा है कि मलिहा राजा पासी समाज से नहीं बल्कि अर्कवंशी समुदाय से संबंधित थे। उनका कहना है कि स्मृति द्वार का नामकरण और इससे जुड़ी पहचान गलत तरीके से प्रस्तुत की गई है। वहीं, पासी समाज के लोगों ने इस दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए इसे अपने समाज के इतिहास और सम्मान पर सीधा हमला बताया है। पासी समाज का कहना है कि मलिहा पासी उनके समाज के गौरव हैं और उनके नाम पर बने स्मृति द्वार से किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस विवाद ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब सोशल मीडिया पर कुछ फेसबुक अकाउंट्स– 'क्षत्रिय एकता भारत' और 'Nirala Desh Bharat '–से लगातार भड़काऊ पोस्ट और वीडियो वायरल होने लगे। इन पोस्ट्स में कथित तौर पर स्मृति द्वार को उखाड़ फेंकने की धमकी दी जा रही है, जिससे इलाके में डर और आक्रोश का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पोस्ट समाज में वैमनस्य फैलाने का काम कर रही हैं और इससे कभी भी स्थिति बिगड़ सकती है।

सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी सामने आ रही है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मलिहाबाद के माहौल को जानबूझकर खराब करने और स्मृति द्वार को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस तरह की चर्चाओं ने प्रशासन की चिंता जरूर बढ़ा दी है। क्षेत्र के कई जिम्मेदार नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि समय रहते सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस पूरे प्रकरण पर सुहेलदेव आर्मी के चीफ योगेश पासी ने भी कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि स्मृति द्वार को हटाने या उससे छेड़छाड़ करने की कोई भी कोशिश की गई, तो पासी समाज व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि स्मृति द्वार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

वहीं सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शुभम पंडित का समर्थन पासी समाज को लगातार मिलता दिख रहा। वहीं सुहेलदेव आर्मी मलिहाबाद के प्रचारक अजीत पासी ने भी इसपर प्रशासन से नाराज़गी जताते हुए भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर कारवाही कि मांग की है वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे को लेकर हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल जहां इस पूरे मामले में सरकार और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं सत्तापक्ष के नेता इसे कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर भड़काया गया विवाद बता रहे हैं।

फिलहाल, मलिहाबाद का माहौल काफी संवेदनशील बना हुआ है। आम नागरिकों में शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है, लेकिन जिस तरह से सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री सामने आ रही है और दोनों समुदायों के बीच बयानबाजी तेज हो रही है, उसे देखते हुए प्रशासन के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि वह इस विवाद को किस तरह शांतिपूर्वक सुलझाता है।

परसेंडी रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा, सिर धड़ से हुआ अलग

शिनाख्त की कोशिशों में जुटी जीआरपी आत्महत्या की आशंका

तालगांव सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत परसेंडी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह लगभग 10:30बजे उस समय हुआ जब जननायक एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। ट्रेन निकलने के बाद राहगीरों ने युवक का शव पटरी पर पड़ा देखा। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक का सिर धड़ से अलग हो गया था। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। घटना की सूचना के करीब दो घंटे बाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची। जीआरपी दरोगा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

यूपी के ऊर्जा निगमों में भारी आक्रोश: 7 मई को प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार का ऐलान, जिलों में गूँजा 'सत्याग्रह'

● ...आउटसोर्स निगम में शामिल करने की मांग को लेकर संविदा कर्मियों ने खोला मोर्चा ; समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर आज प्रदेश के सभी जिलों में संविदा कर्मियों ने 'सत्याग्रह' कर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा को दी गई उस पूर्व नोटिस के संदर्भ में किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने राज्य सरकार द्वारा नवगठित 'आउटसोर्स निगम' में ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को भी सम्मिलित करने की पुरजोर मांग की है। कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि 7 मई 2026 तक उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया, तो पूरे प्रदेश की बिजली व्यवस्था ठप करते हुए कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

विधानसभा में की गई घोषणाओं पर प्रबंधन की बेरुखी

महासंघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ मजदूर नेता आर.एस. राय ने इस मौके पर पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन की कार्यशैली पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि स्वयं माननीय मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पटल से यह घोषणा की थी कि प्रदेश के संविदा कर्मियों के बीच से बिचौलियों (ठेकेदारों) को हटाया जाएगा, उन्हें विभाग द्वारा सीधे वेतन का भुगतान होगा, मानदेय में वृद्धि की जाएगी और ईपीएफ का भुगतान भी सीधे विभाग सुनिश्चित करेगा। राय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की इस स्पष्ट मंशा के बावजूद पावर कॉर्पोरेशन का प्रबंधन ऊर्जा निगम के संविदा कर्मचारियों को प्रस्तावित आउटसोर्स निगम से बाहर रखना चाहता है, जो न केवल सरकारी आदेशों की अवहेलना है बल्कि हजारों कर्मचारियों के साथ सरासर अन्याय भी है।

शोषण और छंटनी के विरुद्ध निर्णायक जंग

महासंघ के प्रदेश प्रभारी पुनीत राय ने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि

वर्तमान में संविदा कर्मी ठेकेदारों के शोषण और प्रतिदिन होने वाली अवैध छंटनी से त्रस्त हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने और बिचौलिया प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए इन्हें आउटसोर्स निगम के दायरे में लाना अनिवार्य हो गया है। वहीं, विद्युत मज़दूर संगठन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं महासंघ के मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पाण्डेय ने सरकार और प्रबंधन को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि 7 मई का कार्य बहिष्कार महज एक शुरुआत है। यदि इसके बाद भी संविदा कर्मियों को न्याय नहीं मिला और उनकी जायज मांगों को अनसुना किया गया, तो प्रदेश भर के ऊर्जा कर्मी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर जाने के लिए विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

सनकी युवक ने महिलाओं को दौड़ा- दौड़ा कर पीटा

● बोतल और डंडे से हमलाकर किया लहुलूहान

● दो की हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के चमनगंज मोहल्ला वार्ड नंबर 2 में सोमवार की देर रात करीब साढ़े दस बजे अचानक हड़कंप मच गया। एक अज्ञात युवक ने महिलाओं समेत कई लोगों पर हमला कर दिया। हमले में कई लोग घायल हो गए। दो महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में दो महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया गया। मोहल्ला निवासी माया देवी ने बताया कि वह घर के बाहर टहल रही थीं। जैसे ही अंदर जाने लगीं पीछे से आए युवक ने कांच की शीशी से सिर पर वार कर दिया। इसके बाद बबूल की कांटेदार लकड़ी से हमला किया। वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। वहीं मोहल्ले की ही गीता देवी जो दिव्यांग हैं ने बताया कि वह दरवाजे पर बैठी थीं। तभी युवक दौड़ता हुआ आया और उनका गला दबाकर जमीन पर पटक दिया। आरोपी ने साकेत नगर की निर्मला पर भी हमला किया। बचाने आए उसके बेटे निक्कू को भी डंडे से पीट दिया। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। कई लोग हाथों में डंडे लेकर सतर्क हो गए। सीएचसी में तैनात डॉ. एसके सिंह ने बताया कि सभी घायलों का इलाज किया गया। गंभीर रूप से घायल महिलाओं को जिला अस्पताल भेजा गया है। पीड़ितों के मुताबिक हमला करने वाला युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा था। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। पीड़ितों ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने मोहल्ले गश्त बढ़ा दी है। इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह ने बताया कि युवक को गिरफ्तार किया गया। वह मानसिक रूप से मानसिक बीमार लग रहा है। आरोपी को पड़कर उसे शांति भंग में पाबंद किया गया है।

लखनऊ में बिजली संकट: गर्मी में ट्रांसफार्मर और केबल बने मुसीबत, एक से तीन घंटे बत्ती गुल

लखनऊ। राजधानी में तपिश बढ़ते ही बिजली ने आंख मिचौली का खेल तेज कर दिया है। कही ट्रांसफार्मर जले तो कही तकनीकी खराबी के कारण ट्रांसफार्मरों ने धोखा दिया। वहीं बिजली का लोड बढ़ते ही नक्कखास, महानगर में एरियर बंच केबल (एबीसी) जल गए। यह वही केबल हैं जो रिवैम्प डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में बदले गए थे। इसके अलावा हजरतगंज से लेकर चिनहट, जीपीआरए, गोमती नगर सहित डेढ़ दर्जन बिजली उपकेंद्रों से संबंधित क्षेत्रों में बिजली संकट रहा। इसके कारण लाखों उपभोक्ताओं को बिजली के साथ- साथ पानी संकट का सामना करना पड़ा। वहीं, अभियंताओं ने अपने क्षेत्रों में बिजली संकट छिपाने की भरसक कोशिश की लेकिन उपभोक्ताओं द्वारा सोशल मीडिया का प्लेटफार्म अपनाने के कारण अभियंताओं को फाल्ट को दुरुस्त करवाने में तेजी दिखानी पड़ी। प्रियदर्शिनी उपकेंद्र के अजीजनगर, वसंत विहार में बिजली समस्या रही।

हाथी, घोड़ा, ऊंट के साथ भव्य 21 सौ कलश यात्रा निकाली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद बलरामपुर के मधपुर पकड़ी गांव में आयोजित दस दिवसीय श्रीराम कथा के शुभारंभ अवसर पर मंगलवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। सुबह करीब 10 बजे से कथा स्थल से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा सेमरी, बेलवा और बिस्कोहर बस स्टाप होते हुए बूढ़ी राप्ती नदी के परसोहन घाट पर जा पहुंची। लगभग दो किलोमीटर लंबी इस यात्रा में श्रद्धालुओं ने करीब सात किलोमीटर की पैदल दूरी तय की। शोभायात्रा में 21 सौ कलश शामिल रहे, महिलाओं और बालिकाओं ने सिर पर कलश रखकर पूरे श्रद्धा भाव के साथ कलश यात्रा में भाग लिया। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत और पुष्पवर्षा की गई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। यात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट और सुसज्जित रथों पर भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं, हेलीकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। इस दौरान

श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजक समिति के धनीराम प्रजापति ने बताया कि श्रीराम कथा का आयोजन 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें अवधपुरी से पधारे जगतगुरु श्री दिनेशाचार्य जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। इस अवसर पर पंडित दुर्गेश शुक्ला, पूर्व विधायक शैलेन्द्र प्रताप सिंह , बिस्कोहर चेयर मैन अजय गुप्ता, फतेह बहादुर सिंह उर्फ पप्पू सिंह,नृपेन्द्र सिंह, राम नरेश पासवान, रक्षा राम प्रजापति, पंकज कुमार प्रजापति, धर्मेन्द्र शुक्ला, मनी राम प्रजापति, सियाराम प्रजापति, आदि लोग सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संकुल धरैंचा की अप्रैल माह की मासिक बैठक संपन्न

● .अपने कार्यों को समय पर तथा गुणवत्ता पूर्ण करना चाहिए तभी सफलता मिलेगी:-पूनम बाजपेई ए आर पी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर खैराबाद ब्लॉक के संकुल धरैंचा की अप्रैल माह की संकुल बैठक प्राथमिक विद्यालय धरैंचा में संपन्न हुई। बैठक मासिक एजेंडा के अनुसार संचालित की गई संकुल शिक्षकों द्वारा विभाग द्वारा प्राप्त एजेंडे के आधार पर गतिविधि कराई गई। बच्चों को सीखने की लय में लाने के लिए तथा विज्ञान किट के उपयोग और स्मार्ट क्लास, टैबलेट आईसीटी लैब ,के प्रभावी उपयोग, पोर्टल पर अपलोड समय सारणी के अनुसार कक्षाएं व गतिविधियां, इको क्लब, मौखिक भाषा विकास संबंधी खेल गतिविधियों आदि पर चर्चा की गई विद्यालयों के सर्वोत्तम एकेडमिक अभ्यास पर चर्चा की गई। संकुल बैठक में संकुल शिक्षक हसन जमाल रिज़्वी ने विस्तार से बताया,बैठक में उपस्थित शिक्षकों के मध्य एक एक विंदु पर चर्चा की और सभी कार्यों को बहुत अच्छे ढंग से करने का तरीका भी बताया। संकुल शिक्षक एजाज़ अहमद ने कहा कि हम सब साथी शिक्षक टीम भावना से कार्य करेंगे तो प्रगति होगी जबकि संकुल शिक्षक हसन जमाल एवं मुदित पाण्डेय ने कहा किसी को भी किसी प्रकार की कोई समस्या हो उसे साझा करिए उसका तुरंत निदान किया जाएगा जबकि संकुल शिक्षक काजिम हुसैन ने तमाम बिंदुओं को अच्छे से समझाते हुए चर्चा की। ए आर पी अंग्रेज़ी भाषा पूनम बाजपेई ने सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि अपने अपने विद्यालयों में शिक्षक डायरी अवश्य बनाएं और नियमित उसी के अनुसार कार्य करें जो भी कार्य करें पूरी तरह गुणवत्ता पूर्ण ढंग से करें तथा अपने कार्यों को सबसे पहले पूरा किया करें तभी हम सफलता हासिल कर सकते हैं निपुण आंकलन प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में शत प्रतिशत आवश्यक रूप से करवाना आवश्यक है क्योंकि यह जिला अधिकारी महोदय की प्रथम वरीयता में एक है।बैठक का शुभारंभ ए आर पी पूनम बाजपेई,अनीता ,मुदित

पांडेय और शशी शुक्ला के द्वारा द्वीप प्रज्वलित करके किया गया। बैठक में संकुल धरैंचा के 108 शिक्षकों के सापेक्ष 26 शिक्षक मौजूद थे। संकुल शिक्षक हसन जमाल रिज़्वी,मुदित पाण्डेय एजाज़ अहमद तथा काज़िम हुसैन के द्वारा बैठक का डी सी एफ भरा गया जबकि संकुल शिक्षक फ़ैजुल हसन का तकनीकी समस्या के कारण भरा नहीं जा सका।संकुल के समस्त विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा प्राथमिक विद्यालय धरैंचा के प्रभारी प्रधानाध्यापक भानु प्रताप और समस्त स्टाफ को व्यवस्थित बैठक और जलपान के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया । बैठक का संचालन संकुल शिक्षक काज़िम हुसैन ने किया। बैठक के अंत में प्रभारी प्रधानाध्यापक भानु प्रताप तथा पूर्व प्रभारी नसरीन ने आभार व्यक्त किया।

पृथ्वी दिवस: पर्यावरण संरक्षण की चेतना और मानव अस्तित्व का आधार

22 अप्रैल विश्व पृथ्वी दिवस

हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता के लिए चेतावनी और संकल्प का प्रतीक है। यह दिन हमें यह समझाने का प्रयास करता है कि जिस पृथ्वी पर हम अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उसकी सुरक्षा और संतुलन बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। आधुनिक युग में विज्ञान और तकनीक के विकास ने मानव जीवन को सरल और सुविधाजनक बना दिया है, लेकिन इसके साथ ही हमने प्रकृति का अत्यधिक दोहन भी किया है, जिसके कारण आज पर्यावरण गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

पृथ्वी दिवस की शुरुआत वर्ष 1970 में अमेरिकी सीनेटर गैलॉर्ड नेल्सन द्वारा की गई थी। 1969 में कैलिफ़ोर्निया के सांता बारबरा में हुए भीषण तेल रिसाव ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और उन्होंने महसूस किया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से उन्होंने 22 अप्रैल 1970 को एक बड़े स्तर पर 'टीच-इन' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें लाखों लोगों ने भाग लिया। इस आंदोलन को सफल बनाने में डेनिस हेज़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह आयोजन इतना प्रभावशाली सिद्ध हुआ कि यह एक जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया और इसके परिणामस्वरूप पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

पृथ्वी दिवस मनाने का विशेष कारण आज की पर्यावरणीय परिस्थितियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वर्तमान समय में पृथ्वी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, जिनमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन प्रमुख हैं। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने जहां एक ओर विकास को गति दी है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण के संतुलन को भी बिगाड़ दिया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं और समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता में वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में पृथ्वी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि हमने समय रहते पर्यावरण की रक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो आने वाला भविष्य अत्यंत कठिन हो सकता है।

पृथ्वी दिवस का उद्देश्य केवल समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करना नहीं है, बल्कि लोगों को समाधान के लिए प्रेरित करना भी है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों और गतिविधियों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभिन्न संस्थाओं में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण से संबंधित संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। इसके माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं।

समय के साथ पृथ्वी दिवस एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। 1990 में इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाने लगा और आज यह 190 से अधिक देशों में व्यापक रूप से मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2009 में 22 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस' के रूप में मान्यता देकर इसकी वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया। इसके

अतिरिक्त, 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हर वर्ष पृथ्वी दिवस एक नई थीम के साथ मनाया जाता है, जो वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों को ध्यान में रखकर निर्धारित की जाती है। उदाहरण के लिए, 2025 की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व को रेखांकित करती है। यह हमें यह संदेश देती है कि हमें पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के स्थान पर सौर, पवन और जल ऊर्जा जैसे स्वच्छ और टिकाऊ स्रोतों को अपनाना चाहिए, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके।

पृथ्वी दिवस का महत्व इस बात में भी निहित है कि यह हमें व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित करता है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संगठनों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हम अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके भी पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकते हैं, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग करना, पानी और बिजली की बचत करना, कचरे का उचित निपटान करना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना। ये छोटे कदम मिलकर एक बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

पृथ्वी दिवस हमें यह भी सिखाता है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम केवल विकास पर ध्यान देंगे और पर्यावरण की उपेक्षा करेंगे, तो यह विकास स्थायी नहीं रहेगा। सतत विकास की अवधारणा इसी संतुलन पर आधारित है, जिसमें वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के हितों का भी ध्यान रखा जाता है। यह दिन हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का संदेश देता है, क्योंकि यही हमारे अस्तित्व की कुंजी है।

आज के समय में पृथ्वी दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि यह एक सतत आंदोलन बन चुका है, जो पूरे वर्ष लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने कार्यों के माध्यम से पृथ्वी पर क्या प्रभाव डाल रहे हैं और हम इसे कैसे सुधार सकते हैं। यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी संपत्ति नहीं है, बल्कि हम इसके संरक्षक हैं और हमें इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। अंततः, पृथ्वी दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि यदि हम अपनी धरती को बचाना चाहते हैं, तो हमें अभी से प्रयास शुरू करने होंगे। यह केवल सरकारों या बड़े संगठनों का कार्य नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। जब हम सभी मिलकर इस दिशा में कार्य करेंगे, तभी हम एक स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण का निर्माण कर पाएंगे। यही पृथ्वी दिवस का वास्तविक उद्देश्य और सार है।

कांतिलाल मांडोत

साइबर अपराध का बदलता चेहरा

डिजिटल युग ने मानव जीवन को जितना सरल और सुविधाजनक बनाया है, उतना ही जटिल और जोखिमपूर्ण भी बना दिया है। आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, खरीदारी और संचार तक लगभग हर काम इंटरनेट और मोबाइल के माध्यम से हो रहा है। इस तेज बदलाव के बीच अपराधियों ने भी अपने तरीके बदल लिए हैं। पहले जहां चोरी और धोखाधड़ी के लिए भौतिक उपस्थिति जरूरी होती थी, वहीं अब एक मोबाइल फोन और इंटरनेट के जरिए हजारों किलोमीटर दूर बैठा व्यक्ति किसी को भी ठग सकता है। हाल के वर्षों में डिजिटल ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है और चिंता की बात यह है कि इनका शिकार केवल अनपढ़ या ग्रामीण लोग ही नहीं बल्कि उच्च शिक्षित और समझदार लोग भी हो रहे हैं।

डिजिटल ठगी के नए तरीकों में सबसे खतरनाक रूप से उभर कर सामने आया है तथाकथित डिजिटल अरेस्ट। यह एक ऐसा छल है जिसमें अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी, जांच एजेंसी का कर्मचारी या किसी सरकारी विभाग का प्रतिनिधि बताकर व्यक्ति को डराता है। उसे बताया जाता है कि उसके नाम पर कोई गंभीर अपराध दर्ज है जैसे धन शोधन, अवैध लेनदेन या किसी आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता। इसके बाद वीडियो कॉल या ऑडियो कॉल के माध्यम से व्यक्ति को कई घंटों तक अपने नियंत्रण में रखा जाता है। उसे यह विश्वास दिलाया जाता है कि वह जांच के दायरे में है और उसे कहीं जाने या किसी से बात करने की अनुमति नहीं है। इस दौरान उसे मानसिक दबाव में रखा जाता है और अंततः पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में साइबर अपराध के लगभग 15 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर लगभग 20 लाख के आसपास पहुंच गई। इनमें से एक बड़ा हिस्सा वित्तीय ठगी से जुड़ा है। औसतन हर दिन हजारों लोग इस तरह के अपराधों का शिकार हो रहे हैं। कई मामलों में एक ही व्यक्ति से 50000 से लेकर 5000000 रुपये तक की ठगी की गई है। यह आंकड़े केवल दर्ज मामलों के हैं, वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि बहुत से लोग शर्म या डर के कारण शिकायत ही नहीं करते।

डिजिटल अरेस्ट जैसे घोटाले इतने प्रभावी इसलिए होते हैं क्योंकि वे मानव मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव डालते हैं। जब किसी व्यक्ति को अचानक यह बताया जाता है कि वह किसी गंभीर अपराध में फंस गया है, तो उसका पहला भाव डर और घबराहट का होता है। अपराधी इसी डर का फायदा उठाते हैं। वे अपनी भाषा, पहनावा और संवाद शैली को इस तरह प्रस्तुत करते हैं कि सामने वाला व्यक्ति उन्हें वास्तविक अधिकारी समझने लगता है। कई बार वे नकली पहचान पत्र, कार्यालय का बैकग्राउंड और वर्दी का भी उपयोग करते हैं ताकि उनकी बात और अधिक विश्वसनीय लगे।

इस प्रकार की ठगी का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें समय का दबाव बनाया जाता है। पीड़ित को सोचने या सलाह लेने का अवसर नहीं दिया जाता। उसे कहा जाता है कि यदि उसने तुरंत सहयोग नहीं किया तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा या उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई होगी। इस मानसिक दबाव में व्यक्ति बिना सत्यापन किए ही पैसे भेज देता है। यह स्थिति दर्शाती है कि केवल तकनीकी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानसिक सजगता और धैर्य भी उतना ही

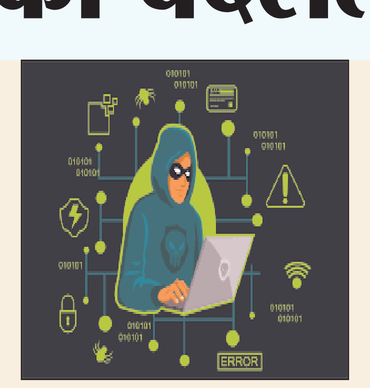

आवश्यक है।

भारत में साइबर अपराध से निपटने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से लोग ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा 1930 हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध है जहां तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। विभिन्न राज्यों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं और डिजिटल जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद अपराधों की संख्या में कमी नहीं आ रही है, जिसका मुख्य कारण जागरूकता की कमी और तकनीक का तेजी से बदलता स्वरूप है।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल ठगी को रोकने के लिए केवल कानून और तकनीक पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए समाज के हर वर्ग को जागरूक करना आवश्यक है। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए, खासकर बुजुर्गों और युवाओं को इसके बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी साइबर सुरक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी शुरुआत से ही सतर्क रहे।

व्यक्तिगत स्तर पर कुछ सरल सावधानियां अपनाकर इस प्रकार की ठगी से बचा जा सकता है। सबसे पहले किसी भी अनजान कॉल या संदेश पर तुरंत विश्वास न करें। यदि कोई खुद को अधिकारी बताकर डराने की कोशिश करता है तो उसकी पहचान की पुष्टि करें। किसी भी स्थिति में अपने बैंक खाते, पासवर्ड, ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। यदि कोई आपसे पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहता है तो पहले अपने परिवार या किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लें। याद रखें कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से पैसे नहीं मांगती।

डिजिटल ठगी का बढ़ता हुआ खतरा केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास को भी कमजोर करता है। जब लोग बार बार ऐसे अपराधों का शिकार होते हैं तो उनका विश्वास संस्थाओं और तकनीक दोनों से उठने लगता है। यह स्थिति विकास की गति को भी प्रभावित कर सकती है क्योंकि डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने में लोग हिचकिचाने लगते हैं।

इस समस्या का समाधान केवल तकनीकी उपायों में नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी में निहित है। सरकार, संस्थाएं और आम नागरिक सभी को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा। जागरूकता, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ही इस लड़ाई के सबसे प्रभावी हथियार हैं। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो डिजिटल ठगी का यह जाल और अधिक व्यापक और खतरनाक हो सकता है।

अंततः यह समझना जरूरी है कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल पुलिस या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। जितना हम तकनीक का उपयोग करते हैं, उतना ही हमें उसके जोखिमों को समझना भी आवश्यक है। सावधानी और समझदारी के साथ ही हम इस अदृश्य खतरे से स्वयं को और अपने समाज को सुरक्षित रख सकते हैं।

महेन्द्र तिवारी

जिनके हाथों में आतंक की चिंगारी, वही अब शांति की मशाल लिए नाच रहे हैं!

पिछले कुछ वर्षों का वैश्विक परिदृश्य किसी जीवंत त्रासदी से कम नहीं रहा। दुनिया ने युद्धों को केवल इतिहास की पुस्तकों में नहीं, बल्कि 'लाइव प्रसारण' के रूप में देखा और उसके दंश को प्रत्यक्ष रूप से भोगा। विडंबना यह है कि जिन राष्ट्रों का इन संघर्षों से प्रत्यक्ष सरोकार नहीं था, वे भी महँगाई, ऊर्जा-संकट और पर्यावरणीय क्षति के रूप में इस वैश्विक 'युद्ध-कर' को चुकाने के लिए विवश हैं। इन युद्धों के पीछे विस्तारवाद, वैश्विक वर्चस्व की होड़, परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा और नाटो जैसे संगठनों में शामिल होने की प्रतिस्पर्धा स्पष्ट दिखाई देती है। कुछ विश्लेषक इन्हें 'ग्लोबल वेपन एक्सपो' तक कहने लगे हैं, जहाँ महाशक्तियाँ अपने हथियारों का प्रदर्शन करते हुए कमजोर देशों को 'टेस्टिंग ग्राउंड' में बदल रही हैं। इस बाजारवादी युग में मानवता और प्रकृति दोनों ही 'कोलेटरल डैमेज' बनकर रह गए हैं। वर्तमान में ईरान, अमेरिका और इजराइल का त्रिकोण वैश्विक चिंता का केंद्र बना हुआ है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान पर हिज्बुल्लाह, हमास और हूती जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाते रहे हैं। यह भी कहा जाता है कि ईरान इन संगठनों के माध्यम से पश्चिम एशिया में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। यूरेनियम संवर्धन के सहारे क्षेत्रीय महाशक्ति बनने की उसकी आकांक्षा है।

हालिया सैन्य कार्रवाइयों में अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य ताकत को बहुत ज्यादा क्षति पहुँचाई है, फिर भी ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है,हार मानने के लिए राजी नहीं। अपितु 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' के माध्यम से वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर उसने अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया है। इस नई व्यवस्था का प्रभाव अब लगभग पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है-आर्थिक दबाव, जन असंतोष और युद्ध-विरोधी स्वर तेजी से उभर रहे हैं। यही कारण है कि आक्रामक शक्तियाँ अब 'सम्मानजनक शांति' की राह तलाश रही हैं। इस परिदृश्य का सबसे विडंबनापूर्ण पक्ष तब सामने आता है, जब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई का दावा करने वाला अमेरिका, ईरान से संवाद के लिए पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाता है। वही पाकिस्तान, जो लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों की पनाहगाह रहा है। ओसामा बिन लादेन को शरण देने वाले देश के माध्यम से शांति की पहल, अंतरराष्ट्रीय राजनीति के नैतिक द्वंद्व को उजागर करती है। यह स्थिति कई प्रश्न खड़े करती है,क्या आतंकवाद की परिभाषा देश, काल, परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है? क्या वैश्विक शक्तियाँ अब सिद्धांतों के बजाय स्वार्थों से संचालित हो रही हैं? यदि आतंक की फैक्ट्री ही शांति का शोरूम खोलने लगे, तो यह मान लेना चाहिए कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष कहीं न कहीं केवल दिखावा बनकर रह गया है।

पाकिस्तान में आयोजित शांति वार्ता का विश्लेषण बताता है कि अमेरिका 'प्रतिबंधों की तलवार' और 'शांति के प्रस्ताव' दोनों के साथ इस वार्ता में उपस्थित हुआ, जबकि ईरान ऐस तरह से शर्तें रखी, मानो वह पराजित नहीं, बल्कि निर्णायक स्थिति में हो। यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिलता और अवसरवादिता को दर्शाती है। वहीं इजराइल ने इस प्रक्रिया से स्वयं को अलग रखते हुए संकेत दिया है कि बारूद की गंध के बीच शांति संभव नहीं। वहीं चीन और रूस जैसे महाशक्तियां इस पूरे घटनाक्रम में ऊपर से मौन दर्शक बने रहकर रणनीतिक लाभ लेने की स्थिति में हैं,अपना उल्लू सीधा करते हुए दिखाई देते हैं। सही मायने में देखा जाए तो आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ 'आतंकवाद' की परिभाषा सुविधानुसार बदल दी जाती है। जब तक हिंसा पड़ोसी के घर तक सीमित रहती है, वह स्वतंत्रता के लिए 'संघर्ष' कहलाती है; लेकिन जब वही अपने घर तक पहुँचती है, तो 'आतंकवाद' बन जाती है। यही दोहरा मापदंड वैश्विक शांति और विश्व से आतंकवाद की समाप्ति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। जिस पाकिस्तान को कल तक 'आर्थिक रूप से जर्जर' और आतंकवाद का आश्रयदाता कहकर विश्व समुदाय कठघरे में खड़ा करता था, आज वही शांति की मशाल थामे मध्यस्थ बनने का दावा कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति का वह विचित्र रंगमंच है, जहाँ पात्र नहीं, भूमिकाएँ बदलती हैं और सत्य अक्सर पर्दे के पीछे छूट जाता है।जब कातिल ही न्यायाधीश की कुर्सी पर आसीन हो जाए, तो यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि व्यवस्था की गहरी विकृति का संकेत है। यह वह दौर है जहाँ सिद्धांतों की नहीं, अवसरों की बोली लगती है; जहाँ नैतिकता नहीं, बल्कि रणनीतिक सुविधा ही निर्णयों का आधार बनती है। ऐसे में प्रश्न केवल पाकिस्तान का नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था का है, जो समय-समय पर अपने ही घोषित मूल्यों से समझौता कर लेती है। शायद यही कूटनीति का सबसे कटु सत्य है।

डा. मनमोहन प्रकाश

नवप्रवर्तन सृजनात्मकता की नई धारा

(नवाचार की विकास में महत्वपूर्ण भूमिका)

जीवन ही चलने का नाम है,गति ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है, नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर

आरोपों की आवाज़ ऊंची थी, पर निर्णय की नींव गहरी थी

[न्याय की चौखट पर ठहरे सवाल, लेकिन झुका नहीं कानून]

[आशंका बनाम प्रमाण: अदालत ने खींच दी न्याय की असली रेखा]

कभी-कभी अदालतों में सिर्फ़ मुकदमे नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिद्धांतों की भी असली परीक्षा होती है– और 20 अप्रैल 2026 को दिल्ली में यही तस्वीर दिखी। आरोपों और संस्थागत गरिमा के बीच सीधा टकराव था, और सवाल था कि न्याय किस आधार पर टिकेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के कक्ष में जब अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा से खुद को मामले से अलग करने की मांग उठाई, तो बहस एक साधारण कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर न्यायिक निष्पक्षता पर केंद्रित हो गई। लेकिन सुनवाई के अंत में अदालत ने रिक्यूसल याचिका खारिज कर स्पष्ट कर दिया कि न्याय न आशंकाओं पर चलता है, न संकेतों पर डगमगाता है; वह ठोस प्रमाण, तर्क और कानून की मजबूत नींव पर टिका होता है।

बहस की दिशा अचानक तब बदली, जब अरविंद केजरीवाल ने अपने अतिरिक्त हलफ़नामे के माध्यम से मुद्दे को जज के निजी पेशेवर संबंधों तक विस्तार दे दिया। उन्होंने तर्क दिया कि जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा के बेटे और बेटी सरकारी पैनल के वकील हैं और उन्हें तुषार मेहता जैसे सॉलिसिटर जनरल के जरिए लगातार काम मिलता है, जो इसी मामले में जांच एजेंसियों का पक्ष रख रहे हैं। इसी आधार पर उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई पर 'उचित संदेह' जताते हुए जज के अलग होने की मांग की। यह दलील सीधे न्यायपालिका की निष्पक्षता और उसकी सार्वजनिक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाली थी। केजरीवाल की दलील महज़ एक नेता की व्यक्तिगत आपत्ति नहीं, बल्कि उस व्यापक और गहरी लोकतांत्रिक चिंता की अभिव्यक्ति है कि न्याय सिर्फ़ निष्पक्ष हो ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी दे। खासकर तब, जब मामला राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील हो और उसमें केंद्र सरकार की एजेंसियां सक्रिय रूप से शामिल हों, हर संभावित जुड़ाव–चाहे प्रत्यक्ष हो या परोक्ष–स्वाभाविक रूप से सवाल और शंकाएँ पैदा कर सकता है। इसी नजरिए से देखें तो अरविंद केजरीवाल का तर्क पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता; यह लोकतांत्रिक पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और जवाबदेही की वैध मांग का भी संकेत देता है।

अदालत ने जब इस पूरे तर्क-विन्यास को गहराई से परत-दर-परत खंगाला, तो उसकी कानूनी मजबूती खुद ही सवालों के घेरे में आ गई। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि महज़ आशंका या संकेत किसी न्यायाधीश को हटाने का वैध आधार नहीं बन सकते, क्योंकि इससे पूरी न्यायिक प्रक्रिया अस्थिर और संदिग्ध हो जाएगी। उन्होंने यह भी चेताया कि अगर ऐसे तर्कों को मान्यता मिल गई, तो हर मुकदमे में जजों के निजी जीवन और पारिवारिक संबंधों को हथियार बनाया जाने लगेगा। इसी निर्णायक मोड़ पर अदालत ने न केवल दलीलों को सिरे से खारिज किया, बल्कि स्पष्ट और सख्त शब्दों में आदेश सुनाया–याचिका खारिज की जाती है।

बहस के बीच एक ऐसा निर्णायक क्षण आया, जिसने पूरे विवाद का केंद्र ही बदल दिया–' अगर राजनेताओं के बच्चे राजनीति में आ सकते हैं, तो जजों के बच्चे वकालत क्यों नहीं कर सकते?' जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की यह टिप्पणी महज़ एक प्रतिवाद नहीं, बल्कि एक गहरे संवैधानिक सिद्धांत की स्पष्ट और सशक्त पुनर्पुष्टि थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर पेशा चुनने से वंचित नहीं किया जा सकता। यह सीधे-सीधे मौलिक अधिकारों का प्रश्न है, जिसे किसी मुकदमेबाज़ की रणनीति या सुविधा के लिए सीमित नहीं किया जा सकता। इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ़ अदालत के निर्णय तक सीमित कर देना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना होगा। अरविंद केजरीवाल का पक्ष साफ़ संकेत देता है कि राजनीति और न्यायपालिका के बीच अविश्वास की खाई लगातार गहराती जा रही है। जब एक निर्वाचित नेता बार-बार अपने खिलाफ़ कार्रवाई को राजनीतिक करार देता है, तो यह केवल आरोप नहीं, बल्कि उस व्यापक माहौल की झलक है जहाँ संस्थाओं पर भरोसा डगमगाने लगता है। ऐसे परिदृश्य में अदालत पर भी यह अतिरिक्त दायित्व आ जाता है कि वह सिर्फ़ निष्पक्ष रहे ही नहीं, बल्कि अपनी निष्पक्षता को स्पष्ट, पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से प्रदर्शित भी करे। अदालत ने इस पूरे विवाद को केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि उसके व्यापक और दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखा। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि यदि केवल आशंका या अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर फैसले होने लगें, तो न्यायपालिका की बुनियाद ही डगमगा सकती है। उन्होंने अपने आदेश में रेखांकित किया कि आरटीआई या परोक्ष जानकारियों के आधार पर किसी दुरुपयोग का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। यदि ऐसी याचिकाओं को स्वीकार करने की प्रवृत्ति शुरू हो गई, तो हर जज और उसके परिवार पर संदेह का वातावरण बनेगा, जो अंततः लोकतंत्र के लिए गंभीर रूप से घातक साबित होगा। यह घटनाक्रम लोकतंत्र के उस जटिल और नाजुक संतुलन को उजागर करता है, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग, संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्थिरता से टकराती नजर आती है। अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होना केवल एक साधारण कानूनी फैसला नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और मजबूत सिद्धांत की स्थापना है–कि न्यायपालिका आरोपों या दबाव के आगे नहीं झुकेगी। साथ ही, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे विवाद यह संकेत देते हैं कि आपसी विश्वास बहाल करने के लिए दोनों पक्षों को अपनी सीमाओं, जिम्मेदारियों और आचरण की मर्यादाओं को समझना और मानना होगा।

जब बहस थमती है और फैसले दर्ज हो जाते हैं, तब असली सवाल सामने आता है–न्याय की विश्वसनीयता किस पर टिकी है। इस पूरे प्रकरण ने साफ़ किया कि न्याय केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे से बनता है। अदालत ने याचिका खारिज कर यह रेखांकित कर दिया कि ठोस प्रमाण के बिना कोई भी आशंका न्यायिक हस्तक्षेप का आधार नहीं हो सकती। फिर भी, यह प्रश्न बना रहता है कि क्या हमारी राजनीतिक और न्यायिक संस्थाएं वह भरोसा कायम कर पा रही हैं, जिसकी एक सुदृढ़ लोकतंत्र को आवश्यकता है। अंततः, यही निष्कर्ष उभरता है–संतुलन, पारदर्शिता और सिद्धांतों के बीच सटीक तालमेल ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

पारिवारिक कलह से रिश्तों का रोज़ होता पतन

भारत जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश है, लेकिन देश में बढ़ते अपराध–विशेषकर घरेलू और पारिवारिक हिंसा के जघन्य मामलों–में निरंतर वृद्धि होना एक सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। आज के आधुनिक दौर में जब भी हम समाचार पत्रों या न्यूज़ चैनलों से रूबरू होते हैं, तो राजनीति से इतर आपराधिक घटनाओं और पारिवारिक कलह से जुड़ी खबरों का प्रतिशत लगातार बढ़ता दिखाई देता है। मीडिया द्वारा इन घटनाओं को प्रमुखता से दिखाना अब मजबूरी बन गई है, क्योंकि देश के लगभग हर धर्म, वर्ग और समाज में पारिवारिक हिंसा का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जो कई बार जघन्य अपराधों का रूप ले लेता है। भारत विश्व को शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देने वाला देश माना जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारे अपने ही परिवारों में रिश्तों के बीच दूरियाँ इतनी बढ़ती जा रही हैं कि साथ बैठकर भोजन करना भी कठिन होता जा रहा है। सिर्फ भाई-भाई के रिश्ते ही नहीं, बल्कि पति-पत्नी के संबंधों में भी जिस गति से अलगाव बढ़ रहा है और उसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं, वह पूरे समाज के लिए गहन चिंतन का विषय है। यह स्थिति हर धर्म, हर वर्ग और हर व्यक्ति को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है।

आधुनिकता की दौड़ में हमने नई पीढ़ी को महंगी शिक्षा और भौतिक सुख-सुविधाएँ तो भरपूर दी हैं, लेकिन उन्हें सहनशीलता, धैर्य, अपनत्व, विनम्रता और परिवार को साथ लेकर चलने के संस्कार देने में हम कहीं पीछे रह गए हैं। परिणामस्वरूप, नवपीढ़ी में धैर्य और सहनशीलता का अभाव बढ़ रहा है, जो पारिवारिक कलह को जन्म देकर कई बार गंभीर अपराधों में बदल जाता है। आज कोई भी समाज या व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता कि वह पारिवारिक कलह से पूरी तरह मुक्त है। जो घटनाएँ आज हम समाचारों में देख-सुन रहे हैं, वे कल किसी भी परिवार की वास्तविकता बन सकती हैं। कहीं पैसों के विवाद, कहीं अवैध संबंधों की आशंका, कहीं कर्ज का दबाव, तो कहीं नशे की लत या पारिवारिक हस्तक्षेप–इन सभी कारणों से महानगरों से लेकर गाँवों तक रिश्तों का पतन तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई बार कम उम्र और कम समझ वाले लोग भी संदेह या आवेग में आकर अपने ही जीवनसाथी की हत्या जैसे जघन्य अपराध कर बैठते हैं। वहीं, कर्ज और पारिवारिक तनाव से परेशान होकर अपने ही मासूम बच्चों की हत्या कर आत्महत्या करने की घटनाएँ भी समाज को झकझोर देती हैं।

यह भी एक कटु सत्य है कि पारिवारिक कलह अब केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं रही। जहाँ गरीब परिवारों में इसे आर्थिक तंगी का परिणाम माना जाता है, वहीं संपन्न और भौतिक रूप से समृद्ध घरों से उठती कलह की आवाजें रिश्तों के आंतरिक विघटन की ओर संकेत करती हैं। हर दिन अवैध संबंधों की शंका और अविश्वास के चलते प्रेम, विश्वास और अपनत्व जैसे रिश्तों का गला घोंटने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। ऐसे में समाज के हर वर्ग को पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण और रिश्तों की गरिमा बनाए रखने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। यदि हम परिवार की खुशहाली, सौहार्द और विश्वास को बनाए रखना चाहते हैं, तो मजबूत और संतुलित दाम्पत्य जीवन पर सामूहिक मंथन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

अरविंद रावल

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पशुपालन विभाग का संचारी रोग नियंत्रण अभियान, पशुपालकों को किया जागरूक

देवरिया। विकास खंड बैतालपुर के ग्राम उसरा बाजार, तिवई, कोईलगड़हा एवं जंगल इमिलिहां में पशुपालन विभाग द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकांत तिवारी ने किया। अभियान के दौरान विशेष रूप से सुअर पालन करने वाले पशुपालकों को पंपलेट के माध्यम से जागरूक किया गया। उन्हें सुअरों को रिहायशी क्षेत्रों से दूर रखने, पशुबाड़े के आसपास गंदा पानी एवं मल-मूत्र जमा न होने देने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने की सलाह दी गई। साथ ही, पशुबाड़ों को मच्छररोधी जाली से ढकने के लिए भी प्रेरित किया गया। पशुधन प्रसार अधिकारी ने पशुओं के नियमित टीकाकरण पर विशेष जोर देते हुए बताया कि इन उपायों से दिमागी बुखार, मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस जैसे संचारी रोगों से बचाव संभव है। बीमार पशुओं को अलग रखने और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर संपर्क कर एंबुलेंस सेवा का लाभ उठाने की जानकारी भी दी गई। इस दौरान पशुपालकों को कृमिनाशक दवाओं का वितरण किया गया तथा पशुबाड़ों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया गया। अभियान में सुनील कुमार एवं महेंद्र यादव का विशेष सहयोग रहा।

एआरटीओ की चेकिंग मे ओवरलोड ट्रकों पर 5 लाख का जुर्माना

प्रतापगढ़। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी दिलीप गुप्ता की लगातार चेकिंग से ओवरलोड ट्रक संचालकों मे हड़कंप मचा हुआ है। दिलीप गुप्ता जिस सड़क पर चेकिंग के दौरान चालक इशारे पर ट्रक चालक ढाबा पर डेरा डाल देते है और एआरटीओ के जाने का इंतजार करने लगते है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी दिलीप गुप्ता मंगलवार को अयोध्या प्रयागराज राज्य मार्ग पर चेकिंग शुरू कर दिए, जहां से ओवरलोड ट्रकों से 5 लाख का जुर्माना वसूल करते हुए खजाने में इजाफा किया है।

सड़क हादसे में 20 वर्षीय छात्र की मौत

शादी से लौटते समय गाय से टकराई बाइक

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा जखौरा-राजघाट रोड पर सकरवार गांव के पास देर रात हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान फूलसिंह अहिरवार पुत्र जहन सिंह निवासी ग्राम भडरा के रूप में हुई है, जो स्नातक का छात्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार फूल सिंह एक शादी समारोह में शामिल होकर देर रात अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान उसकी मोटरसाइकिल अचानक सड़क पर आ गई एक गाय से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जखौरा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जखौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दुखद घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है कि मृतक पढ़ाई में होनहार था और परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं। गांव में भी इस हादसे को लेकर गहरा शोक व्याप्त है।

बालाबेहट पुलिस की तत्परता

खोया मोबाइल बरामद कर मालिक को लौटाया, चेहरे पर आई मुस्कान

ललितपुर। पुलिस की सक्रियता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है, जहां थाना बालाबेहट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गुम/खोया हुआ मोबाइल फोन बरामद कर उसके स्वामी को सुपुर्द किया। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की कार्यशैली की जमकर सराहना की। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी पाली अजय कुमार के पर्यवेक्षण में यह कार्यवाही संपन्न हुई। पीड़ित द्वारा गुम हुए मोबाइल के संबंध में थाना बालाबेहट पर जनसुनवाई, पोर्टल के माध्यम से प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिस पर नियमानुसार गुमशुदगी दर्ज की गई। थाना बालाबेहट पुलिस टीम ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण कर भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर विवरण अपलोड किया। तकनीकी विश्लेषण एवं विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने सफलता पूर्वक एक अदद पोको कंपनी का मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत करीब 20,000 रुपये) बरामद कर लिया।

गोला में रास्ता और नाली विवाद पर भड़का आक्रोश, ग्रामीणों ने गोला तहसील पहुंचकर किया जोरदार प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर – विकास खंड गोला के ग्राम चंदौली में सड़क और नाली निर्माण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश मंगलवार को खुलकर सामने आ गया। निषाद टोला के दर्जनों ग्रामीणों ने गोला तहसील पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी दिवाकर सिंह के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद उनके टोले में आज तक बुनियादी सुविधाओं का विकास नहीं हो सका है। उल्टा, जहां पहले से आरसीसी सड़क बनी हुई है, उसी सड़क के पुनर्निर्माण की तैयारी की जा रही है, जबकि निषाद टोला आज भी कच्चे रास्ते और जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। प्रदीप निषाद ने आक्रोश जताते हुए कहा कि आजादी के दशकों बाद भी उनका टोला मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। 'हमारे टोले तक जाने वाला रास्ता तक अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुका है। नाली और पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे हालात बदतर होते जा रहे हैं,' उन्होंने कहा।

ग्रामीणों के मुताबिक, चिल्लूपार विधायक द्वारा टोले में सीसी रोड निर्माण के लिए धन भी स्वीकृत किया गया था और मौके पर गिट्टी भी गिराई गई। लेकिन न तो सड़क की नाप हुई और न ही मिट्टी भराई या खड़ंजा कार्य कराया गया। ठेकेदार ने भी साफ कह दिया है कि बिना बेस तैयार हुए सीसी रोड बनाना संभव नहीं है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि सामग्री को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सकता है। महिलाओं ने भी अपनी पीड़ा बयां की। लालती देवी, शांति देवी, मंजू देवी और कौशल्या पूनम ने बताया कि उनके टोले में नाली, सड़क और जल निकासी की समस्या बेहद गंभीर है। 'बरसात में पूरा इलाका जलमग्न हो जाता है और घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। गंदगी और दुर्गंध से जीवन नारकीय हो जाता है,' उन्होंने कहा। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो सफाई व्यवस्था सुधरी और न ही नाली निर्माण हुआ। इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निषाद टोला में सड़क और नाली निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। वहीं, प्रशासन ने मामले में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जमीन विवाद में टॉवर पर चढ़ी युवती, हुआ समझौता

प्रतापगढ़। जमीनी विवाद में विपक्षियों पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार की सुबह एक युवती टावर पर चढ़ गई।लीलापुर थाना के देवली गांव मे कल्लू वर्मा का विपक्षी रामफेर वर्मा से जमीन का विवाद चल रहा है।कोर्ट में वाद दायर है।कल्लू वर्मा की पुत्री दामिनी मंगलवार की सुबह 5 बजे गांव स्थित टॉवर पर चढ़ गई।आरोप है कि विपक्षी रामफेर पुत्र राम आनन्द वर्मा उसके हिस्से की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे है। मामले की शिकायत करने पर पुलिस सुनवाई नहीं कर रही है।इसलिए न्याय को लेकर उसे टॉवर पर मजबूरन चढ़ना पड़ा। पुलिस किसी तरह समझा बुझाकर युवती को टॉवर से नीचे उतरवाया और थाने लाई,जहां दोनों पक्ष के मध्य समझौता करा दिया।एसएचओ अमला सिंह का कहना है कि कल्लू पक्ष से दामिनी व रामफेर पक्ष से संत कुमारी के बीच समझौता करा दिया है,दो दिनों के अंदर राजस्व व पुलिस को सूचित करने के साथ ही लोग पैतृक जमीन का बंटवारा करके अपने हिस्से पर काबिज होकर कार्य करेंगे।

फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन की दोबारा बिक्री, शातिर आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर– जनपद के गीडा थाना क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर एक ही जमीन को दोबारा बेचने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिससे उसका आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी गीडा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को दबोचने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अभय कुमार पाण्डेय उर्फ अभिनव पाण्डेय निवासी बड़गहन थाना गीडा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पहले एक जमीन बेच दी थी, लेकिन बाद में उसी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे दोबारा दूसरी महिला को बेच दिया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के खिलाफ गीडा, कैण्ट, गोरखनाथ और सहजनवा थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, विश्वासघात और अन्य गंभीर धाराएं शामिल हैं। इससे साफ है कि आरोपी पेशेवर तरीके से लोगों को ठगने का काम कर रहा था।

गोरखपुर में समीक्षा बैठक: अधिकारियों से तीखे सवाल, योजनाओं की जमीनी हकीकत पर कड़ी पड़ताल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 'प्रश्न एवं संदर्भ समिति' की बैठक मंगलवार को एनेक्सी सभागार में आयोजित हुई, जिसमें विकास योजनाओं और विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कई अहम मुद्दों पर जवाब तलब किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने की। बैठक में दीपक मीणा (जिलाधिकारी), डॉ. कोस्तुभ (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक), विधायक राम सूरत राजभर, विजय बहादुर पाठक सहित गोरखपुर, महाराजगंज और देवरिया के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान समिति ने आबकारी राजस्व वसूली, लंबित राजस्व, बिजली आपूर्ति, लोक निर्माण विभाग के अधूरे कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति और मेडिकल कॉलेजों, सीएचसी व पीएचसी में रिक्त पदों पर विस्तार से सवाल उठाए। अधिकारियों से पूछा गया कि रिक्तियों को भरने के लिए अब तक क्या प्रयास हुए और दवाओं व जांच सुविधाओं की उपलब्धता कैसी है। शिक्षा विभाग भी समिति के निशाने पर रहा। परिषदीय विद्यालयों में बिजली, पेयजल, मिड-डे मील की गुणवत्ता, बिना मान्यता संचालित स्कूलों और अधिक शुल्क वसूली जैसे मुद्दों पर जवाब मांगा गया। साथ ही स्कूल बसों के परमिट, फिटनेस और सुरक्षा मानकों पर भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग को बिना परमिट वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने स्कूल वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समिति ने स्पष्ट किया कि नियमों के उल्लंघन पर कठोर कदम उठाए जाएं। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जनपद में चल रही योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्राथमिकता वाली योजनाओं को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। वहीं एसएसपी डॉ. कोस्तुभ ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर जानकारी दी। महाराजगंज के डीएम संतोष शर्मा ने भी अपने जिले की प्रगति रिपोर्ट रखी। सभापति ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने स्पष्ट कहा कि यह बैठकें औपचारिक नहीं, बल्कि योजनाओं की जमीनी सच्चाई जानने का माध्यम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और पारदर्शिता के साथ जवाबदेही तय की जाएगी। अंत में समिति ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि मांगी गई सूचनाएं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं और लंबित कार्यों को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

भारत विकास परिषद ने शुरू की सार्वजनिक प्याऊ जल सेवा

भीषण गर्मी में राहत

ललितपुर। भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद मुख्य शाखा द्वारा जनहित में सराहनीय पहल करते हुए सार्वजनिक प्याऊ (जल सेवा) का शुभारंभ किया गया। यह जल सेवा मवेशी बाजार रावतयाना स्थित एक प्रतिष्ठान पर प्रारंभ की गई, जिससे राहगीरों और आमजन को ठंडे पेयजल की सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद अध्यक्ष रवीन्द्र जैन (बानपुर) द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस पहल के संयोजक सेवा नीरज समैया की संस्तुति पर यह आयोजन संपन्न हुआ, जिसे क्षेत्रीय लोगों ने काफी सराहा। इस अवसर पर परिषद परिवार के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से मनोज सराफ बल्ली, नरेन्द्र मोदी, आनंद मोहन दुबे, सुबोध गोस्वामी, राजीव जैन रज्जू, डा.जगवीर सिंह, अभिषेक जैन अब्बू मुच्छाल, राजेश जैन बल्ली, नीरज समैया, मनीष समैया, विनय समैया, विपिन जैन रोड़ा, दीपक जैन सिंघई, हेमंत सराफ, विवेक जैन मडवैया, साकेत जैन बड़ेरा, डा.अजय जैन एवं संजीव जैन सौरया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सचिव राजीव जैन रज्जू ने आभार जताया।

देवीपाटन मंडल में नवनियुक्त आयुक्त का आगमन, अधिकारियों ने किया स्वागत

●देवीपाटन मंडल को मिली नई आयुक्त, आयुक्त का भव्य स्वागत

नवागत आयुक्त ने संभाला कार्यभार, सुशासन व पारदर्शिता पर जोर

जनहित और विकास कार्यों को प्राथमिकता: नवनियुक्त आयुक्त का स्पष्ट संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। देवीपाटन मंडल में नवनियुक्त आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल जी के आगमन पर आज गोंडा के सर्किट हाउस में उनका गरिमामय स्वागत किया गया। आयुक्त महोदया के आगमन पर सर्किट हाउस में मंडल एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद उन्होंने आयुक्त कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयुक्त महोदया ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त करते हुए मंडल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाने की बात कही। आयुक्त ने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जायेगा, जिससे जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। इस दौरान अपर आयुक्त व संयुक्त विकास आयुक्त मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक, यातायात नियमों के पालन को लेकर चला चेकिंग अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा 'मिशन शक्ति फेज-5.0' और 'शक्ति दीदी' अभियान के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना भाटपार रानी की टीम ने पीएनबी बैंक परिसर में महिलाओं और बालिकाओं को पंपलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं थाना बरहज की टीम ने घाट क्षेत्र में मौजूद महिलाओं, छात्राओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। पुलिस टीमों ने डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एंबुलेंस सेवा-108 और साइबर हेल्पलाइन-1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी क्रम में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थानों पर भी महिलाओं को जागरूक करते हुए सुरक्षा और सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई।

वहीं दूसरी ओर, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस द्वारा शहर क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। बस स्टैंड, गोरखपुर ओवरब्रिज, मालवीय रोड और कसया ओवरब्रिज सहित प्रमुख स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस के चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 118 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि 2 वाहनों को सीज किया गया। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में साइनेज बोर्ड भी लगवाए गए। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियानों से यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा मिलता है और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलती है।

नगर पंचायत सहजनवा के लिए जनगणना 2027 का प्रशिक्षण आयोजित

सहजनवां – नगर पंचायत सहजनवा शहरी में जनगणना कर्मियों के लिए भारत की जनगणना 2027 का प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को बुद्धा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गीडा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी सूर्य कान्त के देख रेख में प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी यज्ञ नारायण वर्मा, राजनाथ, लक्ष्मण प्रसाद, अजीत, अश्विनी, प्रशिक्षक अनिल कुमार एवं सुनील कुमार मौजूद रहे। प्रशिक्षकों ने जनगणना की प्रक्रिया, मकान सूचीकरण, परिवार विवरण और डिजिटल डाटा एंट्री के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

खजनी में गैस पर बवाल: 4 बजे से लाइन, 45 दिन की वेटिंग से भड़के लोग, पुलिस ने संभाला हालात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र में मंगलवार को घरेलू गैस सिलेंडर वितरण को लेकर जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया। क्षेत्र स्थित माँ दुर्गा भारत गैस एजेंसी पर तड़के करीब 4 बजे से ही सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लग गए थे, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी वितरण शुरू न होने से लोगों का धैर्य जवाब दे गया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एजेंसी पर गैस की भारी किल्लत है और मांग के मुकाबले आपूर्ति बेहद कम है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही और कुछ लोगों को प्राथमिकता देकर सिलेंडर दिया जा रहा है। यही नहीं, विक्रम वाहन के जरिए सिलेंडर वितरण किए जाने को लेकर भी लोगों ने कड़ा विरोध जताया, जिससे विवाद और बढ़ गया।

देखते ही देखते उपभोक्ताओं और एजेंसी कर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। कई लोग आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालने में जुट गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया, जिसके बाद वितरण कार्य दोबारा शुरू कराया गया। एजेंसी मालिक टप्पू रॉय ने बताया कि गैस की सप्लाई लगातार कम मिल रही है, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि करीब 45 दिनों से बुकिंग लंबित चल रही है, जिससे लोगों में नाराजगी स्वाभाविक है। वहीं, थाना प्रभारी खजनी ने बताया कि गैस वितरण को लेकर मामूली विवाद हुआ था, जिसे समय रहते शांत करा दिया गया। उन्होंने कहा कि मौके पर पुलिस बल तैनात है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में गैस आपूर्ति व्यवस्था की पोल खोल दी है, जहां उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है और उन्हें घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ रहा है। अगर जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो ऐसे हालात दोबारा पैदा हो सकते हैं।

जिले की सुव्यवस्थित गौशालाओं में शामिल कोचवा, 237 निराश्रित गोवंशों को मिल रहा संरक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। विकास खंड रूपईडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचवा में संचालित अस्थायी गौशाला जिले की सुव्यवस्थित गौशालाओं में अपनी अलग पहचान बना रही है। यहां निराश्रित गोवंशों के संरक्षण, देखभाल और सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। गौशाला परिसर में नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त सूखा व हरा चारा तथा सुरक्षित आवास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही गोवंशों की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराई जाती है, जिससे पशुओं को स्वस्थ रखा जा सके। पंचायत स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ग्राम पंचायत अधिकारी विन्ध्वासिनी भारती ने बताया कि गौशाला में वर्तमान समय में 237 निराश्रित गौवंश संरक्षित हैं, जिनकी देखभाल एवं भोजन-पानी की नियमित व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने गौशाला की बेहतर व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित आश्रय मिला है और क्षेत्र में सकारात्मक संदेश जा रहा है।ग्राम प्रधान राजेश सोनी ने कहा कि पंचायत की प्राथमिकता गोवंशों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। साफ-सफाई, स्वच्छ पानी, पर्याप्त चारा और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था निरंतर कराई जा रही है। आगे भी गौशाला को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेंगे।

आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2027 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म श्री की उपाधियों हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –जिला युवा कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि विगत वर्षो की भाँति आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2027 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म श्री की उपाधियाँ भारत सरकार द्वारा दी जानी है। आगामी वर्ष 2027 हेतु भी भारत सरकार द्वारा उक्त उपाधियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गयी है। जिसके फलस्वरूप सम्बन्धित महानुभाव/महानुभावों के बारे में संस्तुतियाँ राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन भारत सरकार को भेजी जानी है। उपाधियों हेतु विभिन्न क्षेत्रों यथा कला. साहित्य एवं शिक्षा, खेल, औषधि, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पब्लिक अफेयर्स, सिविल सेवा, व्यापार व उद्योग आदि में विशिष्ट व उत्कृष्ट उपलब्धि, योगदान एवं सेवा के लिए संस्तुतियाँ अपेक्षित है। उपाधियों के लिए जनपद के इच्छुक महानुभाव https://www.padmaawards.gov.in dh Padma Awards 2027 पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा आवेदन फाइनल सब्मिट करने के उपरान्त हॉर्ड कापी तथा उनके व्यक्तित्त्व व कृतित्त्व के सम्बन्ध में साइटेशन (तीन प्रतियों में) जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कमरा नं0-68 सोनभद्र में दिनांक 10 जून, 2026 तक उपलब्ध करायें, ताकि ससमय अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

बबुराही मे किसान सभा का आयोजन, किसानों की दी गई जैव उर्वरकों व तकनीकी जानकारियां

●फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए नैनो तथा जैव उर्वरको का करें प्रयोग- अभिजीत मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – मंगलवार को आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र, बबुराही, सोनभद्र पर जैव उर्वरक आधारित किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ो सम्मानित किसान भाईयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, जैव उर्वरकों तथा आधुनिक उत्पादों की जानकारी प्रदान करना था।कार्यक्रम के दौरान इफको क्षेत्राधिकारी अभिजीत मौर्य के द्वारा किसानों को एन0पी0के0 कंसोर्टिया, नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, सागरिका, जल विलेय उर्वरकों आदि के संस्तुत मात्रा में प्रयोग से मृदा प्रबंधन के साथ-साथ अधिक उत्पादन के बारे में विशेष जानकारी दी गई।

अभिजीत मौर्य ने बताया कि किस प्रकार इन उर्वरकों का उपयोग करने से फसल की उत्पादकता बढ़ती है, मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जैव उर्वरकों के महत्व और उनके लाभों पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए किसानों को इसकी प्रयोगविधि का सजीव प्रदर्शन करके करके दिखाया।इसके पश्चात इफको सोनभद्र द्वारा मंगलवार को एक मृदा परीक्षण जागरूकता अभियान का शुभारंभ करते हुए बबुराही क्षेत्र के समस्त किसानों के लिए आयोजन किया गया जिसमें इफको स्व्र अवनीश कुमार पांडे द्वारा किसानों को मिट्टी का सैंपल कैसे लिया जाए, इसे किस तरीके से उपयोग किया जाए और उसकी पैकेजिंग कैसे की जाए, इसके बारे में विशेष जानकारी दी गई।उन्होंने बताया कि मिट्टी का नमूना किस प्रकार से साफ और सही तरीके से लिया जाए, ताकि परीक्षण में सटीक परिणाम मिल सकें। किसान भाईयों ने इस जानकारी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और वह काफी खुश और उत्साहित नजर आए। उन्होंने आभार जताते हुए बताया कि इस प्रकार की जानकारी से उन्हें अपनी फसल की उत्पादकता बढ़ाने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

सभी किसान भाई इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे अभियानों की मांग कर रहे थे। उसके पश्चात एमडीई कृष्णकांत तिवारी ने इसको के उत्पाद सागरिका वह पोटाश के महत्व उपयोग के बारे में किसानों को विशेष जानकारी प्रदान की। उसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने अपने मन में उठने वाले विभिन्न सवाल पूछे। इफको के क्षेत्रीय अधिकारी अभिजीत मौर्य और अवनीश कुमार पांडे ने धैर्यपूर्वक सभी सवालों का उत्तर दिया

इस प्रकार, पूरा कार्यक्रम एक ज्ञानवर्धक और सकारात्मक अनुभव साबित हुआ, जिससे किसान भाइयों का आत्मविश्वास और जानकारी दोनों ही बढ़ी।अंत में सभा का समापन किया गया और सभी उपस्थित किसानों तथा अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। सभी ने मिलकर एकजुटता और विकास के लिए काम करने का संकल्प लिया। इस अभियान ने किसानों में नई ऊर्जा का संचार किया और उन्होंने उन्नत कृषि तकनीकों के उपयोग के लिए तैयार रहने का वादा किया।

संक्षिप्त खबरें

गाड़ी हटाने के विवाद में खूनी झड़प, चार घायल

तिलहर (शाहजहाँपुर): मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद देर रात हिंसक रूप ले बैठा। गाड़ी हटाने को लेकर कहासुनी के बाद दबंगों ने एक ही परिवार के लोगों पर लाठी-डंडों से बेरहमी से हमला कर दिया। हमले में चार लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। ग्राम महियापुर निवासी सुरेशपाल सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि वह अपने भाइयों अमर सिंह, शिव नारायण सिंह, मोनू सिंह और अंकित सिंह के साथ मंगलवार रात करीब 12 बजे बालाजी मैरिज लॉन से घर लौट रहे थे। भक्सी तिराहे के पास एक दुकान पर पानी पीने के लिए रुके ही थे कि तभी हसीब नाम का व्यक्ति अपनी गाड़ी लेकर वहाँ आ पहुंचा। आरोप है कि गाड़ी साइड में लगाने को कहने पर हसीब आगबबूला हो गया और गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ ही देर में उसने अपने साथियों–अजीम, तारीफ, साहिद, अनीश, तसलीम, शरीफ, मुकर्रम और जाफर समेत कई लोगों को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर एक राय होकर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया और परिवार के लोगों को जमकर पीटा, जिससे चारों लोग लहूलुहान हो गए। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत तिलहर अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल जुगल किशोर पाल ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

तिलहर में अतिक्रमण हटाने पहुँची टीम से भिड़ंत, जान से मारने की धमकी का आरोप

तिलहर (शाहजहाँपुर): हाईवे किनारे अतिक्रमण हटाने पहुँची एनएचएआई (NHAI) की टीम को मंगलवार दोपहर तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदारों और टीम के बीच जमकर नोकझोंक हुई। आरोप है कि कुछ लोगों ने न सिर्फ अभद्रता की, बल्कि अधिकारियों को जान से मारने की धमकी तक दे डाली, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव फैल गया। एनएचएआई 1033 सड़क सुरक्षा के आरपीओ पदम सिंह की तहरीर के मुताबिक, दोपहर करीब एक बजे टीम बाईपास ओवरब्रिज के पास अवैध कब्जे हटाने पहुँची थी। इसी दौरान कुछ दुकानदार भड़क उठे और विरोध करते हुए गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि अतिक्रमण हटाने से नाराज लोगों ने टीम को खुली धमकी दी कि पीछे न हटे तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। हालात बिगड़ते देख टीम ने कार्रवाई फिलहाल रोक दी और मौके से लौटना पड़ा। आरपीओ ने आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस से पर्याप्त सुरक्षा बल की मांग की है, ताकि अभियान शांतिपूर्ण ढंग से पूरा कराया जा सके। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस बल मुहैया कराया जाएगा।

सावधान! हरी सब्जियों का 'जहरीला' रंग बिगाड़ रहा है आपकी सेहत, बचाव का रास्ता है आपके किचन में मौजूद यह छोटी सी चीज

बरेली। क्या आप जानते हैं कि जो चटकीले रंग की मिठाइयां या खाने की चीजें हमें अच्छी लगती हैं, वे हमारे शरीर को बीमार भी कर सकती हैं। हाल ही में बरेली कालेज के प्राणी विज्ञान विभाग में इस बारे में शोध किया गया है। यह शोध प्रो. बीनम सक्सेना की देखरेख में शोधार्थी इरम ने किया है। इसमें सामने आया कि मैलाकाइट ग्रीन ऐसा गहरा हरा रंग है, जिसका इस्तेमाल कपड़ों को रंगने और मछलियों के टैंक को साफ रखने में किया जाता है। लेकिन कई बार लोग इसे हरी सब्जियों और खाने की चीजों को ताजा दिखाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। यह रंग हमारे शरीर के लिए जहर की तरह काम करता है। प्रो. बीनम सक्सेना ने मैलाकाइट ग्रीन रंग का असर समझने के लिए चूहों पर प्रयोग किया। जब चूहों को यह रंग दिया, तो उनके शरीर में बदलाव देखे गए। चूहों के शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं (आरबीसी) और हीमोग्लोबिन बहुत कम हो गया। उनके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो गई, जिससे वे जल्दी बीमार पड़ सकते थे। वहीं, खून के थक्के जमने में दिक्कत हुई, जिससे प्लेटलेट्स भी कम हो गई।

पीपली ने दिखाया जादू

इस शोध की सबसे अच्छी बात यह रही कि इसका इलाज भी खोज निकाला। उन्होंने पाया कि पाइपरीन (जो हमें पीपली से मिलता है) इस जहर के असर को खत्म कर सकता है। जब मैलाकाइट ग्रीन के साथ चूहों को पाइपरीन दिया, तो उनके खून की मात्रा फिर से बढ़ने लगी और वे स्वस्थ होने लगे। पाइपरीन ने सुरक्षा कवच की तरह काम किया और जहर के असर को रोक दिया।

खबर का असरः तहसीलदार ने लेखपाल, कानूनगो के साथ किया मौका मुआयना

- ग्राम पंचायत पलहनापुर में दो दर्जन अवैध कब्जा धारक, लकिन कार्रवाई मात्र चार लोगों पर
- चार लोगों के विरुद्ध ध्वस्तीकरणआदेश शेष एक दर्जन लोगों को अभयदान क्यों?
- मरघट, 04 खलिहान, नवीन परती, सामुदायिक भवन की भूमि पर बन गए 7-8 मकान-कार्रवाई शून्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला तहसील गोला के गाव पलहनापुर का है जहां पर शासन के आदेशों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाते हुए लेखपाल और परगना भूड के राजस्व निरीक्षक पर पैसा लेकर सैकड़ो एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कराये जाने के आरोप लगाये गये हैं।इस अवैध कब्जा वाली जमीन में, मरघट, और 04 खलिहानों की जमीन, नवीन परती की जमीन शामिल हैं ।ग्रामीणों का आरोप है कि जब से कानूनगो अरुणेश मिश्रा ने परगना भूड का चार्ज संभाला है तब से ही सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा की बाढ़ सी आ गई है। ग्रामीणों की जुबानी सत्य माने तो कानूनगो , एसडीएम गोला और तहसीलदार के मुंहलगा और तहसीलदार के कमाऊ कानूनगो जाने जाते हैं। सूत्रों की माने तो सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा की जानकारी तहसील प्रशासन गोला को होने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। सूत्र बताते हैं कि इन्हीं कानूनगो द्वारा जिनसे पैसा मिल जाता है उस पर कार्रवाई नहीं की जाती हैं और जो पैसा नहीं दे पाता है उसके ऊपर बेदखली की कार्रवाई की जाती है। उक्त आरोप लगाते हुए लोगों ने सभी अवैध कबजेदारों के विरुद्ध समान कार्यवाही किए जाने तथा सरकारी जमीनों से अवैध कब्ज़ा हटाए जाने की मांग की है।ताजा मामला तहसील गोला के परगना भूड अंतर्गत ग्राम पहलनापुर का बताया जाता है जहाँ पर तहसील प्रशासन के संरक्षण में सैकड़ो बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं कुछ लोगों ने इस पर अपनी आलीशान इमारतें खड़ी कर ली हैं वहीं कुछ लोगों की खड़ी फैसले अवैध कब्जा की चीख चीख कर पुष्टि करती हैं। उपरोक्त अवैध कब्जा के संबंध में पूर्ववर्ती क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा पक्षपात पूर्ण ढंग से केवल 04 लोगों के विरुद्ध धारा 67 की कार्यवाई की थी।और शेष एक दर्जन लोगों से लाखों वसूल कर अभयदान दे दिया गया था। सूत्र बताते हैं उक्त में बेदखली आदेश भी हो चुके हैं लेकिन साठ गांठ के चलते आज तक सरकारी जमीनों पर बने मकानों का ध्वस्तीकरण नहीं कराया गया ना ही सरकारी जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त ही कराया गया। मामले में मिली जानकारी के अनुसार राजस्व निरीक्षक परगना भूड और लेखपाल मोहन कश्यप मामले की लीपापोती में लगे हुए हैं। और हुए बेदखली आदेश को अपास्त करते के फेर में वर्तमान लेखपाल पर अवैध कबजेदारों के पक्ष में रिपोर्ट लगाकर पुनः बहस करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उक्त आरोप मेरा नहीं बल्कि गोला तहसील के विभागीय सूत्रों का है जिन्होंने दबी जुबान नाम न छापने की शर्त पर मामले का खुलासा किया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेंद्र सिंह पुत्र हरदयाल सिंह विजेंद्र सिंह पुत्र दयाल सिंह शिव बालक सिंह पुत्र हरदयाल सिंह गजेंद्र सिंह पुत्र हरदयाल आदि अवैध कबजेदारों के विरुद्ध बेदखली आदेश पारित होने की बात प्रकाश में आई है लेकिन मामले की साठ गांठ के चलते उपरोक्त मामले में लीपापोती का खेल चलने और अवैध कबजेदारों को संजीवनी दिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। पारित आदेश के विरुद्ध एसडीएम न्यायिक के न्यायालय में लेखपाल पर पुनः जिरह करने का दबाव कानूनगो द्वारा बनाए जाने के आरोप ग्राम प्रधान ने लगाये हैं। प्रधान ने बताया कानूनगो द्वारा कबजेदारों से मोटी रकम वसूलकर पारित बेदखली आदेश को अपास्त करने का कुचक्र चल रहा है।

खबर का असर भौका घाट पर खनन माफियाओं पर छापा, दो ट्राली ट्रैक्टर सीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी। थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ मंगलवार सुबह प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कसा। मोतीपुर गांव के पास खनन इंस्पेक्टर की टीम ने छापेमारी कर बालू से लदी दो ट्राली ट्रैक्टरों को पकड़कर सिंगाही पुलिस के हवाले कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जौरहा नदी के भौका घाट पर लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर खनन इंस्पेक्टर ने अचानक मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान मोतीपुर और भौका गांव के बीच मार्ग पर संचालित खनन कार्य में लगी ट्रैक्टर-ट्रालियों में से दो को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि अन्य वाहन चालक मौके का फायदा उठाकर वाहन लेकर भाग गए। जिस समय खनन अधिकारी ने छापे मारी की उस समय करीब एक दर्जन ट्रालियां खनन कार्य में लगी थीं, लेकिन कार्रवाई के दौरान अधिकांश चालक वाहन लेकर भाग निकले और केवल दो ही ट्रालियां प्रशासन के हाथ लग सकीं।

खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि पकड़ी गई दोनों ट्राली ट्रैक्टरों को पुलिस को सौंप दिया गया है। वाहनों को सीज कर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

पहले पालतू कुत्ते को दिया जहर फिर खुद भी कर ली आत्महत्या, बरेली में हैरान करने वाला मामला

बरेली। न जाने क्यों...निखिल ने परिस्थितियों से लड़कर जीतने के बजाय हार मान ली। सोमवार को उन्होंने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले पालतू कुत्ते को जहर दिया। शायद वह नहीं चाहते थे कि उनके दुनिया से जाने के बाद पालतू कुत्ता परेशान हो। आशंका रही होगी कि उसे खाने-पीने को नहीं मिलेगा, गली-गली दुत्कारा न जाए। अस्त-व्यस्त कमरे में भीषण दुर्गंध बयां कर रही थी कि दम तोड़ने से पहले दोनों तड़पे होंगे। धीरज चंदन के मौसेरे भाई निखिल प्रापर्टी खरीद-बिक्री करते थे मगर, कुछ समय से बेरोजगार हो गए। धीरज ने बताया कि निखिल किराये पर रहते थे। उनके साथ पालतू कुत्ता भी था। प्रतिदिन निखित नाश्ता व भोजन करने एकतानगर आते थे। वह सोमवार को पूरे दिन नहीं आए तो चिंता हुई। उन्हें फोन किया मगर, कॉल रिसीव नहीं होने पर अनहोनी की आशंका हुई। शाम को उनके कमरे पर जाकर दरवाजा खटखटाया मगर, अंदर से जवाब नहीं आया। इसके बाद पुलिस बुलाई। पुलिसकर्मी दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो निखिल का नग्न शव बेड पर पड़ा था। जमीन पर पालतू कुत्ता मृत था। पूरे कमरे में मल, उल्टियों और चूहे मारने वाली दवा की दुर्गंध भरी हुई थी। वहां से दो पैकेट भी बरामद हुए।

बाउंड्रीवॉल और मिट्टी पटाई कार्य के नाम पर लाखों की निकासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला विकासखंड विजुआ की ग्राम पंचायत बेलहा सीकटिहा का बताया जाता है जहां पर सुबे के मुखिया की जीरो टॉलरेंस नीति का भद्दा 2मजाक उड़ाते हुए जमकर सरकारी धन की लूट किए जाने के गंभीर आरोप ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर लगाए गए हैं ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने मिली भगत करके अंबेडकर पार्क में निर्माण कार्य कराए बगैर ही फर्जी बिल वाउचर लगाकर जे. ई.एम. आई. के संरक्षण में कागजों पर कार्य पूर्ण दिखाकर (5,88, 000) निकालकर आपस में बंदर बांट कर लिया गया। सूत्र बताते हैं कि यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी मनरेगा के तहत कई कार्य केवल कागजों पर करवा कर सरकारी धन का बंदर बांट कर लिया गया था और मामला अखबरी सुर्खियां बना था जिसमें खंड विकास अधिकारी विजुआ द्वारा जांच के आदेश दिए जाने की बात प्रकाश में आई थी। लेकिन मामला लेनदेन कर सुलट लिए जाने की भी बात कही गई थी। इनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार ने सरकारी सिस्टम और पारदर्शिता के बड़े-बड़े दावों और वादों की पोल खोल कर रख दी है जानकार सूत्रों द्वारा दी गई साक्ष्यों समेत जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव गोल्डी वर्मा ने आपस में साठगांठ करके फर्जीवाडा कर अंबेडकर पार्क के निर्माण को आई धनराशि से कागजों पर काम दिखाकर हजम कर लिए जाने के आरोप ग्रामीणों ने लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है की हकीकत की जमीन पर एक ईट भी नहीं लगवाई गई है हकीकत तो यह है कि पार्क वाले स्थान पर एक पत्थर तक विकास के नाम पर नहीं लगवाया गया। ऐसे कई कार्य हैं जिनके नाम पर सरकारी खजाने को जमकर चपत लगाई गई है ।और इसकी भनक खंड विकास अधिकारी विजुआ को नहीं लगी ।ग्रामीणों के अनुसार सरकारी बिल वाउचरों के अनुसार इसी तरह के अन्य कई मामलों को बड़े ही शातिराना अंदाज में अंजाम दिया गया है। पार्क के नाम आई कुल धनराशि 5 लाख 88000 की निकासी अलग-अलग तिथियां में की गई। वाउचर संख्या 5 वित्तीय वर्ष 2025- 26 दिनांक 25. 6. 2025 को बाउंड्री बाल निर्माण के नाम पर 3,29,578 रुपया निकल गए वही दिनांक 26 10 2026 को बाउंड्री वाल12 के ही नाम पर 1200112 हजार 93 रुपए के निकासी बिल वाउचर फिफ्थ एसएफसी 2025 26 दिनांक 26 12 2025 मिट्टी पिटाई कर के नाम पर ?20450 निकल गया दिनांक 26 12 25 को पुणे पंचामृत आयोग वित्तीय वर्ष 2025 26 को पार्क में अन्य व्यक्ति के नाम पर 40573 रुपए पंचम राज्य वित्त से दिनांक 24 जून 2026 को वाउचर संख्या 34 को पार्क निर्माण के नाम पर 800240 रुपए की निकासी कर ली गई और पर का निर्माण कारगिलों पर पूर्ण दिखा दिया गया ऐसे आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाए गए हैं सबसे मजेदार और चौंकाने वाली बात तो यह पैदा होती है कि काम हुआ नहीं और उक्त वाउचरों में बाउंड्री बाल और मिट्टी पिटाई कार्य पूर्ण दिखाया गया है। जबकि धरातल पर एक रोड़ी तक मिट्टी नहीं डलवाई गई।

बाउंड्री बाल निर्माण की बात तो दूर की है ग्रामीणों ने बताया की जो जमीन बाबा साहब के पार्क के लिए चिह्नित की गई है वहां पर कोई निर्माण कार्य नहीं कराया गया है ।महज फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन गवन कर लिए जाने का मामला जोर पकड़ता जा रहा है।

जांच की मांग तेज-

ग्रामीणों ने मामले में ग्राम प्रधान से इस फर्जीवाड़ा और सरकारी धन गवन की जानकारी ली तो प्रधान द्वारा निर्माण को लेकर कोरा आश्वासन दिया जाता रहा और आज तक कोई भी निर्माण कार्य नहीं करवाया गया। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी अमर भारती समाचार पत्र संवाददाता को दी है और अंबेडकर पार्क के नाम पर की गई धांधली की जांच कराए जाने की मांग की है। और जांच में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के बाद सरकारी धन की रिकवरी कराकर अंबेडकर पार्क का धरातल पर निर्माण कराये जाने की भी मांग की गई है। ।यहां पर कई अहम सवाल खड़े होते हैं कि किसके संरक्षण में खेला गया फर्जीवाड़ा/भ्रष्टाचार का खेल? आखिर जे. ई. एम आई ने कैसे लगा दी कार्य पूर्ण रिपोर्ट? बगैर कार्य का भौतिक सत्यापन और स्थलीय निरीक्षण किए किस सक्षम अधिकारी के आदेश से निकाला गया भुगतान? यदि मामले का जिले के तेज तर्रार मुख्य विकास अधिकारी ले संज्ञान और कराए जांच टीम गठित कर जांच तो भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़ा खुलकर आएगा सामने। अब देखना है कि उक्त मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी? इस सम्बंध में पंचायत सचिव गोल्डी वर्मा ने बताया कि काम शुरू करा दिया गया है। भुगतान निकाले जाने की बात पर फोन बंद हो गया।

एस. डी. एम. गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी ने किया मंडी में गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण

गोला-खीरी। भीषण गर्मी को देखते हुए गोला की उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने मंडी परिसर पहुंचकर गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने विशेष रूप से किसानों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल, बिजली, छाया व बैठने की सुविधाओं की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के इस दौर में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए।उपजिलाधिकारी ने कहा कि गेहूं खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो और किसानों को समय पर उनकी उपज का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने केंद्रों पर साफ-सफाई एवं व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए।इस मौके पर मंडी से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

ओसवाल गन्ना किसानों का बकाया 2 वर्ष का भुगतान न होने को लेकर पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष एडवोकेट सुनीता डी एम से मिली

- गंगवार ने किसान प्रतिनिधिमंडल के साथ जाकर जिलाधिकारी बरेली को पत्र सोपा सुनीता गंगवार ने कहा गन्ना किसानों के साथ मिल मालिक ही नहीं गन्ना समिति भी पूरी तरह किसानों का भुगतान न होने में साजिश में लिप्त है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ओसवाल चीनी मिल किसानों का भुगतान न करने गन्ना समिति ने मिल मालिक पर जो मुकदमा दर्ज कराया है वह अपनी मन वांछित धाराओं में कराया है जिससे उसकी गिरफ्तारी न करें हो सके जिससे उस पर भुगतान करने का दबाव न बने इसको लेकर सुनीता गंगवार ने कहा कि गन्ना समिति के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होना चाहिए कि समिति ने 24000 लगभग किसानों के साथ अन्याय किया है। एक गुनहगार को गन्ना समिति व स्थानीय पुलिस ने मिलकर बचाने का जो प्रयास किया है उसका दंड किसान भुगत रहे हैं।

जिसके लिए स्थानीय पुलिस व गन्ना समिति पर भी सक्षम धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। इस संबंध में तीन दिन पूर्व संस्था अध्यक्ष ने किसान प्रतिनिधिमंडल के साथ बरेली जोन के एडीजी को भी गन्ना समिति व स्थानीय पुलिस के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए पत्र सोपा था जिस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया के इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कार्यवाही करेंगे क्योंकि प्रशासन के लिखित आश्वासन नाकाम होने पर 27 तारीख को नवाबगंज तहसील में किसान वापस आ रहे हैं। अपना सवाल लेकर कि मंडल आयुक्त ने एक निराधार क्षेत्र विधायक द्वारा लिखी गई आपत्ति पर नीलामी प्रक्रिया रोककर गन्ना किसानों का भुगतान रुकवा दिया आक्रोशित किसान जो 2 साल से आर्थिक दंड भुगत रहा है उसकी और कोई देखने वाला नहीं सभी एक गुनहगार को बचाने में लगे है।

स्ट्रीट लाइट घोटाले की जांच कराए जाने की मांग

- ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने काग़ज़ों पर स्ट्रीट लाइट लगवाकर किया फर्जीवाड़ा

ग्राम पंचायत पलहनापुर में चक रोड पर मिटटी कार्य कराए बगैर कार्य पूर्ण दिखा सरकारी धन की लूट के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी विकासखंड विजुआ के अंतर्गत ग्राम पंचायत पलहनापुर में प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से कागजों पर विकास की गंगा बहाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।भ्रष्टाचार का सनसनी खेज खुलासा करते हुए वन टांगिया के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाए बिना ही फर्जी बिल वाउचर लगाकर 30 स्ट्रीट लाइटों का भुगतान निकाल कर हजम कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है गांव में जो भी लाइट लगाई गई है वह बैंक के तरफ/सौजन्य से लगाई गई है। जो प्रधान और पंचायत सचिव के भ्रष्टाचार की पोल खोल रही हैं ।इतना ही नहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय पलहनापुर में बच्चों के लिए खेल मैदान का निर्माण कार्य नहीं कराया गया और कागजों में निर्माण कार्य दिखाकर भुगतान निकालकर बंदर बांट कर लिए जाने के आरोप प्रधान और पंचायत सचिव पर लगाए गए हैं। तथा मामले की जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है।सूत्र बताते हैं गांव में एक चक रोड को पटवाए बगैर ही कागजों पर काम दिखाकर भुगतान निकाले जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। ग्राम पंचायत पलहनापुर के दर्जनों नागरिकों ने ऑन कैमरा बताया कि ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम पंचायत के विकास को आए सरकारी धन की लूट घसोंटकर खुद का विकास किया जा रहा है और निर्माण कार्य कागजों पर दर्शाया जा रहा है। हकीकत की जमीन पर कोई काम नहीं कराया गया है पलहनापुर में जो भी स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है वह मानकों के विपरीत और घटिया किस्म की लगवाई गई है। जो बंद पड़ी है। ग्रामीणों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन हडपने वाले मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग के साथ-साथ जांच में आरोप सिद्ध होने पर दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने और सरकारी धन की रिकवरी कराए जाने की मांग की है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी ने बताया कि वन टांगिया में 30 स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है। वही प्रधान जी दुध ही पी गए मट्ठा होने ही नहीं दिया बताया कि मुझे जानकारी नहीं है मैं पंचायत सचिव से बात करने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा।

भा. ज.पा.जिला कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर- खीरी, 21 अप्रैल आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने की। शुभारंभ आदि शंकराचार्य के चित्र पर पुष्पार्चन से हुई। जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि केरल के कालड़ी गांव में जन्मे शंकराचार्य ने 32 साल के अपने अल्प आयु जीवन में धर्म और देश को तमाम धरोहरें दीं। सर्वप्रथम उन्होंने समाज में फैले पाखण्ड पर प्रहार किया। उन्होंने जातिगत भेदभाव को कुरीति बताया और सनातन की पुर्नस्थापना की। लोगों का विवेक जगाने के लिए विवेकचूड़ामणि ग्रंथ भी लिखा। जो भी उसे पढ़ता है सनातन की सच्ची राह पर चल पड़ता है। शंकराचार्य ने चार धामों की स्थापना कर अखंड भारत को जीवंत किया। जिला उपाध्यक्ष रामजी मौर्य ने कहा कि शंकराचार्य के अल्पायु भविष्यवाणी बचपन में ही की गयी थी। इसे अभिशाप मानने की बजाए उन्होंने धर्म की राह चुनीं। महज 8 वर्ष की आयु में वेदों व पुराणों को कंठस्थ किया। कम उम्र में ही उन्होंने मां की आज्ञा लेकर सन्यास धारण कर लिया। उन्होंने समुदाय को एक नई राह दी। जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ने कहा कि शंकराचार्य ब्रह्मज्ञानी थे। उनकी विद्वता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता था कि मण्डनमिश्र जैसे प्रकाण्ड विद्वान न केवल उनसे शास्त्रार्थ में पराजित हुए बल्कि ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए उनके शिष्य तक बने। चार धामों की स्थापना से उन्होंने सनातन समुदाय के लोगों को भी एकजुट होने का मार्ग दिखाया। जिला उपाध्यक्ष आशु मिश्रा ने कहा कि शंकराचार्य की राह पर आज चलने की हम सभी को जरूरत है। कालांतर में ऐसे दल सामने आए जिनका एक ही मकसद था सनातन को तोड़ना। उन्होंने जातिवाद का जहर घोला। धर्म ग्रंथों को पाठ्यक्रम में जगह न दी। शंकराचार्य जैसे सनातन के महान दार्शनिकों को समाज से दूर रखने की कोशिश की। उनका षडयंत्र यही था कि जब समाज जातिवाद में टूटा होगा तो सनातन कभी एक न हो सकेंगे और देश को लूटने की उनकी मंशा कामयाब होगी। ब्लाक प्रमुख दिव्या सिंह ने कहा कि शंकराचार्य ने ग्रंथों पर भाष्य के जरिए, चार धाम स्थापना के जरिए और शास्त्रार्थ व उपदेशों के जरिए समाज को कुरीतियों से निकलकर समरसता के भाव और ईश्वर की राह पर आगे बढ़ाया। उनकी दिव्यता इसी बात से आंकी जा सकती है कि मां को पानी लेने दूर न जाना पड़े इसलिए उनके अनुरोध पर नदी की धारा मुड़कर उनके घर के पास से होकर बहने लगी थी। ऐसे दिव्य पुरुष के जीवन से प्रेरणा लेकर हम अपने समाज को धन्य कर सकते हैं। इस दौरान जिला महामंत्री मनोज वर्मा, जिला सह मीडिया प्रभारी राजीव मिश्रा, जिला आईटी प्रमुख शौर्य सक्सेना, जिला सोशल मीडिया संयोजक निष्कर्ष मिश्रा, रानू गुप्ता, विनय गुप्ता, सुमित जायसवाल व अश्वनी अवस्थी सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएचसी खमरिया पंडित में बड़ी लापरवाही, इलाज न मिलने से मरीज की मौत

लखीमपुर खीरी के थाना खमरिया क्षेत्र स्थित खमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है। इलाज के अभाव में एक व्यक्ति की मौत हो जाने से सिस्टम पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, थाना तंबौर (जिला सीतापुर) के गांव खैरी बर्सिंगवा निवासी 55 वर्षीय मिलन सिंह एक शादी समारोह में शामिल होने ग्राम फुलपुर गोनियां आए थे। इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उन्हें तुरंत खमरिया सीएचसी लेकर पहुंचे।

अस्पताल में पसरा सन्नाटा, नहीं मिला कोई डॉक्टर

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल का गेट खुला था, लेकिन अंदर कोई डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं था। कई कमरों में ताले लटके मिले। करीब एक घंटे तक मरीज तड़पता रहा, लेकिन इलाज के लिए कोई नहीं आया। लगातार मदद की गुहार के बावजूद आखिरकार मिलन सिंह ने दम तोड़ दिया। यह भी आरोप लगाया गया कि अस्पताल अधीक्षक को कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

विधायक ने लगाई फटकार, जांच के आदेश

घटना की सूचना मिलते ही धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल की अव्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। साथ ही सीएमओ को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए। यह घटना एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को उजागर करती है।

पेट्रोल-डीजल संकट से जूझ रहे किसान, सिंचाई और खेती कार्य प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी, संवाददाता। थाना क्षेत्र में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत देखने को मिल रही है, जिससे किसानों और वाहन चालकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर न तो पेट्रोल उपलब्ध है और न ही डीजल, जिसके चलते खेती-किसानी का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि वे सुबह खेतों पर सिंचाई के लिए इंजन बांधकर पहुंचते हैं, लेकिन जैसे ही डीजल लेने पेट्रोल पंप पर जाते हैं तो वहां 'डीजल खत्म' का बोर्ड लगा मिलता है। मजबूरन किसान मायूस होकर वापस खेत लौट जाते हैं और टंकी में बचे थोड़े-बहुत डीजल से जितना संभव हो पाता है, उतनी ही सिंचाई कर पाते हैं। इसके बाद उन्हें अधूरा काम छोड़कर इंजन वापस घर लाना पड़ रहा है।

यही स्थिति ट्रैक्टर चालकों के साथ भी देखने को मिल रही है। खेतों की जुताई और अन्य कृषि कार्य बीच में ही छोड़ने पड़ रहे हैं, जिससे फसल उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है। पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक उत्पन्न हुए इस ईंधन संकट ने पूरे क्षेत्र की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। किसानों के साथ-साथ छोटे व्यापारी और आम वाहन चालक भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए, ताकि खेती-किसानी के कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकें और लोगों को राहत मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

दीक्षांत परेड की तैयारियों का एसपी-एएसपी ने लिया जायजा

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने पुलिस लाइन ज्ञानपुर का निरीक्षण कर आगामी दीक्षांत परेड की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान परेड ग्राउंड का निरीक्षण कर रिक्रूट आरक्षियों के अनुशासन और तैयारियों की सराहना की गई। अधिकारियों ने महिला बैरक, जिम, कंट्रोल रूम, यूपी-112 कार्यालय, एएचटीयू एवं यातायात कार्यालय का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग, साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव एवं यातायात नियमों के सख्त पालन पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत चयनित होने पर हैंडपंप व सोलर लाइट लगाए जाने का जनता दरबार में उपमुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर किया मांग

हलिया, मीरजापुर। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत पटेहरा कला के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि त्रिवेणी प्रसाद मौर्या ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शहिद ग्राम पंचायत पटेरा कला में सोलर लाइट व हैंडपंप लगाए जाना अति आवश्यक है ग्राम पंचायत पटेरा कला का प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम में चयन हुआ है इसका सर्वे हो चुका है सभी परिवारों का फॉर्म भरकर ब्लॉक द्वारा समाज कल्याण निर्माण निगम मिर्जापुर को भेज दिया गया है। पुरे विकासखंड में केवल एक शहीद केसरी सिंह के नाम से जाना जाता है बारात घर का प्रस्ताव जमीन का चयन भी समाज कल्याण निर्माण निगम को भेज दिया गया है पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया। साथ ही साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि त्रिवेदी प्रसाद मौर्य ने बताया कि लगभग भारी संख्या में सोलर लाइट व हैंड पंप ग्राम पंचायत में लगवाना अति आवश्यक है साथ ही साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि हमारा पूरा प्रयास है की ग्राम पंचायत में लाइट व पानी की समस्या किसी भी व्यक्ति को ना हो सरकार से लगातार हम मांग कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री जी की योजना धरातल पर दिखाई दें और ग्राम पंचायत हमेशा साफ सुथरा स्वच्छ बना रहे।

युवक पर चाकू और लाठी डंडे से हमला कर गंभीर से किया घायल, रेफर

चाचा ने आरोपियों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की लगाई गुहार

ड्रमंडगंज। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के देवहट गांव में सोमवार रात दस बजे के करीब नेशनल हाईवे पर गुटखा पान खाने के लिए दुकान पर गए युवक पर दुकानदार के पुत्र ने चाकू और लाठी डंडे से हमला कर गंभीर रूप घायल कर दिया। घायल युवक के चाचा रघुनाथ पाल ने आरोपितों के विरुद्ध मंगलवार को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।दी गई तहरीर में युवक के चाचा ने आरोप लगाया कि भतीजा कमलेश रात दस बजे के करीब गुटखा पान खाने गांव निवासी एक व्यक्ति की दुकान पर गया। जहां बातचीत के दौरान दुकानदार के बेटे ने भतीजे कमलेश पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया वहीं दुकानदार के परिवार के चार अन्य लोगों ने भी लाठी डंडे से भतीजे को मारने पीटने लगे। घटना की जानकारी होने पर बीच बचाव के लिए दुकान पर पहुंचे तो सभी लोग मुझे भी मारने पीटने लगे जिससे मुंह में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल भतीजे को एंबुलेंस से पीएचसी हलिया भेजा। जहां चिकित्सक ने भतीजे के सिर में आई गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। मंडलीय चिकित्सालय के चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।इस संबंध में थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मुआवजा न मिलने पर हाईकोर्ट पहुंचे पक्षकार, एडीएम कोर्ट ने निरस्त किया विवादित पट्टा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

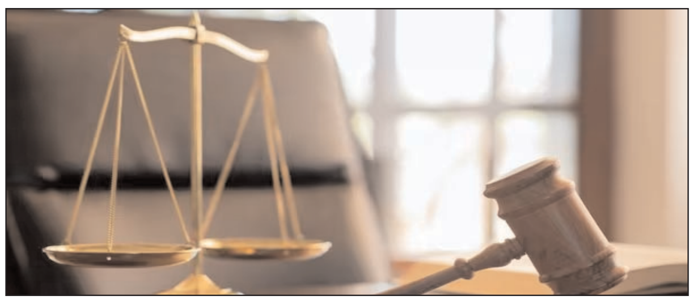

भदोही। मुआवजा न मिलने पर पक्षकारों द्वारा जिलाधिकारी को पक्षकार बनाते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल किए जाने के बीच जनपद के एक अहम भूमि विवाद में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए वर्ष 2003 में हुए कृषि भूमि आवंटन (पट्टा) को निरस्त कर दिया। मामला तहसील भदोही के ग्राम ड्ड़वा कुकुरौठी का है, जहां खाता संख्या-776 की लगभग 0.200 हेक्टेयर भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राजस्व अभिलेखों, साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों का परीक्षण किया। जांच में सामने आया कि पट्टा आवंटन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं थीं। साथ ही, भूमि के पुनर्ग्रहण की कार्यवाही पूर्व में प्रस्तावित थी और औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) द्वारा कॉरपोरेट सिटी योजना के तहत भूमि पर कब्जा लेकर विकास कार्य किए जाने के प्रमाण भी प्रस्तुत हुए। न्यायालय ने यह भी माना कि आवंटन के विरुद्ध समयावधि में आपत्तियां और पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी थी, जिससे वर्ष 2003 की स्वीकृति विधिसम्मत नहीं मानी गई। सभी तथ्यों पर विचार करते हुए अदालत ने पट्टा निरस्त करने का आदेश दिया।

प्रकरण में पट्टाधारकों ने मुआवजे की मांग की थी और मुआवजा न मिलने पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार को पक्षकार बनाकर उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की। वर्ष 2025 में मामला बीड़ा भदोही के संज्ञान में आया, जिसके बाद बीड़ा के प्रार्थना पत्र पर तहसील प्रशासन की संयुक्त आख्या के आधार पर जिलाधिकारी के निर्देश में दाखिल पट्टा मन्सूखी सरकार बनाम नन्दलाल के प्रकरण का त्वरित निस्तारण किया गया। इस मामले में बीड़ा भदोही की ओर से पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) नागेंद्र दुबे ने प्रभावी पैरवी की। एडीएम न्यायालय के इस फैसले को भूमि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

गैंगस्टर कार्रवाई पर बड़ा फैसलाः कुर्क ईंट भट्ठा व वाहन बहाल

सीतामढ़ी। भदोही जनपद में गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कुर्की कार्रवाई पर जिलाधिकारी न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए ईंट भट्ठा और जब्त वाहनों को बहाल करने का आदेश दिया है। यह निर्णय सोमवार को सुनाया गया, जो माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में लिया गया। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी की गई थी। मामला कोइरौना थाना क्षेत्र के बारीपुर निवासी रुद्रपति दूबे समेत अन्य लोगों से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, 13 मार्च को गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए फुलवरिया स्थित 'त्रिपति ईंट उद्योग' के नाम से संचालित ईंट भट्ठा, जेसीबी मशीन और अन्य वाहनों को जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस द्वारा कुर्क कर लिया गया था। इस कार्रवाई के खिलाफ रुद्रपति दूबे ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की। सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने जिलाधिकारी भदोही को मामले की पुनः समीक्षा के निर्देश दिए। इसके क्रम में जिलाधिकारी न्यायालय ने पूर्व में की गई कुर्की कार्रवाई को निरस्त करते हुए संपत्तियों को बहाल करने का आदेश जारी किया। फैसले के बाद रुद्रपति दूबे उर्फ श्रवण सहित राजबिहारी मिश्रा, दुर्गा प्रसाद पाण्डेय, बृजेश पाण्डेय, दीपक दूबे, अजय दूबे, नम्रता पाण्डेय और श्रीश त्रिपाठी ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

भदोही में होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी

● 25 से 27 अप्रैल तक 6 केंद्रों पर सम्पन्न होगी परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 25, 26 एवं 27 अप्रैल को जनपद के 6 केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में सम्पन्न होगी, जिसमें प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से 5:00 बजे तक होगी। प्रत्येक पाली में 2496 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि तीन दिनों में कुल 14,976 अभ्यर्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रश्नपत्र एवं अन्य सामग्री को सुरक्षित ढंग से केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है।

जिलाधिकारी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश देते हुए संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने तथा अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को समय से केंद्रों पर पहुंचकर सुरक्षा, प्रवेश एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनसे धार्मिक सामग्री उतरवाने जैसी अनावश्यक कार्रवाई न की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

'यूथ एंटरप्रेन्योर प्रोग्राम' का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में मंगलवार को वनस्पति विज्ञान विभाग, अर्थशास्त्र विभाग एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC) के अंतर्गत अविष्कार फाउंडेशन द्वारा 'यूथ एंटरप्रेन्योर प्रोग्राम' का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) माधवी शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने छात्रों को नवाचार एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अविष्कार फाउंडेशन से आए विशेषज्ञों में प्रोग्राम डायरेक्टर दीपक शांडिल्य, प्रोग्राम मैनेजर विश्वनाथ शुक्ला एवं प्रोग्राम ट्रेनी अधिराज ने उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा व्यवसाय प्रारंभ करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत मिशन शक्ति प्रभारी डॉ शेफालिका रॉय द्वारा छात्राओं को स्वउद्यमिता से कैसे जोड़ा जाए विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ शेफालिका रॉय, डॉ शिखा तिवारी, डॉ विद्या सिंह, डॉ मंजुला शुक्ला, चंदन कुमार द्विवेदी एवं डॉ अमित कुमार यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो कुसुम लता, चंदन साहू, डॉ रजनीश, डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी, डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ दीप नारायण,डॉ अरुणेश कुमार, डॉ सत्येंद्र कुमार,अरविंद कुमार, डॉ नलिनी सिंह, रमेश चंद्र, डॉ गुरु प्रसाद सिंह, डॉ दीपक कुमार सिंह, डॉ शैलेन्द्र कुमार, डॉ अदिति सिंह, डॉ रीता मिश्रा,डॉ शिव कुमार सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 93 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विंध्याचल धाम के प्रधान अर्चक आचार्य ने बागेश्वर धाम सरकार को किया मां विंध्यवासिनी देवी जी का दर्शन पूजन करने का आमंत्रित

विंध्याचल। विंध्याचल धाम के प्रधान अर्चक आचार्य अगत्स्य कुमार द्विवेदी ने वाराणसी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मां विंध्यवासिनी देवी जी का प्रसाद स्वरूप चुनरी तथा मां का पवित्र चित्र भेंट किया। साथ ही विंध्याचल धाम आने का हार्दिक आमंत्रण भी दिया। आचार्य अगत्स्य कुमार द्विवेदी जी ने कहा, 'मैं मां विंध्यवासिनी देवी जी के दर्शन अवश्य करूंगा तथा वहां कथा भी सुनाऊंगा।' इस मुलाकात में दोनों संतों के बीच धार्मिक चर्चा हुई और मां विंध्यवासिनी की कृपा तथा भक्ति भाव की सराहना की गई। आचार्य अगत्स्य कुमार द्विवेदी जी का यह भेंट हिंदू धर्म की एकता और तीर्थों के प्रति समर्पण को मजबूत करने वाली मानी जा रही है। भक्तों में बागेश्वर धाम सरकार के विंध्याचल आगमन को लेकर उत्साह व्याप्त है।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, डिजिटल प्रणाली से प्रशिक्षित हो रहे फील्ड ट्रेनर्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में प्रस्तावित जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें जनगणना कार्य को त्रुटिहीन और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की शंका होने पर उसे पूरी तरह समझने तक पूछें, ताकि कार्य में कोई त्रुटि न रह जाए। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दो बैचों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी। एचएलओ ऐप के माध्यम से आंकड़े सीधे रियल टाइम में सर्वर पर अपलोड किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और आंकड़ों का संकलन अधिक सटीक व तेज होगा। प्रगणकों को अपने क्षेत्र में जाकर नजरिया नक्शा तैयार करने के साथ प्रत्येक भवन, मकान एवं परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करनी होगी।

पहली बार नागरिकों को भी स्वगणना की सुविधा दी जा रही है, जिसके तहत 7 मई से 21 मई 2026 तक पोर्टल के माध्यम से स्वयं जानकारी दर्ज की जा सकेगी। इससे जनसहभागिता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। जनपद के विभिन्न तहसीलों एवं नगर निकायों में अलग-अलग केंद्रों पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के अंत में कार्मिकों को निष्पक्षता, गोपनीयता और पूर्ण निष्ठा के साथ दायित्व निर्वहन की शपथ दिलाई गई। प्रशासन ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षित कार्मिक जनगणना-2027 को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे बाइक सवारों को ट्रेलर ने मारी टक्कर, दो की मौके पर हुई मौत, एक गंभीर रूप से घायल

● गंभीर रूप से घायल बाइक चालक मंडलीय अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ड्रमंडगंज। क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में मंगलवार सुबह नौ बजे के करीब वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे बाइक सवारों को पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दो लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बाइक चालक को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र के बुदामा गांव निवासी 57 वर्षीय लक्ष्मी नारायण पाल अपने नाती 18 वर्षीय अंकित कुमार पाल निवासी नेवढ़िया थाना सोहागी जिला रीवा मध्य प्रदेश के साथ बाइक सवार होकर प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र के महुली गांव निवासी 56 वर्षीय अपने समधी हरिशंकर पाल उर्फ कैर के यहां गए।

यहां से तीनों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर सोमवार की शाम अपने रिश्तेदार के यहां बरात में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के कचनार गांव गए थे। मंगलवार सुबह तीनों लोग बाइक से घर लौट रहे थे सुबह नौ बजे के करीब जैसे ही लहुरियादह गांव में तो मध्यप्रदेश की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में लक्ष्मी नारायण पाल व हरिशंकर पाल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि बाइक चला रहा अंकित पाल गंभीर से घायल हो गया।

हेलमेट पहनने की वजह से अंकित के सिर में चोटें नही आई जबकि पैर में गंभीर चोटें आई हैं।सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन एसआइ विनोद सिंह, शिवाकांत पांडेय एसआइ पुनीत गुप्ता ने घटना की जांच करते हुए घायल बाइक चालक को उपचार हेतु न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। मध्य प्रदेश निवासी मृतक लक्ष्मी नारायण पाल को दो पुत्र हैं। प्रयागराज जिला निवासी हरिशंकर पाल उर्फ कैर को दो पुत्र और दो पुत्री हैं। जिसमें एक पुत्र अविवाहित है। दोनों मृतक खेती-बाड़ी कर परिवार का गुजर बसर करते थे। घटना की खबर पाकर मृतकों के रिश्तेदार व स्वजन रोते-बिलखते हुए ड्रमंडगंज थाने पहुंचे। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन ने बताया कि वैवाहिक कार्यक्रम से घर लौट रहे बाइक सवार दो लोगों की ट्रेलर की टक्कर से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल बाइक चालक अंकित पाल को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। ट्रेलर को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्री सुर्जलाल अग्रहरि जी के निधन पर गहरा शोक संवेदना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल। अत्यंत दुख के साथ हमें यह जानकर गहरा आघात लगा कि विंध्याचल के प्रसिद्ध व्यापारी झगड़ू राम जी के प्रिय पोते, श्री सुर्जलाल अग्रहरि जी का वाराणसी के हैरिटेज हॉस्पिटल में ब्रेन हैमरेज के कारण निधन हो गया। लगभग 65 वर्ष की आयु में उनका अकस्मात् जाना परिवार, रिश्तेदारों और समस्त अग्रहरि समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

सुर्जलाल जी एक सादगीपूर्ण और परिवार तथा समाज के प्रति-प्रेमी व्यक्ति थे। उन्होंने जीवन भर अपने परिवार को संभाला और समाज में अपनी पहचान बनाई। उनका निधन न केवल परिवार के लिए बल्कि उन सभी लोगों के लिए भी बड़ा सदमा है जो उन्हें जानते थे। इस दुख की घड़ी में ईश्वर उनकी आत्मा को मोक्ष प्रदान करें तथा शांति दें। परिजनों, विशेषकर उनके भाई-बहनों, पत्नी, बच्चों और समस्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में संबल दें।

इस दौरान शिवराम शर्मा, संजय श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, रामलाल साहनी, अश्वनी पांडेय, रामधनी पाल, रामप्रसाद वर्मा, प्रदीप वर्मा, राजकुमार चौधरी, अगत्स्य द्विवेदी, सोमेश्वरपति त्रिपाठी आदि लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त किया। हम सभी उनके स्मरण में उनके अच्छे कार्यों और सकारात्मक व्यक्तित्व को याद रखेंगे।

जल जीवन मिशन की बैठक में अभद्र टिप्पणी से हंगामा, कार्रवाई की मांग तेज

मिर्जापुर। जनपद के ब्लॉक सभागार (छानबे) में आयोजित जल जीवन मिशन की बैठक उस समय विवादों में घिर गई, जब एक व्यक्ति द्वारा बैठक के दौरान ही केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि विकासखंड छानबे के ग्राम धौरहरा निवासी उक्त व्यक्ति ने बैठक के बीच आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया, जिससे सभा कक्ष में मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी फैल गई। उस समय बैठक में खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधान और जल जीवन मिशन से जुड़े कर्मचारी उपस्थित थे।घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई और इस तरह के व्यवहार को अस्वीकार्य बताया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने कहा कि सार्वजनिक मंच पर इस प्रकार की अभद्रता न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि सरकारी कार्यक्रमों की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।

डीएम, एसपी ने अभियोजन कार्यों, एनकार्ड, कानून व्यवस्था एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक

● डीएम ने अभियोजन व कानून व्यवस्था संबंधी बैठक कर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की संयुक्त अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों, एनकार्ड, कानून व्यवस्था एवं प्रवर्तन की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में विस्तार से की गई। बैठक में डीएम ने ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी सहित समस्त सहायक अभियोजन अधिकारी व अपर शासकीय अधिवक्ता,अभियोजक को संबंधित मामलों के निष्पादन में तीव्र प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा की पीड़ितों को न्याय दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है, साथ ही एक्साइज एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, एससी-एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के लिए ससमय कार्यवाही करें। हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम न्याय समय से दिला सके। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित पक्षों में समन्वय का होना आवश्यक है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष आवश्यक कागजात या प्रतिवेदन की प्राप्ति के लिए ससमय संपर्क करें। डीएम ने डाटा को समय से फीड करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने एनकार्ड सहित आबकारी,खनन, परिवहन, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रवर्तन विभागों की समीक्षा बैठक में प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने कोर्ट केस रजिस्ट्रेशन, बेल/जमानत निस्तारण, केस डिस्पोजल, लिपिकीय आपत्तियों, अपील/रिवीजन, चार्जशीट, चार्ज फ्रेम, फाइनल आर्ग्युमेंट, गवाहों की उपस्थिति एवं परीक्षण, तथा अभियोजन स्वीकृति से संबंधित प्रकरणों की प्रगति का गहन परीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गंभीर अपराधों– विशेषकर महिला एवं बालिका उत्पीड़न, अनुसूचित जाति/ जनजाति अत्याचार, गैंगस्टर, पोक्सो, शस्त्र अधिनियम, दहेज मृत्यु, अपहरण आदि के वादों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए, जिससे अधिकाधिक प्रकरणों में राज्य सरकार के पक्ष में सजा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायालय में गवाहों की अनुपस्थिति या शिथिल पैरवी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अभियोजन अधिकारी नियमित समन्वय स्थापित कर गवाहों की समय से उपस्थिति व परीक्षण सुनिश्चित कराएं।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने विवेचकों को निर्देशित किया कि चार्जशीट समयबद्ध ढंग से न्यायालय में प्रेषित की जाए तथा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। अभियोजन एवं पुलिस के मध्य समन्वय को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या, निस्तारित वादों की स्थिति तथा सजा/रिहाई के अनुपात की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक अभियोजन अधिकारी अपने- अपने न्यायालय में लंबित गंभीर प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर पैरवी करें। साथ ही अपील योग्य मामलों में समय से अपील/रिवीजन दायर करने के निर्देश दिए गए। अवैध खनन, आबकारी, शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण, संपत्ति जब्तीकरण तथा जिलाबदर की कार्यवाही की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत शिल्पी विकास खण्ड सीखड़, मीरजापुर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2026-2027 हेतु जी राम जी (मनरेगा)/ राज्य वित्त/केंद्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना फेज 2 के अंतर्गत ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय/नाली, सड़क,भवन निर्माण व मरम्मत/पेयजलापूर्ति/ऑफिस स्टेशनरी/ग्राम पंचायत के सरकारी भवनों कार्यालयों, विद्यालयों में कायाकल्प हेतु फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति एवं अन्य कार्य के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराए जाने वाले कार्य के लिए निर्माण सामग्री जैसे-ईट, सीमेंट, बालू, लाल बालू,लोकल गंगा बालू सरिया, ह्यूम पाइप, डाला गिट्टी मिट्टी धुलाई, सहित हैंडपंप मरम्मत हेतु स्पेयर पार्ट, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, स्कूल एवं आफिस फर्नीचर, आफिस स्टेशनरी, हैंडपंप रिबोर, डस्टबिन, सफाई कर्मी की किट, टाइल्स, इंटरलॉकिंग ईट, लाल ईट, NP3 ह्यूम पाइप,आर ओ वाटर कूलर,सोलर कैमरा,ओपन जिम सामग्री, ईट गिट्टी, GSB, सीमेंट फर्नीचर, कूड़ेदान, टॉयलेट गाड़ी, पेंट पेंटिंग सामग्री, प्लास्टिक बैंक, पी वी सी पैनल कार्य, लाइब्रेरी कार्य, स्वच्छ भारत मिशन सामग्री,टाटा मैजिक, अन्य आवश्यक सामग्री इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22 -04-2026 से दिनांक 27-04-2026 तक अपनी दरअपने लेटर पैड पर संलग्नक बंद लिफाफे में अधो हस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियम एवं शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 27-04-2026 को प्रातः 02:00 बजे ग्राम समिति सदस्यों और टेंडर दाताओं की उपस्थिति में जो उपस्थित रहना चाहते हैं उनके समक्ष खोली जाएगी। निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय पर कार्य अवधि समय में 27-04-2026 को दोपहर 01:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। निविदा सबसे कम दर की स्वीकृत की जाएगी।

ग्राम प्रधान शैलेन्द्र कुमार चौबे ग्राम पंचायत– मवैया वि. ख. सीखड़, मीरजापुर	ग्राम विकास अधिकारी रश्मि सिंह ग्राम पंचायत– शिल्पी वि. ख. सीखड़, मीरजापुर

संक्षिप्त खबरें

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों और उपकरणों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ईवीएम के रखरखाव, रजिस्टर, गेट पर लगे सील व लॉकर की जांच की गई। साथ ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की पूर्व दिनों की रिकॉर्डिंग भी चेक की और फायर सेफ्टी उपकरणों की वैधता तिथि का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते हुए सुरक्षाकर्मियों को निर्देशित किया कि वे पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभाएं। स्पष्ट किया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, चकबंदी अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक गंभीर घायल

नैनी, करछना। थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मेजा के खौर (तिगजा) गांव निवासी (45) वर्षीय कमल किशोर प्रजापति की मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।यह हादसा मुंगारी टोल प्लाजा के पास सुबह करीब चार बजे हुआ।जानकारी के अनुसार,कमल किशोर प्रजापति अपने साथी के साथ एक बारात में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कमल किशोर ट्रक के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि उनका साथी दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।कमल किशोर अपने पीछे पत्नी और पांच बेटों को छोड़ गए है। दोपहर बाद पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा, जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।पुलिस मामले की जांच में जुटी है और अज्ञात ट्रक की तलाश की जा रही है।

होलागढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 04 अवैध देशी बम के साथ युवक गिरफ्तार

संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान मिली सफलता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज।

होलागढ़। प्रयागराज। पुलिस टीम ने सोमवार को संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 04 अवैध देशी बम बरामद किए हैं। होलागढ़ थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने गिरधरपुर गोड़वा के पास एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 04 अवैध देशी बम बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। **गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान** पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का नाम मो. वैश (25 वर्ष) है, जो मो. अकरम का पुत्र है और बेगम बाजार बमरौली का निवासी है। वह पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। **मुकदमा दर्ज व कानूनी कार्रवाई-** गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस ने थाना होलागढ़ में मु0अ0सं0-35/2026 के तहत धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के खिलाफ नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

'पढ़े-लिखे भी बन रहे शिकार': डिजिटल अरेस्ट पर सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता, बैंकों को दिए सख्त आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई। एक अधिवक्ता ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है, तब भी लगातार ऐसे मामलों का सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

सुप्रीम कोर्ट ने 9 फरवरी को डिजिटल फ्रॉड के जरिए 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को सीधी लूट और डकैती करार दिया था। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ मिलकर मानक संचालन प्रक्रिया (स्पक्क) तैयार की जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि बैंकों को साइबर ठगी रोकने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जरूरत पड़ने पर संदिग्ध खातों पर अस्थायी रोक लगाई जाए ताकि पैसे की निकासी रोकी जा सके।

शीर्ष अदालत ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की पहचान कर देशव्यापी जांच करने को कहा था। साथ ही गुजरात और दिल्ली सरकारों को ऐसे मामलों में जांच की मंजूरी देने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और अन्य एजेंसियों से मिलकर पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक स्पष्ट व्यवस्था तैयार करने को भी कहा था।

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का एक नया और खतरनाक तरीका है। इसमें अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी, सीबीआई अधिकारी, अदालत कर्मचारी या किसी सरकारी एजेंसी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फोन या वीडियो कॉल करते हैं।वे पीड़ित को डराते हैं कि उसके खिलाफ गंभीर मामला दर्ज है, बैंक खाता सीज किया जाएगा या तुरंत गिरफ्तारी होगी। इसके बाद लोगों को घंटों फोन पर रोके रखा जाता है और डर के माहौल में उनसे पैसे ट्रांसफर करा लिए जाते हैं।

माफिया अतीक के भाई की कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग करने पर पांच नामजद, लेखपाल की शिकायत पर एफआईआर

ब्यूरो प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के देवघाट स्थित विधि विश्वविद्यालय के पास अतीक अहमद के भाई अशरफ की कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग करने के मामले में पुलिस ने क्षेत्रीय लेखपाल हरीश कुमार वर्मा की तहरीर पर मोहम्मद मुशर्रफ, अयास अहमद, नौशाद अहमद, आजाद अहमद और सुरेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के मुताबिक, जिला प्रशासन ने अशरफ की करीब सात बिस्वा जमीन को कुर्क किया था। अधिकारियों को पता चला कि करीब तीन करोड़ की इस भूमि को प्लॉटिंग कर बेचा गया है। मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई। रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ प्लॉटों पर अवैध निर्माण भी करा दिया गया है। इसके बाद राजस्व टीम ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर जमीन अपने कब्जे में ली। वर्ष 2024 में शाहा उर्फ पीपल गांव में अतीक व अशरफ की जमीन गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई थी। उसकी भी खरीद फरोख्त की बात सामने आई है। एयरपोर्ट थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'सिला' की शूटिंग पूरी; सिनेमा घरों में रिलीज़ होने को तैयार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज मुंबई: नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक की फिल्म 'सिला' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। इस फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में और नजर आएँगे। यह फिल्म प्यार, जुनून और एक्शन से भरपूर कहानी को पेश करती है, जिसकी जड़ें इमोशन और रिडेम्प्शन में बसी हैं। वियतनाम, कश्मीर और मुंबई जैसी खूबसूरत लोकेशंस पर शूट की गई 'सिला' ने अपने आखिरी शेड्यूल के साथ एक लंबे और चुनौतीपूर्ण शूट को पूरा कर लिया है। खासतौर पर वियतनाम शेड्यूल ने फिल्म को एक अलग स्केल और विजुअल टेक्सचर दिया है,

जहाँ हर्षवर्धन और सादिया के बीच के अहम् इमोशनल सीन्स कहानी का मुख्य आधार बनकर उभरते हैं।

फिल्म में और भी किरदार अहम् भूमिकाओं में नजर आएँगे, जो इस कहानी को और मजबूती और गहराई देते हैं। शूटिंग पूरी होने के बाद अब 'सिला' पोस्ट-प्रोडक्शन के चरण में प्रवेश कर चुकी है और वर्ष 2026 में इसकी थिएट्रिकल रिलीज़ की तैयारी चल रही है। एक हाई-इम्पैक्ट एक्शन-रोमांस के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म स्केल और इमोशन का बेहतरीन संतुलन दर्शकों के सामने लाने का वादा करती है। ज़ी स्टूडियोज़ की मजबूत कंटेंट लाइनअप के तहत, उमेश कुमार बंसल के नेतृत्व में, ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट की पेशकश, संगीत सारेगामा का और ओमंग कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिला' वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, महिला की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। गौहनिया ओवरब्रिज पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें तेज रफ्तार से जा रही बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोलू भारतीया अपनी मां गुड्डी देवी और लगभग तीन वर्ष की भांजी के साथ परिवार के सदस्य कल्लू भारतीया के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था। बाइक पर तीन लोग सवार थे और वाहन तेज गति में बताया जा रहा है। जैसे ही बाइक गौहनिया ओवरब्रिज पर पहुंची, चालक नियंत्रण खो बैठा और बाइक सीधे डिवाइडर से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि गुड्डी देवी उछलकर ओवरब्रिज से नीचे जा गिरीं, जबकि अन्य सवार सड़क पर ही गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हादसे की अफरातफरी में किसी को यह पता नहीं चल सका कि महिला नीचे गिर गई है। अस्पताल में होश में आने पर घायल युवक ने बताया कि उसकी मां भी उसके साथ थीं। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास खोजबीन की। काफी तलाश के बाद ओवरब्रिज के नीचे गुड्डी देवी का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और बाइक पर अधिक सवारियां होना बताया जा रहा है।

इलाहाबाद संग्रहालय में सुरक्षित है सुनहरे अक्षरों वाली भगवद् गीता, इन तरीकों से आप भी देख सकते हैं यह दुर्लभ पांडुलिपि

प्रयागराज। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पांडुलिपियों का राष्ट्रीय महत्व है। इलाहाबाद संग्रहालय में भगवद् गीता की एक ऐसी दुर्लभ पांडुलिपि है, जिसके रचयिता ने लिखावट में कहीं-कहीं सुनहरी स्याही का उपयोग किया, जबकि ज्यादातर श्लोक गुलाबी और काले रंग से लिखे गए हैं। हालांकि संग्रहालय ने इसे वीथिका में कभी प्रदर्शित नहीं किया।

संग्रहालय में कई महत्वपूर्ण धरोहर हैं

प्रत्येक वर्ष धरोहरें देखने के लिए हजारों लोग जाते हैं, पांडुलिपि प्रदर्शित न करने का यह भी कारण है कि इसका इतिहास ही खो गया है। वैसे तो इलाहाबाद संग्रहालय में अनेक महत्वपूर्ण धरोहरों को स्थायी एवं अस्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाता है। यहां साहित्यिक वीथिका भी है लेकिन पुस्तक के आकार की उस पांडुलिपि को कहीं प्रदर्शित करने का प्रयास नहीं हुआ, जिसमें उल्लेखित बातें 'महाभारत' का इतिहास और इससे मिले उपदेशों की जानकारी देती है।

प्रयागराज में गर्मी का कहर: 26 अप्रैल तक पारा 46°C पार होने के आसार

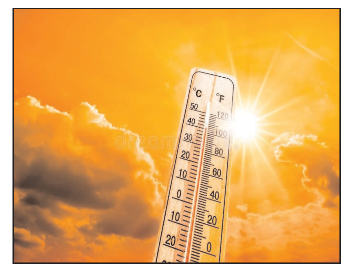

प्रयागराज। मंगलवार सुबह शहर में गर्मी ने अपने तेवर और अधिक तीखे कर लिए हैं। लगातार आठवें दिन भी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। मंगलवार की सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का घर से निकलना मुश्किल कर दिया। सुबह 11 बजे ही तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे दिन चढ़ने के साथ हालात और गंभीर होते गए।

रात में भी नहीं मिल रही राहत

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। अनुमान है कि 26 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। उच्च न्यूनतम तापमान के कारण रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

सड़कों पर पसरा सन्नाटा

भीषण गर्मी और लू के चलते शहर की सड़कों पर आम दिनों जैसी चहल-पहल नहीं दिख रही। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को कपड़े या गमछे से ढंककर चल रहे हैं। दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है, जिससे शहर की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

कम आर्द्रता ने बढ़ाई परेशानी

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सुबह के समय आर्द्रता 29 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि सोमवार शाम को यह घटकर मात्र 16 प्रतिशत रह गई थी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कम आर्द्रता और तेज धूप मिलकर लू के प्रभाव को और खतरनाक बना रहे हैं। इस स्थिति में शरीर तेजी से डिहाइड्रेट होता है, जिससे चक्कर आना, थकान और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों और मजदूरों पर सबसे अधिक असर

गर्मी का सबसे ज्यादा असर स्कूल जाने वाले बच्चों और खुले में काम करने वाले मजदूरों पर पड़ रहा है। लोग सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे बाजारों में भी भीड़ कम देखी जा रही है।

अभी जारी रहेगा गर्मी का प्रकोप

मौसम विज्ञानियों के अनुसार अगले 5-6 दिनों तक इसी तरह की भीषण गर्मी और लू का असर बना रहेगा। तेज धूप, गर्म हवाएं और शुष्क मौसम मिलकर स्थिति को और गंभीर बना सकते हैं।

प्रशासन और विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के और सूती कपड़े पहनने तथा सिर को ढंककर रखने की सलाह दी है। साथ ही बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

रेलवे स्टेशन विस्तार को लेकर मस्जिद पर नोटिस, 27 अप्रैल तक खाली करने के निर्देश

प्रयागराज। शहर के प्रयागराज रेलवे स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास स्थित एक पुरानी मस्जिद को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मस्जिद को नोटिस जारी कर 27 अप्रैल तक खाली करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल है। जारी नोटिस में रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संबंधित मस्जिद रेलवे की भूमि पर निर्मित है और प्रयागराज रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित मेजर मॉडिफिकेशन (विस्तारीकरण) कार्य के तहत उस स्थान को खाली कराया जाना आवश्यक है। रेलवे का कहना है कि स्टेशन के विकास कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मस्जिद को हटाना जरूरी है। नोटिस मस्जिद के मुतवल्ली (प्रबंधक) को भेजा गया है, जिसमें निर्धारित समयसीमा के भीतर स्थल खाली करने को कहा गया है, ताकि आगे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा सके। वहीं, मस्जिद से जुड़े लोगों ने रेलवे के इस दावे का विरोध किया है। उनका कहना है कि यह मस्जिद आजादी से पहले की बनी हुई है और वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज है। स्थानीय लोगों के अनुसार मस्जिद सैकड़ों वर्ष पुरानी है और धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, ऐसे में इसे हटाना उचित नहीं होगा। मस्जिद से जुड़े लोगों ने यह भी बताया कि वे इस नोटिस के खिलाफ का रुख करने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से अपने अधिकारों की रक्षा की जाएगी। उधर, रेलवे प्रशासन नोटिस की समयसीमा पूरी होने का इंतजार कर रहा है। यदि तय तिथि तक मस्जिद खाली नहीं की जाती है, तो प्रशासन आगे की कार्रवाई कर सकता है।

वाराणसी में ज्ञानवापी स्थल पर जरूर बनेगा मंदिर, हिंदुओं की मंशा जरूर पूर्ण होगी : आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

प्रयागराज। बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रयागराज में बड़ा उद्घोष किया है। उन्होंने कहा, वाराणसी में ज्ञानवापी स्थल पर मंदिर जरूर बनेगा। उसका समय निकट है। हिंदुओं की मंशा जरूर पूर्ण होगी। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्रीहनुमंत कथा में संगम नगरी आए आचार्य धीरेंद्र कृष्ण ने संसद में महिला आरक्षण बिल गिरने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि यह देश गाय, गंगा, गायत्री और वेद का है। यहां माताओं के सम्मान होना ही चाहिए।

विकास से कोसों दूर पंचायत बाबूपुर

सरकारी धन से केंचुआ की खाद बनाने की इकाई है। लेकिन गांव के लोगों को एक किलो खाद नहीं मिली।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बनारस जिला के अन्तर्गत विकास खण्ड चोलापुर में गोमती नदी के तट पर बसा गांव पचायत बाबत पुर है वह पूरव दिशा में नदी पार गाजी पुर से जुड़ता है। तो उत्तर दिशा में नदी पार जौन पुर जिला से।गांव में सबसे ज्यादा आबादी ब्राह्मणों की है ।यहां लगभग दो हजार वोटर हैं।विकास के नाम पर गांव के साथ लगते नियार बाजार है उसी बाजार है जहां बैंक पोस्ट आफिस सरकिरी शराब की दुकिन सरकारीस्कूल तथा बाबत पुर में दो इन्टर कालेज निजिक्षेत में चलते हैं नियार बाजार से सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बाबत पुर गांव मेगोमती नदी पर पुल बनाया है जो गाजीपुर को जाता है ।इस पुल को जोड़ने वाली सड़क एक साल से उखड़ गए ई। जबकि जनवरी माह में ही टेन्डर पास होगया सड़क निर्माण के लिए परन्तु अप्रैल माह बीतने वाला है काम नहीं शुरू हुआ सार्वजनिक निर्माण विभाग की लापर वाही पर जिलाधीश वाराणसी को उनके सरकारी ह्वाटसैप पर लिखकर भेजा गया पर हर तरफ मौन ही मौन।

यहभी बताते चलें की सार्वजनिक निर्माण विभाग लखनऊ के ह्वटसैप समूह पर भी शिकायत किया गया फिर भी विभाग बेदम यहा तक की कम से कम बीसों वबार जनसुनवाई पोर्टल और मुख्यमंत्री मंत्री के मेल पर भी शिकायत भेजने के बाद भी नहीं बन रही सड़क।

गांव में विकास की भी कहानी गजब की है। पचायत में नदी किनारे मन्दिर है मन्दिर के पास ही लाखोरुपए की लागत से केंचुआ खाद ईकाई सरकारी धन से पंचायत में बना है जो एक शोपीस कि तरह सुशोभित हो रहा है। आजतक एक किलो खाद नहीं बना उस केंचुआ ईकाई से। यह ईकाईसरकारी सफेद हांथी बना खडा है।यह भी बता दें की मन्दिर के पास ही हर गाव शमशान घाट योजना के तहत ही घर के सामने ही श्मशान घाट बना दिया गया जबकि गांव कि लाशें बनारस मणिकर्णिका घाट पर जलती है या फिर मार्कण्डेय महादेव गंगा नदी किनारे पर न जाने किस लालच में सरकार ने गांव के मन्दिर के साथ बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में शमशिन? घाट बनाने की मंजूरी दिया और लाखों का धन आवंटित किया गया। लाखों रुपए बरवाद होगया और कभी कोई लाश वहां जली नहीं फिर क्यों शमशान? घाट लूट घाट बनाया गया।जन सुनवाई पोर्टल पर शिकायत के बाद भी जांच नहीं इस साल के बांढ में श्मशान घाट की चह दिवारी ही बह ग ई है।

बाबत पुर पंचायत में सरकार की योजना के तहत गांव में हरघर जल योजना में बाढ क्षेत्र में ही पानी की टंकी बन ग ई जिस जमीन पर बना है उसका कागज गलत सरकार को दिया की सरकारी बंजर भूमि है जब कि सौ साल से ज्यादा वहां बांस का बगीचा था जो लोगों के नाम का था पर वह भी फर्जी तरीके से बंजर होगया दो साल होगया पर अभी किसी घर में जल नहीं पहुंचा धन जरूर लग गया सरकारी। सरकार के आदेश के बाद पचायत में चकबन्दी शुरू हुए एक साल से ज्यादा होगया परन्तु चकबन्दी विभाग इतना तेज है कि अभी तक केवल गांव की भूमि का सर्वे कर पाया विकास की रफ्तार काम की तेजी इसी तरह रही तो दस साल लग जायेगा चकबन्दी पूरा होने मे पचायत जब भी न ई बनती है तो खण्डजा पर खण्डजा ही बिछता है। बाबत पुर पंचायत में पंचायत भवन के लिए भी सरकार नेन धन दिया पर वह भी भूमि विवाद में फस गया है ।करोड़ों रूपया पंचायत के लिए गया पर धन सरकारी सही तरह से नहीं लगा सर्किल इसकी जांच भी नहीं करती है नहीं यह पता करने की कोशिश करती कि धन का सही उपयोग हो रहा या बन्दर बांट होगया पानी टंकी केंचुआ ईकाई श्मशान घाट सब में भ्रष्टाचार हुआ है जांच होने पर ही सच्चाई सामने आयेगी।

यह यह भी बता दें की बार बार जिलाधीश वाराणसी को मेल करने पर भी चकबन्दी के काम में तेजी नहीं आ रही है गांव की हजार एकड़ जमीन बंजर पड़ी है कि चकबन्दी हो तो? लोग खेती करे उस जमीन पर कार्बनिक खेती करके किसान धन कमा सकते परन्तु सब रूक गया चकबन्दी में तेजी नहीं होने से से। इस पंचायत की सड़क पर जो गाजी पुर को जोड रही है रात दिन वाहन चलते है जिससे अपराधी भी इसी रास्ते से आसानी से बनारस गाजीपुर जौन पुर आते-जाते हैं। कारण पुल पर वाहनों की जांच नहीं होती है। सड़क भी सिंगल हैं तो दूर्घटना होता रहता है।इस पुल पर कोई भी सी सी टी वी कैमरा भी नहीं लगा है। सार्वजनिक निर्माण विभाग से पुल पर बैरियर लगाने की मांग पंचायत के लोड़ा का जब से पुल बना है हो रहा पर सरकार आजतक मांग पर विचार नहीं कर रही है।देखें सरकार पंचायत में जो धन लगाया उसकी जांच पड़ताल करती है या यूं ही सरकारी धन हर पंचायत में सरकार लूटाती रहेंगी।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने रचा इतिहास, भारत का पहला एफडीआरई प्रोजेक्ट कमीशनिंग फेज़ में पहुँचा

● भारत के एनर्जी ट्रांज़िशन में अहम् पड़ाव- बीईएसएस से जुड़ा प्रोजेक्ट राजस्थान और गुजरात में कमीशनिंग फेज़ पर पहुँचा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट।

ब्यूरो प्रयागराज। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बीकानेर में भारत का पहला मर्चेंट बीईएसएस स्थापित करने के बाद, अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने भारत सरकार की प्रमुख एफडीआरई गाइडलाइंस के तहत देश के पहले फर्म एंड डिस्पेचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) प्रोजेक्ट की कमीशनिंग शुरू कर दी है, जो भारतीय पॉवर सेक्टर के लिए, एक और ऐतिहासिक कदम है। यह इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट 259 मेगावॉट पी सोलर, 280 मेगावॉट विंड और 200 मेगावॉट आवर बीईएसएस को जोड़ता है, "जो राजस्थान और गुजरात में फैला हुआ है।" इसे इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि ग्रिड की जरूरत के अनुसार भरोसेमंद, स्थिर और समय पर स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराई जा सके।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ अंकुश मलिक ने कहा, 'यह भारत के पहले फर्म और डिस्पेचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट की शुरुआत है, जो हमारे उस विचार का अहम् पड़ाव है, जिसमें हम तय समय पर और भरोसेमंद स्वच्छ ऊर्जा देने पर काम कर रहे हैं। यह जूनिपर ग्रीन एनर्जी की मजबूत कार्य क्षमता, तकनीकी समझ और सस्टेनेबल एनर्जी के भविष्य को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। सोलर, विंड और बैटरी स्टोरेज को एक साथ जोड़कर हम न सिर्फ भारत की क्लीन एनर्जी क्षमता प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र में भरोसे और नवाचार के नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। एफडीआरई सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह हमारे विचार को सामने लाने का माध्यम है कि भारत भविष्य में अपनी ऊर्जा जरूरतों को आगे कैसे पूरा करेगा।'

एफडीआरई फ्रेमवर्क : जरूरत के हिसाब से बिजली देने की दिशा में एक बड़ा कदम

जैसे-जैसे भारत में रिन्यूएबल एनर्जी तेजी से बढ़ी, वैसे-वैसे ग्रिड को संतुलित रखना एक बड़ी चुनौती बन गया, क्योंकि सोलर रात में बिजली नहीं देता और विंड को हमेशा जरूरत के समय इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसी कमी को दूर करने के लिए जून 2023 में विद्युत् मंत्रालय ने एफडीआरई गाइडलाइंस जारी कीं, जिनमें डेवलपर्स को सोलर, विंड और बैटरी स्टोरेज को एक ही प्रोजेक्ट में जोड़ने को कहा गया, ताकि डिस्कॉम की माँग के अनुसार तय समय पर बिजली दी जा सके। पारंपरिक रिन्यूएबल एनर्जी के मुकाबले एफडीआरई तय और जरूरत के अनुसार उपलब्ध रहता है, जिससे यह पहली बार कोयला आधारित बिजली का एक स्वच्छ और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आया है।

प्रोजेक्ट के प्रमुख पड़ाव। 259 मेगावॉट पी सोलर क्षमता ने मार्च 2026 में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया, जबकि 200 मेगावॉट आवर बीईएसएस क्षमता ने अप्रैल 2026 में काम शुरू किया।

जब हरियाणा को सबसे ज्यादा जरूरत, तब मिलेगी स्वच्छ बिजली

उत्तर भारत में गर्मी बढ़ने के साथ हरियाणा में बिजली की माँग रिकॉर्ड स्तर तक पहुँचने की उम्मीद है। ऐसे में, तय समय से पहले एफडीआरई प्रोजेक्ट की कमीशनिंग शुरू कर जूनिपर ग्रीन एनर्जी इस जरूरत को सीधे पूरा कर रहा है, जो भरोसेमंद और स्वच्छ ऊर्जा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।।

प्रोजेक्ट के प्रमुख पड़ाव 259 मेगावॉट पी सोलर क्षमता ने मार्च 2026 में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया, जबकि 200 मेगावॉट आवर बीईएसएस क्षमता ने अप्रैल 2026 में काम शुरू किया। जब हरियाणा को सबसे ज्यादा जरूरत, तब मिलेगी स्वच्छ बिजली उत्तर भारत में गर्मी बढ़ने के साथ हरियाणा में बिजली की माँग रिकॉर्ड स्तर तक पहुँचने की उम्मीद है। ऐसे में, तय समय से पहले एफडीआरई प्रोजेक्ट की कमीशनिंग शुरू कर जूनिपर ग्रीन एनर्जी इस जरूरत को सीधे पूरा कर रहा है, जो भरोसेमंद और स्वच्छ ऊर्जा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसजेवीएन एफडीआरई टेंडर।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी का यह एफडीआरई प्रोजेक्ट एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा उसकी एसजेवीएन एफडीआरई योजना के तहत निकाले गए एक टेंडर के माध्यम से मिला, जिसमें प्रतिस्पर्धी रिवर्स ऑक्शन के जरिए देश की प्रमुख रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों ने हिस्सा लिया। जूनिपर ने एसजेवीएन के साथ 200 मेगावॉट का पॉवर परचेस एग्रीमेंट (पीपीए) साइन किया और इसके बाद एसजेवीएन ने हरियाणा पॉवर परचेस सेंटर (एचपीपीसी) के साथ बैक-टू-बैक पॉवर सेल एग्रीमेंट (पीएसए) किया, जिससे हरियाणा को तय और स्वच्छ रिन्यूएबल बिजली उपलब्ध हो सके। इस टेंडर में सफल बोली लगाने वाले सभी डेवलपर्स में जूनिपर ग्रीन एनर्जी पहला है, जिसने सबसे पहले कमीशनिंग शुरू की और बिजली सप्लाई देना भी शुरू किया।

एफडीआरई: भारत के ऊर्जा बदलाव का अगला कदम

भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एफडीआरई का असर कई स्तरों पर दिख रहा है। यह डिस्कॉम को उनकी जरूरत के हिसाब से स्वच्छ बिजली लेने में मदद करता है, साथ ही बैटरी स्टोरेज में बड़े निवेश को बढ़ावा देता है और देश में स्टोरेज सिस्टम को तेजी से आगे बढ़ाता है। वर्ष 2023 में विद्युत मंत्रालय द्वारा एफडीआरई गाइडलाइंस जारी होने के बाद, एसजेवीएन, एनएचपीसी, सेकी और एनटीपीसी जैसी एजेंसियों ने 14 गीगावॉट से ज्यादा क्षमता के 10 से अधिक टेंडर जारी किए हैं, जिनमें से करीब 10 गीगावॉट प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जो भारत के बड़े स्तर के रिन्यूएबल एनर्जी बाजार में तेजी से बढ़ते हिस्सों में से एक है। जूनिपर ग्रीन एनर्जी के लिए एफडीआरई उसकी लंबी अवधि की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी सोलर, विंड और एनर्जी स्टोरेज को साथ जोड़कर और शुरुआती चरण में ही प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए इस बदलाव को आगे बढ़ा रही है। जैसे-जैसे नए टेंडर सामने आ रहे हैं, जूनिपर बड़े स्तर के एफडीआरई प्रोजेक्ट्स को विकसित और शुरू करने की ओर अग्रसर है, जिससे भरोसेमंद और स्थिर बिजली देने के साथ इस क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए जा सकें।

संक्षिप्त खबरें

कोनरा में आज को होगा ध्वजारोहण, महायज्ञ की तैयारी पूरी

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही प्रखंड के कोनरा में स्थित परम आस्था का प्रतीक प्राचीन भगवती मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद आगामी 7 मई से प्रस्तावित श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ एवं हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन के तहत आज बुधवार को ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यज्ञशाला स्थल जगरनाथ शिव मंदिर कोनरा के प्रांगण में मुख्य यज्ञाचार्य जयनंदन मिश्रा जी महाराज के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वाह्न 9 बजे से होगा। ध्वजारोहण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। ज्ञात हो कि 7 मई से 9 दिवसीय महायज्ञ की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जिसकी पूर्णाहुति 15 मई को अटूट भंडारा के साथ की जाएगी। इस दौरान 14 मई को प्रतिमा नगर भ्रमण कार्यक्रम के अलावे कई धार्मिक कार्यकम भी आयोजित होगा।

सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव ने किया लहंगा का वितरण

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विजैया पंचायत के खुटवाटांड गांव में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से जरूरतमंद परिवार के बीच सहायता सामग्री का वितरण किया गया। इस क्रम में सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव ने खुटवाटांड़ गांव पहुंचकर नीतू कुमारी, पिता टेकलाल यादव को लहंगा प्रदान किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सांसद द्वारा लगातार क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच सहयोग पहुंचाने की पहल की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों से जरूरतमंद परिवारों को राहत मिलती है और जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है। कार्यक्रम के दौरान पंचायत के उप मुखिया सुखदेव यादव, शिवशंकर ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने के इस प्रयास की प्रशंसा की। सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव ने कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार के जनहितकारी कार्य आगे भी जारी रहेगा, ताकि समाज के कमजोर वर्गों को समय-समय पर सहयोग मिलता रहे।

नवरत्न अकादमी में डा.भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई

शिक्षा के महत्व पर दिया जोर

ललितपुर। नवरत्न फाउंडेशन द्वारा संचालित नवरत्न अकादमी में विश्व रत्न एवं संविधान निर्माता डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी राम प्रकाश भारती उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता दीपक नंदलाल गौतम (जिला संयोजक, अंबेडकर महासभा) ने की। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। वक्ताओं ने डा.अंबेडकर के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा को समाज के विकास का आधार बताया। मुख्य अतिथि राम प्रकाश भारती ने कहा कि बाबा साहब ने ज्ञान और शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपना पूरा जीवन समाज उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे व्यक्ति अपने अधिकारों को पहचान सकता है। अध्यक्षता कर रहे दीपक नंदलाल गौतम ने बाबा साहब को विश्व का महानतम व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनके पास 32 डिग्रियां थीं और वे अद्भुत ज्ञान के धनी थे। उन्होंने युवाओं से बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। नवरत्न फाउंडेशन की संचालक इंजीनियर संतोष कुमार अहिरवार ने कहा कि बाबा तेरा मिशन अधूरा, हम सब मिलकर करेंगे पूरा के संकल्प के साथ समाज को आगे बढ़ाना होगा। समाजसेवी राहुल गंगासागर ने कहा कि देश में ग्राम प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक की व्यवस्था संविधान की देन है। शिक्षक हरगोविंद अहिरवार ने कहा कि हर वर्ग के बच्चों तक शिक्षा पहुंचाना ही बाबा साहब का सपना था। वहीं शिक्षिका सूरज कुमारी ने कहा कि डा.अंबेडकर महिलाओं के सच्चे हितैषी थे, जिन्होंने उन्हें अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका दीपा कुशवाहा ने किया। अंत में नवरत्न फाउंडेशन की संचालक इंजी.संतोष कुमार अहिरवार ने सभी अतिथियों का सम्मान करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कारनामे एक तरफ अध्यापक नाम डाला बर्खास्तगी सूची में दूसरी तरफ दे रहे पेंशन, आखिर क्या छिपा रहे बीएसए

●बीएसए अनूप कुमार तिवारी का अजब गजब कारनामा बना चर्चा का विषय बीईओं कप्तानगंज प्रभात श्रीवास्तव की भी भूमिका प्रकरण में संदिग्धबर्खास्त सूची में शामिल शिक्षक को प्रतिमाह पेंशन मिलने पर शिक्षा विभाग पर खड़ा हो रहा बड़ा सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंभाजपा सरकार के लाख प्रयासों के बाद भी शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है । बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी की बस्ती जिले में लंबी तैनाती भ्रष्टाचार की जड़ बनती जा रही है । जब विभाग के जिम्मेदार अधिकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं भ्रष्टाचार में संलिप्त रहेंगे तो शिक्षा विभाग में फैला भ्रष्टाचार कैसे खत्म हो पायेगा चर्चा व जाँच का विषय बना हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद के एक ख्याति प्राप्त समाजसेवी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय सम्बन्धी जानकारी इकट्ठा करने हेतु आरटीआई के तहत आवेदन दिया तो बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त शिक्षकों की सूची उपलब्ध करायी । मामला तब ज्यादा संवेदनशील हो गया जब यह तथ्य प्रकाश में आया कि बर्खास्त सूची मै शामिल कुछेएक शिक्षक पेंशन भी प्राप्त कर रहे हैं जिसको लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी व

उनका कार्यालय कटघरे में आ गया कि आखिर बर्खास्त शिक्षकों को पेंशन कैसे मिल रही है । सूत्रों की माने तो बर्खास्त सूची में शामिल शिक्षको ने नौकरी में फर्जी प्रमाण पत्र का प्रयोग किया था जिसकी शिकायत एसटीएफ समेत अन्य उच्च अधिकारियों से की गई थी । सूत्रों से यह भी पता चला है कि एसटीएफ ने पहले ही आरोपी शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट शिक्षा विभाग को सौंपी थी परन्तु बेसिक शिक्षा अधिकारी व सम्बन्धित बीईओ तथा पटल बाबू संतोष गुप्ता ने आपस में सांठगांठ करके फर्जी शिक्षक को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दिला दिया ताकि शिक्षक को बर्खास्त ना करना पड़े और एफआईआर एवं रिकवरी से बचाव हो सके इसके बदले आरोपी शिक्षक से खूब धनादोहन भी किया गया । अब बड़ा सवाल है कि जब शिक्षक ने स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी तो बीएसए ने क्यों जिले में बर्खास्त शिक्षकों की सूची में उसका नाम डाला ? और मामले को दबाने हेतु आरोपी शिक्षक का नाम बर्खास्त शिक्षकों की सूची में दर्ज कर जन सूचना सार्वजनिक कर दिया गया है । एक ही शिक्षक का नाम बर्खास्तगी सूची व पेंशन सूची में होने से पूरा बीएसए कार्यालय व उसके रहनुमा बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी व पटल बाबू की भूमिका पर प्रश्नचिन्ह लाजिमी है जिसकी सतही जाँच व कार्यवाही जनहित में जरूरी है ।

कोरीडीह वन गांव में महिलाओं को परिवार नियोजन और पोषण के प्रति किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड :- मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड के कोरीडीह वन गांव में स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहिया साथी नीतू देवी ने की, जिसमें स्वास्थ्य सहियाओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल हुई। बैठक के दौरान नीतू देवी ने महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन से मां और बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा परिवार का समुचित विकास संभव होता है। इसके साथ ही महिलाओं को जंक फूड के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सही खान-पान से ही स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव रखी जा सकती है। बैठक में नवजात शिशुओं की उचित देखभाल पर भी चर्चा की गई। महिलाओं को साफ-सफाई, समय पर टीकाकरण और पोषण से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी गई, ताकि शिशुओं का समुचित विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने स्वास्थ्य संबंधी कई प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर दिया गया।

युवती को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

लाखों के जेवर व नकदी ले जाने की शिकायत

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को बहला-फुसलाकर भगाने और घर से जेवर व नकदी ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निकटवर्ती ग्राम निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी पुत्री की शादी 27 अप्रैल को जालौन में तय थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। 17 अप्रैल को वह अपनी पत्नी के साथ खरीदारी के लिए ललितपुर गया हुआ था, जबकि घर पर उसकी पुत्री अकेली थी। शाम को घर लौटने पर पुत्री घर पर नहीं मिली। काफी तलाश के बाद पता चला कि गांव के ही हुकुम नामक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पीड़ित के अनुसार युवती घर में रखे जेवर, करधनी, पायल, मंगलसूत्र समेत करीब डेढ़ लाख रुपये नकद भी अपने साथ ले गई। आरोप है कि जब पीड़ित पुलिस को सूचना देने जा रहा था, तभी आरोपी के पिता राजाराम ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी।

बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा पश्चिम चंपारण! कोल इंडिया लगाएगी 500 मेगावट क्षमता का सोलर पावर प्लांट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया/नरकटियागंज। जिले में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से रविवार को बेतिया में अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने की। इसमें दिल्ली से आई मंत्री कार्यालय की टीम, जिलाधिकारी तरनजोत सिंह सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और कोल इंडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान जिले के समग्र विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक का प्रमुख विषय जिले में 500 मेगावाट क्षमता वाले सोलर पावर प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव था। इस परियोजना से ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव होगा। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इसके लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर कोल इंडिया को सूचित किया जाएगा। प्रक्रिया को तेज करने के लिए अगले सप्ताह संयुक्त निरीक्षण का कार्यक्रम भी तय किया गया है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए गौनाहा के भितिहरवा में 50 बेड के आयुष अस्पताल की स्थापना पर सकारात्मक सहमति बनी। इससे ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की होगी। शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल करते हुए एक नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर चर्चा हुई। जिससे जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। इसके अलावा, मंत्री ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत अन्य विद्यालयों के बुनियादी ढांचे के विकास और अमृत सरोवरों के निर्माण व सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव रखा। मंत्री ने बताया कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से इन योजनाओं को जमीन पर उतारा जा सकता है। उन्होंने सभी प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने भी इन विकास योजनाओं के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया।

दो दिवसीय 15वीं झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं बोकारो जिला एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 19 अप्रैल तक बोकारो के चंदनक्यारी स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दो दिवसीय 15वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के नेतृत्व में 26 सदस्यीय टीम ने भाग लिया। पाकुड़ के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए, जिनमें 2 स्वर्ण, 5 रजत एवं 3 कांस्य पदक शामिल हैं। महिला वर्ग में प्रेम शिला हसदा ने हाई जंप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुनीता मरांडी ने इसी स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। रिले स्पर्धाओं में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। 4म100 मीटर रिले टीम, जिसमें अंकित राय, सोनाली टुडू, सरस्वती टुडू एवं एविन जूली मुर्मू शामिल थीं, ने रजत पदक जीता। मिक्स 4म100 मीटर रिले टीम (अंकित राय, सोनाली टुडू, नजमी शेख, थॉमसन हेंब्रम) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं मिक्स 4म400 मीटर रिले टीम (सुहागिन हसदा, मंटू ठाकुर, सोनाली टुडू, आनंद शेख) ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। 4म400 मीटर रिले टीम (सुहागिन हसदा, सोनाली टुडू, सरस्वती टुडू, एंजोली मुर्मू) ने रजत पदक हासिल किया।

अन्य स्पर्धाओं में अंकित राय ने जैवलिन थ्रो एवं हैमर थ्रो में रजत पदक जीता। पुरुष वर्ग में थॉमसन हेंब्रम ने हाई जंप में रजत पदक प्राप्त किया, जबकि राम मोहन साहनी ने लॉन्ग जंप में कांस्य पदक हासिल किया। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन पर राजमहल लोकसभा के सांसद विजय हसदा, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा, सचिव रणवीर सिंह, खेल पदाधिकारी राहुल कुमार तथा अन्य पदाधिकारियों ने भी खिलाड़ियों और प्रशिक्षक अक्षय बाबरी की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पहले ही प्रयास में माधव लच्छीरामका की शानदार सफलता, जेईई में 99.75 प्रतिशत अंक से किया क्षेत्र का नाम रोशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखंड:- मधुपुर के एस.आर. डालमिया रोड निवासी अमरेश लच्छीरामका के पुत्र माधव लच्छीरामका ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। माधव ने प्रतिष्ठित जेईई परीक्षा में अपने पहले ही प्रयास में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जेईई एंट्रेंस में 99.57 प्रतिशत तथा जेईई मेन्स में 99.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। माधव की इस सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण की

महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा 10वीं तक कार्मेल स्कूल, मधुपुर से तथा 12वीं की पढ़ाई मदर्स इंटरनेशनल स्कूल से पूरी की। इसके बाद कोटा में रहकर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उन्होंने कठिन परिश्रम किया और अपने पहले ही प्रयास में यह बड़ी सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे मधुपुर क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। दादा बजरंग लच्छीरामका, चाचा विजय आनंद लच्छीरामका सहित पूरे परिवार में उत्साह का वातावरण है। परिजन, मित्र और शुभचिंतक लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। माधव की सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि सही दिशा में की गई मेहनत और मजबूत इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से मधुपुर के शैक्षणिक माहौल को भी नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है।

महरौनी पुलिस ने 4 वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

ललितपुर। जनपद में वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना महरौनी पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने तिजू पुत्र भगोने (55 वर्ष) निवासी ग्राम सिलावन, लखनलाल पुत्र कन्छेदी कुशवाहा (32 वर्ष) निवासी ग्राम खिरिया लटकंजू, कैलाश पुत्र बाबूलाल (50 वर्ष) एवं सरमन पुत्र स्व.मौजू (60 वर्ष) निवासीगण ग्राम पठा विजयपुरा, थाना महरौनी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी थे, जिसके अनुपालन में उन्हें 20 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया।

सुलतानपुर में 110 स्कूली वाहनों का निरस्त होगा रजिस्ट्रेशन, RTO ने जारी किया नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर। बच्चों के सुरक्षित परिवहन के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ने 110 अनफिट स्कूली वाहनों के प्रबंधक को पंजीयन निरस्त कराने को नोटिस भेजा है। एक से 15 अप्रैल तक चले अभियान में 1423 में से 1120 स्कूली वाहनों का अभिलेख निगरानी पोर्टल पर अपलोड कराया गया है। 303 वाहनों ने अभी इस प्रक्रिया को पूरा नहीं किया। इस प्रक्रिया के पूरा करने के बाद वाहनों की स्थिति की आसानी से जानकारी अधिकारी आनलाइन ले सकेंगे। इस पहल से स्कूली बच्चों का आवागमन सुरक्षित होगा।

अब सड़कों पर नहीं दौड़ सकेंगे अनफिट वाहन

शहर के साथ कादीपुर, अखंडनगर, सूरापुर, कोइरीपुर, चांदा, लम्भुआ, कामतागंज, शिवगढ़, शंभूगंज, धम्मौर, हलियापुर, बल्दीराय, पाराबाजार, बल्दीराय, धनपतगंज, कूरेभार, कुड़वार, मोतिगरपुर, जयसिंहपुर, बिरसिंहपुर, सेमरी बाजार, मोतीगंज आदि बाजारों ने 3639 विद्यालय संचालित हैं। वाहनों की आनबोर्डिंग की प्रक्रिया होने के बाद सड़कों पर स्कूली वाहन फर्राटा नहीं भर सकेंगे। आनबोर्डिंग कराने में वाहनों के सभी अभिलेख पूरा होने के बाद ही पोर्टल पर वाहनों की आनबोर्डिंग होती है।

अपडेट हो रहा डिग्री और फार्मेसी कालेज का पोर्टल

एआरटीओ ने बताया कि डिग्री कॉलेज और फार्मसी कालेज के वाहनों को आनबोर्डिंग कराने के लिए पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। निगरानी पोर्टल अपडेट प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन स्कूलों के वाहनों की भी आनबोर्डिंग कराई जाएगी।

सिद्धार्थनगर में स्कूल बस की चपेट आकर छात्र की मौत

● प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी पर मासूम छात्र की मौत की जानकारी होने से पहुंचे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर । जिले के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के औरहवा गांव में मंगलवार सुबह एक स्कूल बस की चपेट में आने से 8 वर्षीय छात्र आदित्य कुमार की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। परिजनों ने स्कूल मैनेजमेंट और बस चालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

आदित्य कुमार, अनिल शर्मा का पुत्र था और बरसाती इंटर कॉलेज पथरदेईया में कक्षा 2 का छात्र था। वह अपनी बहनों के साथ स्कूल बस का इंतजार कर रहा था। बस आने पर उसकी बहनें बस में चढ़ गई, लेकिन आदित्य के चढ़ने से पहले ही चालक ने बस आगे बढ़ा दी। इससे आदित्य संतुलन खोकर नीचे गिर गया और बस की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

ग्रामीणों और परिजनों ने बच्चे को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर से परिवार में गहरा दुख छा गया

इस घटना का एक और दुखद पहलू यह है कि आदित्य की बड़ी बहन प्रिया भी उसी बरसाती यादव इंटर कॉलेज की छात्रा है और दोनों भाई-बहन हर रोज एक साथ उसी स्कूल बस से विद्यालय जाया करते थे। आज बहन की आँखों के सामने ही उसके छोटे भाई की जान चली गई।

परिवार के लिए यह हादसा और भी गहरा आघात इसलिए है क्योंकि आदित्य अपने परिवार में तीन बहनों के बीच इकलौता भाई था। परिवार का एकमात्र चिराग इस दुर्घटना में असमय बुझ गया। और पूरे गांव में शोक का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर चौकी इंचार्ज वीरेंद्र यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए सिद्धार्थनगर भेज दिया। मृतक छात्र के पिता अनिल शर्मा ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल बस में कोई परिचालक मौजूद नहीं था। बच्चों को बिना उचित सुरक्षा व्यवस्था के बस में बिठाया जाता है। अनिल शर्मा के अनुसार, इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें की गई थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उन पर ध्यान नहीं दिया। परिजनों का आरोप है कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण उनके बेटे की जान गई। प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद ने बताया कि बस और चालक अब्दुल रसीद, पुत्र मोहम्मद हनीफ, निवासी धनौली, थाना पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर को हिरासत में ले लिया गया है।

स्कूल प्रबंधन को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक कोई लिखित शिकायत तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक ने आश्वस्त किया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों ने हवा में दिखाया करतब, 22 और 23 अप्रैल को होगा मुख्य कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

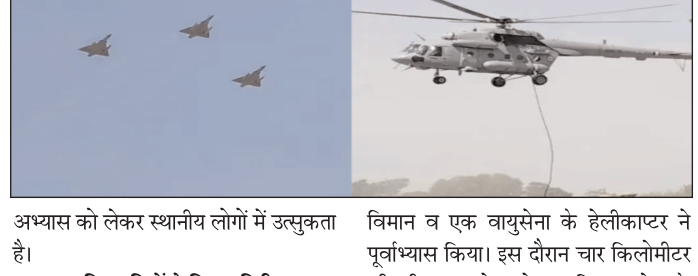

सुलतानपुर। करीब तीन साल बाद एक बार फिर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के अरवल कीरी करवत में 3.2 किलोमीटर के हवाई पट्टी पर वायुसेना के नौ लड़ाकू विमानों का बुधवार से दो दिवसीय अभ्यास होगा। इसे ध्यान में रखते हुए मंगलवार को सेना के विमानों ने पूर्वाभ्यास किया। अधिकारियों के कहना है कि होने वाले अभ्यास का मूल कारण हवाई पट्टी की गुणवत्ता को परखना है। नवागत जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह व एसपी चारु निगम तैयारियों का जायजा लिया। इस बार अभ्यास दिन और रात दोनों समय किया गया है, जिससे ऑपरेशन की क्षमता परखी जाएगी। मुख्य कार्यक्रम 22 व 23 अप्रैल को है। इसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। 16 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी एयर स्ट्रिप से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया था। उस ऐतिहासिक मौके पर भारतीय वायुसेना के सुखोई, जगुआर जैसे आधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपना करतब दिखाकर लोगों को रोमांचित कर दिया था। क्षेत्रवासियों को विमानों की गतिविधियां करीब से देखने का अवसर मिला था, जिसने लोगों में खासा उत्साह पैदा किया था। अब एक बार फिर होने जा रहे अभ्यास को लेकर स्थानीय लोगों में उत्सुकता है।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारु निगम, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह, एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात सिंह, सीओ जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी, सीओ ट्रैफिक सुनील कुमार सिंह सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार समेत कई थानाध्यक्ष ने मौके पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था व तैयारियों का निरीक्षण किया।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस व सेना के जवान रहे मुस्तैद

मंगलवार को करीब एक घंटे के लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। हवा में अपने करतब दिखाए। एक साथ चार लडाकू विमान हवा में उड़ते नजर आए। रिहर्सल के दौरान नौ लडाकू विमान व एक वायुसेना के हेलीकाप्टर ने पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान चार किलोमीटर की दूरी तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस व सेना के जवान तैनात रहे।

रस्सी के सहारे विमान से नीचे उतरे कमांडो

जवानों ने हवा में साहस और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। यह दृश्य उस समय देखने को मिला जब भारतीय वायुसेना के विशेष प्रशिक्षित कमांडो हेलीकाप्टर से रस्से के सहारे तेजी से नीचे उतरे। इसे देख लोग स्तब्ध रह गए। यह अभ्यास स्लिथरिंग ऑपरेशन' कहलाता है, जिसमें जवान हेलीकॉप्टर के हवा में मंडराते हुए ही मोटी रस्सी के सहारे जमीन पर उतरते हैं। इस दौरान न सिर्फ शारीरिक ताकत, बल्कि सटीक संतुलन और जबरदस्त आत्मविश्वास की जरूरत होती है।

मानदेय न मिलने से आक्रोशित ग्राम रोजगार सेवक

16 से 25 अप्रैल तक सामूहिक हड़ताल का ऐलान

ललितपुर। जनपद में मनरेगा कर्मियों एवं ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय न मिलने और समस्याओं के समाधान न होने से नाराज होकर सामूहिक हड़ताल का ऐलान कर दिया है। इस संबंध में मनरेगा कर्मी वेलफेयर एसोसिएशन इकाई मड़ावरा तथा ग्राम रोजगार सेवक संघ, विकास खंड तालबेहट द्वारा खंड विकास अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बताया गया कि एपीओ, तकनीकी सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, लेखा सहायक एवं ग्राम रोजगार सेवक पिछले कई महीनों से मानदेय न मिलने से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। साथ ही मानदेय बढ़ोतरी सहित अन्य मांगों पर भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार ज्ञापन देकर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद प्रांतीय स्तर पर हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि पूरे उत्तर प्रदेश में मनरेगा कर्मी 16 से 25 अप्रैल 2026 तक कलमबंद हड़ताल पर रहेंगे। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए और हड़ताल अवधि में कर्मचारियों पर किसी प्रकार का कार्य दबाव न बनाया जाए। ज्ञापन पर संगठन के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्राम रोजगार सेवकों के हस्ताक्षर भी दर्ज हैं, जिससे स्पष्ट है कि आंदोलन को व्यापक समर्थन प्राप्त है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पेंशनर्स का ललितपुर में विशाल धरना

आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण की उठी मांग

ललितपुर। केन्द्र एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सेवा निवृत्त एवं पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को चन्द्रशेखर राजकीय उद्यान में विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत्त वाणिज्य कर अधिकारी एवं एसोसिएशन अध्यक्ष जे.के. सिंह ने की। धरना सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जिसमें तहसील महरौनी एवं तालबेहट से बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि पेंशन बुजुर्गों के जीवन का महत्वपूर्ण सहारा है, लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तावित आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों की मांगों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम भीख नहीं, अपना हक चाहते हैं। इस दौरान लखन लाल झा, श्रेयांश जैन, राजेंद्र प्रसाद, दिनेश चंद, साबिर अली, रामसेवक सैनी, आनंद स्वरूप रजक सहित कई वक्ताओं ने पेंशन पुनरीक्षण, सुविधाओं में वृद्धि और अन्य लंबित मांगों को लेकर अपनी बात रखी। तालबेहट से आए चंचलजी ने कविता पाठ के माध्यम से पेंशनर्स की पीड़ा व्यक्त की। धरना स्थल पर ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार विश्वकर्मा को सौंपा गया।

संक्षिप्त खबरें

बिजली उपभोक्ताओं का आरोप, जबरन लगा दिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर, सौंपा ज्ञापन

कोंच(जालौन)- मोहल्ला नया पटेल नगर में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश सामने आया है। मंगलवार को स्थानीय निवासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बगैर अनुमति लगाए गए स्मार्ट मीटरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसडीएम ज्योति सिंह को दिए अपने ज्ञापन में मुहल्ले के बाशिंदों ने कहा कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने आशीर्वाद होटल के पीछे स्थित कई घरों में बगैर किसी पूर्व सूचना और बगैर सहमति के घरों पर लगे पुराने बिजली मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए हैं। इन विद्युत उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले उनका मासिक बिजली बिल लगभग 400 से 500 रुपये तक आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल अचानक बढ़कर 3000 रुपये से अधिक आ रहा है जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। शिकायत लेकर विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे तो उन्हें ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा गया, समुचित जानकारी के अभाव में उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। इन विद्युत उपभोक्ताओं ने जबरन लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुनः पुराने मीटर लगाए जाने की मांग की है ताकि बिजली बिल सामान्य स्तर पर आ सके। ज्ञापन सौंपने वालों में ललिता, सावित्री, चंदा, पार्वती, राहुल, मुकेश, विशाल, गोविंद सिंह, अर्जुन, लीला, मालती सहित कई लोग शामिल रहे।

बजरंगबली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा पर निकाली गई 51 कन्याओं की भव्य जल-यात्रा

करों, देवघर, झारखंडः- मंगलवार को करों प्रखण्ड के धार्मिक गांव करोंग्राम स्थित तपसी मोड़ के समीप बजरंगबली मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर 51 कन्याओं द्वारा भव्य एवं आकर्षक जल-यात्रा निकाली गई। जल-यात्रा गांव के विभिन्न टोलों का भ्रमण करते हुए ऐतिहासिक राजा पोखर घाट पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ पंडितों ने मंत्रोच्चार कर कलश में जल भरा। इस अवसर पर यजमान राकेश साव अपनी पत्नी के साथ विधि-विधानपूर्वक धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए और बजरंगबली के जयकारे लगाए। जल-यात्रा में शामिल कन्याओं ने अनुशासित ढंग से कतारबद्ध होकर मंदिर परिसर में कलश स्थापित किया। प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा पाठ एवं हनुमान व्रत कथा का भी शुभारंभ किया गया। जल-यात्रा में साव टोला, पुजारी टोला, नापित टोला, राय टोला सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर-नारी शामिल हुए। मौके पर शंकर साव, अरदेन्दु सिंह, श्री उपाध्याय सहित कई समाजसेवी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना स्वरोजगार हेतु 10 लाख तक के ऋण के लिए करे आवेदन

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि उ0 प्र0 सरकार द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना संचालित की जा रही है। जिसमे अधिकतम 10.00 लाख तक का ऋण स्थानीय बैंको के माध्यम से दिये जाने का प्राविधान है। योजनार्न्तगत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु खादी ग्रामोद्योग विभाग सोनभद्र को 10 इकाई का लक्ष्य प्राप्त है। इस योजना मे आरक्षित वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 5 एवं सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 10 धनराशि स्वयं वहन करना होगा। उक्त योजना के अन्तर्गत वितरित पूँजीगत ऋण पर सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमी द्वारा 4: ब्याज स्वयं वहन करना पडता है। शेष ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा, तथा आरक्षित वर्ग के उद्यमियो को वितरित ऋण पूँजीगत पर सम्पूर्ण ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। योजनार्न्तगत ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार इच्छुक नवयुवक/नवयुवतियों विभिन्न प्रकार की उद्योगो की स्थापना के लिये मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के वेबसाइड पर अपना ऋण आवेदन पत्र आनलाईन कर सकते है। आनलाईन करने के उपरान्त उसकी हार्ड कापी मिशन अस्पताल के पास पिपरी रोड जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सोनभद्र को उपलब्ध कराना होगा। यदि आनलाईन मे कोई समस्या आती है तो जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोनभद्र के सी0 यू0 जी0 न0 9580503175/9451083252 पर सम्पर्क कर सकते है।

डीबीए सोनभद्र ने किया कचहरी परिसर में बंद डाकघर खुलवाने की मांग, उपजिलाधिकारी को सौंपा मांग पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – मंगलवार 21 अप्रैल 2026 डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा उपजिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र को एक पत्र देकर मांग किया कि जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, सोनभद्र में स्थित उप-डाकघर काफी लम्बे समय से अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं न्यायालय के कर्मचारियों के लिए अत्यंत उपयोगी रहा है। उक्त डाकघर के माध्यम से प्रतिदिन सैकड़ों रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट, नोटिस, अदालती आदेश एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों का प्रेषण किया जाता था। साथ ही प्रवर डाक अधीक्षक, मिर्जापुर मंडल, मिर्जापुर को भी प्रतिलिपि दिया गया! जिसके क्रम में अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि वर्तमान में यह डाकघर बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया है, जिसके कारण अधिवक्तागणों, वादकारियों तथा न्यायिक अधिकारियों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अत्यावश्यक न्यायिक दस्तावेजों को भेजने के लिए अब 3-4 किमी दूर स्थित मुख्य डाकघर जाना पड़ता है, जिससे समय व धन दोनों की हानि हो रही है और न्यायिक कार्य भी प्रभावित हो रहा है।

वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदु यादव एडवोकेट ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के समस्त सदस्यगण की ओर से आपसे अनुरोध है कि जनहित एवं न्यायिक कार्यहित में कचहरी परिसर स्थित उक्त डाकघर को तत्काल प्रभाव से स्थाई रूप से खुलवाने हेतु संबंधित डाक विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया जावे!

इस अवसर पर पवन कुमार सिंह, राजेश कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव,रामप्रसाद यादव, चतुर्भुज शर्मा, टीटू प्रसाद गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, चंदन जायसवाल, पवन कुमार द्विवेदी, अनुराग पांडेय, अभिषेक सिंह मौर्य, कामता प्रसाद यादव, आदर्श देव पांडेय, रविंद्र पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

आवास निर्माण को लेकर बीडीओ ने की समीक्षात्मक बैठक

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में बीडीओ देवराज गुप्ता की अध्यक्षता में आवास योजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित आवास निर्माण कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। बीडीओ ने निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के वे लाभुक, जिन्होंने द्वितीय किस्त प्राप्त करने के बाद भी आवास निर्माण पूरा नहीं किया है, वे जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करें। इसके साथ ही अबुआ आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के अपूर्ण आवासों को भी समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी लाभुकों के नियमित संपर्क में रहें, ताकि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके और समय पर आवास पूर्ण हो सके। प्रशासन इस दिशा में पूरी तरह सक्रिय है, जिससे पात्र लाभुकों को पक्के मकान का लाभ मिल सके। बैठक में पीएम आवास योजना के प्रखंड समन्वयक शैलेश सिंह सहित सभी पंचायत सचिव एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

बेटी की शादी के कार्ड बांटने निकले पिता को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बेटी की आगामी 7 मई को होने वाली शादी के कार्ड बांटने जा रहे बाइक सवार पिता को अनियंत्रित तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बुरी तरह कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली कोंच क्षेत्र के ग्राम पचीपुरा कलां निवासी अशोक कुमार (45) पुत्र श्यामलाल की बड़ी बेटी संध्या की शादी आगामी 7 मई को होनी है। सोमवार की शाम करीब 5 बजे अशोक बेटी की शादी के कार्ड रिश्तेदारी के ग्राम काटा कमटा में बांटने अपने घर से बाइक पर सवार होकर निकला था। देर शाम करीब सवा 7 बजे वह कोंच में एट रोड पर स्थित रामस्वरूप रावत इंटर कॉलेज और ग्राम अंडा के बीच पहुंचा तभी अनियंत्रित तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही बरतते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे अशोक बाइक से उछलकर दूर सड़क पर जा गिरा। टक्कर इतनी भीषण थी कि अशोक सिर पर जो हेलमेट लगाए हुए था वह चकनाचूर हो गया। सिर फट जाने से अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। अशोक के पास मौजूद शादी के कार्ड में अंकित मोबाइल नंबर पाकर पीआरबी पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा अशोक को सीएचसी कोंच लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएचसी पहुंचे कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह ने आवश्यक जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक लघु सीमांत किसान था और उसके दो बेटी व एक बेटा है। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और शादी की तैयारियां मातम में बदल गई हैं। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक कर अज्ञात वाहन की तलाश में लगी है।

जमीन के विवाद में दो सगे भाइयों की हुई हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- जमीन के बंटवारे को लेकर हुए पारिवारिक विवाद ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया जिसमें दो सगे भाइयों की जान चली गई। भाई ने अपने सगे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद पिता और मृतक के बच्चों ने आरोपी भाई को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। रामपुरा थाना क्षेत्र के मिर्जापुर जागीर गांव में हुए इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक, रामपुरा थाना क्षेत्र के मिर्जापुर जागीर निवासी जयनारायण चतुर्वेदी के परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। सोमवार की देर शाम खेत पर इसी बात को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच कहासुनी शुरू हो गई जो धीरे-धीरे हिंसक झगड़े में बदल गई। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान मझले भाई अल्लू उर्फ जितेंद्र ने गुस्से में आकर अपने बड़े भाई कैलाश पर तमंचे से गोली चला दी। गोली लगने से कैलाश गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। बड़े भाई की हत्या से परिवार में कोहराम मच गया। इस दौरान पिता जयनारायण चतुर्वेदी और मृतक के परिजनों ने आरोपी अल्लू उर्फ जितेंद्र पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अल्लू की भी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद खेत में दोनों भाइयों के शव लहूलुहान हालत में पड़े मिले जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह सहित रामपुरा थाना पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच पड़ताल की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रामपुरा थाना क्षेत्र के अन्देला मड़ैया में पारिवारिक विवाद के चलते अल्लू उर्फ जितेंद्र ने अपने सगे भाई कैलाश को तमंचे से गोली मारी है जिससे कैलाश की मौत हो गई। इसके बाद पिता जयनारायण चतुर्वेदी और मृतक के बच्चों ने आरोपी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया जिससे आरोपी की भी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल स्थिति सामान्य है लेकिन मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

अलीगढ़ के प्रसिद्ध उद्योगपति रमेश चंद्र सिंघल का निधन, देश-विदेश में बनाई पहचान; बेटा है महापौर

अलीगढ़। प्रसिद्ध उद्योगपति रमेश चंद्र सिंघल हमारे बीच नहीं रहे, आज मंगलवार को उनका सराय लवरिया स्थित आवास पर निधन हो गया। वह कई सालों से अस्वस्थ चल रहे थे। 27 जून 1956 को जन्मे रमेश चंद्र का जीवन संघर्षों से घिर गया था। सिंघल के जन्म लेने के छह दिन पहले ही पिता रघुनाथ प्रसाद का निधन हो गया था। इनकी परवरिश ताऊ मलूक चंद्र ने की थी।

घर में ही ढलाई का काम शुरू किया था

सबसे पहले 1979 में घर में ही ढलाई का काम शुरू किया। पहले हार्डवेयर का माल शहर के एक्सपोर्टर को दिया। बड़े बेटे प्रशांत सिंघल के नाम पर प्रशांत इंटरप्राइजेज लिमिटेड कंपनी शुरू की। जो आज देश-विदेश में एक पहचान बनाए हुए है। कारोबार को उनके पुत्र महापौर प्रशांत सिंघल और निशांत सिंघल आगे बढ़ा रहे।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

●मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इसी क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं हृझक्कसाझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 112 - आपातकालीन सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

बाल विवाह निषेध विषय पर संपन्न हुई संगोष्ठी

●राज्य महिला आयोग की सदस्य रहीं मुख्य अतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्थानीय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मंगलवार को सामाजिक संस्था अनुरागिनी द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से 'बाल विवाह निषेध' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को बाल विवाह जैसी कुप्रथा के प्रति जागरूक करना, उनके अधिकारों की जानकारी देना तथा उन्हें सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रेरित करना रहा।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता उपस्थित रहीं। उन्होंने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि यह बालिकाओं के भविष्य, शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार के दबाव में आकर विवाह न करने की सलाह दी। एसडीएम ज्योति सिंह ने कहा कि प्रशासन बाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलती है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे ऐसी किसी भी घटना की जानकारी प्रशासन को अवश्य दें। इस दौरान उपस्थित छात्राओं ने जागरूकता संदेशों के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प लिया। इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी की शुरुआत की, तदोपरांत विद्यालय स्टॉफ ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। संगोष्ठी में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, सीडब्ल्यूसी सदस्य गरिमा पाठक, उपेंद्र सिंह राजावत, उमा सैनी, संस्था प्रमुख प्रवीण जादौन, विद्यालय प्रभारी वंदना वर्मा, ओमप्रकाश कुशवाहा, अमित उपाध्याय सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में कांस्टेबल गंभीर घायल

सड़क पर आवारा सुअर को बचाने में हुई दुर्घटना

कोंच(जालौन)- सड़कों पर आवारा जानवरों के विचरण से आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं लेकिन नगर पालिका से लेकर स्थानीय प्रशासन चैन की नींद सो रहा है। ऐसी ही एक घटना में कोंच कोतवाली में तैनात कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार कोंच कोतवाली में तैनात कांस्टेबल अनिल कुमार (32) मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे विभागीय कार्य से बाइक पर सवार होकर जिला मुख्यालय उरई जा रहा था। उसकी बाइक जैसे ही मुंसिफ कोर्ट के ठीक आगे मलंगा पुल के समीप पहुंची, तभी सड़क पर आवारा विचरण करता हुआ एक सुअर आ गया। सुअर को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर गिर पड़ी जिससे कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कांस्टेबल को एंबुलेंस द्वारा सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर कांस्टेबल को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली स्टॉफ भी सीएचसी पहुंच गया था।

एनटीपीसी परियोजना में सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त, डग्गामार वाहनों में भूसे की तरह ढोए जा रहे श्रमिक

● करोड़ो का मुनाफा पर मजदूरों की दुर्दशा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर / सोनभद्र – स्थानीय एनटीपीसी परियोजना में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा के साथ खुलेआम खिलवाड़ का मामला लगातार सामने आ रहा है। एक ओर जहां एनटीपीसी प्रबंधन और उससे जुड़ी दर्जनों कंपनियां मजदूरों के दम पर करोड़ों का मुनाफा कमा रही हैं, वहीं दूसरी ओर इन्हीं मजदूरों की जान को रोज दांव पर लगाकर उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में काम करने को मजबूर किया जा रहा है। परियोजना में कार्यरत मजदूरों की दुर्दशा का आलम यह है कि उन्हें प्रतिदिन मैजिक, पिकअप और अन्य डग्गामार वाहनों में भूसे की तरह ठूंस-ठूंसकर कार्यस्थल तक पहुंचाया जाता है। इन वाहनों में न तो सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम हैं और न ही अधिकांश के पास वैध कागजात। बावजूद इसके, ये वाहन बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं जिम्मेदारों की मिलीभगत या लापरवाही इस पूरे खेल को संरक्षण दे रही है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतनी बड़ी और प्रतिष्ठित परियोजना होने के बावजूद मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एनटीपीसी प्रबंधन की संवेदनहीनता साफ नजर आ रही है। सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाला प्रबंधन इन जमीनी हकीकतों से या तो अनजान बना हुआ है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है। सवाल उठता है कि आखिर इन अवैध और असुरक्षित वाहनों के संचालन पर रोक क्यों नहीं लगाई जा रही? यदि इसी तरह लापरवाही का सिलसिला जारी रहा, तो किसी दिन बड़ा हादसा होना तय है। और जब ऐसा होगा, तो इसकी कीमत उन गरीब मजदूरों और उनके परिवारों को अपनी जिंदगी से चुकानी पड़ेगी, जो केवल दो वक्त की रोटी के लिए हर दिन मौत के साये में सफर करने को मजबूर हैं। ऐसे मामलों में पूर्व में भी यह देखा गया है कि हादसे के बाद जिम्मेदार संस्थाएं अपना पल्ला झाड़ लेती हैं और पीड़ित परिवारों को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इन मजदूरों की कोई गलती नहीं है। वे मजबूरी में अपने परिवार का पेट पालने के लिए हर जोखिम उठाने को तैयार हैं। लेकिन एनटीपीसी जैसे बड़े सार्वजनिक उपक्रम से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने अधीन कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या एनटीपीसी प्रबंधन इस गंभीर मुद्दे को लेकर जागेगा, या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा? क्या जिम्मेदार अधिकारी बंद कमरों से बाहर निकलकर इन मजदूरों की जमीनी हकीकत को समझेंगे? फिलहाल, मजदूरों की जिंदगी भगवान भरोसे चल रही है और जिम्मेदार मौन साधे बैठे हैं।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक गंभीर घायल

आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज

ललितपुर। मड़ावरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे का मामला सामने आया है, जिसमें तेज रफ्तार व लापरवाही से चल रही बाइक की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पिपरट निवासी राजेश ने शिकायत दर्ज कराई कि 3 मार्च 2026 को दोपहर करीब 2 बजे उसका भाई मानी अपने साथी रामसहाय के साथ मोटरसाइकिल से मड़ावरा घरेलू सामान लेने जा रहा था। जब वह बमहौरीकला बस स्टैंड के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक भूपेंद्र पुत्र नारायण लखन ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मानी गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके पैर, हाथ की उंगलियों और पसलियों में फ्रैक्चर हो गया, जबकि साथी रामसहाय को भी चोटें आई।

भरे बाजार महिला का पर्स साफ करने की घटना में एफआईआर दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मुख्य बाजार में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई थी, जब दुकान पर चप्पल खरीद रही एक महिला के पर्स से जेवर और नगदी पार कर ली गई थी। महिला ने चप्पल खरीद कर रुपए देने के लिए पर्स खोला तो उसे पर्स में सब कुछ गायब मिला था। महिला द्वारा शोर-शराबा करने पर मौके पर भीड़ जमा हो गई थी और उसकी समय बगल में एक अन्य दुकान पर खरीददारी कर रहे तीन युवकों को पकड़ लिया गया था और उनकी धुनाई कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया था। उक्त घटना को लेकर महिला के पति हरनाम पुत्र संतराम निवासी ग्राम बुढ़ेरा थाना नदीगांव द्वारा दी गई तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को तीन अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बुढेरा निवासी महिला अपने पति के साथ कस्बे के रामगंज बाजार में खरीदारी करने आई थी। उसने जूता-चप्पल की दुकान पर चप्पल पसंद कर भुगतान करने के लिए जैसे ही पर्स खोला, उसमें रखा सोने का पेंडल, चांदी की पायलें और नगदी गायब देखकर उसके होश उड़ गए। महिला चीखती हुई दुकान से बाहर निकली और आसपास मौजूद लोगों की मदद से बगल की दुकान से जूता-चप्पल खरीद रहे तीन युवकों को पकड़ लिया। भीड़ ने युवकों की जमकर धुनाई कर दी। इस दौरान एक युवक की तलाशी लेने पर उसके कपड़ों के अंदर से कुछ जेवर और नगदी बरामद हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया था। बाजार में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से व्यापारियों और ग्राहकों में दहशत का माहौल बन गया था।

होमगार्ड्स भर्ती की लिखित परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में उच्च स्तरीय गोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –जनपद सोनभद्र में आयोजित होने वाली होमगार्ड्स भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार दिनांक 21 अप्रैल, 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण एवं उच्च स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई। उक्त गोष्ठी पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा, अपर जिलाधिकारी सोनभद्र तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अनिल कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें परीक्षा से संबंधित समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी में समस्त उप जिलाधिकारी (स्ष्ठरू), क्षेत्राधिकारी पुलिस (ष्टह्र), स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक, केन्द्र प्रभारी पुलिस, जनपदीय कंट्रोल रूम प्रभारी तथा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान परीक्षा की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा सभी अधिकारियों को स्पष्ट एवं सख्त दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास की सुव्यवस्थित व्यवस्था, चेकिंग एवं फ्रिस्किंग की प्रभावी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केन्द्रों पर विशेष सतर्कता तथा यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त गोपनीय सामग्री के सुरक्षित परिवहन, भंडारण एवं वितरण की प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक सामग्री की सुरक्षित आवाजाही, डबल लॉक व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जनपदीय कंट्रोल रूम को 24म7 सक्रिय रखते हुए परीक्षा अवधि के दौरान प्रत्येक गतिविधि की सतत मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से त्वरित रूप से निपटने हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय बनाए रखते हुए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। गोष्ठी में उपस्थित सभी अधिकारियों ने समन्वित प्रयासों के माध्यम से परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने का संकल्प लिया। जनपद पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों एवं आमजन से अपील की गई है कि परीक्षा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें एवं प्रशासन का सहयोग करें, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

संक्षिप्त खबरें

कानपुर में नेशनल हाईवे 34 पर ओवर स्पीड वाहनों के चालान के लिए हर 28 किमी पर 3 इंटरसेप्टर

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है। इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है । आज दिनांक 21.04.2026 को राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 47 ट्रक, 9 बस, 124 चार पहिया / दो पहिया 180 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 01 ट्रक, 05 बस, 49 चार पहिया / दो पहिया 55 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । गंगा बैराज पर 70 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें- रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट / सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें । सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें । ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें । यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें । शराब पीकर वाहन न चलायें।

मिर्जापुर गांव में ट्रांसफार्मर में लगी आग, समय रहते बुझाई गई

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मिर्जापुर गांव में सोमवार को एक ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि अत्यधिक गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर ओवरहीट हो गया, जिससे यह घटना हुई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लोगों ने तुरंत कल्याणपुर विद्युत उपकेंद्र को सूचित किया। सूचना मिलते ही विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्युत कर्मचारियों की टीम को मौके पर भेजा। कर्मचारियों ने पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए ट्रांसफार्मर में लगी आग को काबू में कर लिया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया और आसपास के क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। विभाग की ओर से ट्रांसफार्मर को जल्द दोबारा चालू करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सामान्य हो सके। स्थानीय लोगों ने विद्युत कर्मचारियों की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है और इसे सराहनीय पहल बताया है।

बिजली विभाग पर गलत बिल व उत्पीड़न का आरोप

जिलाधिकारी से की शिकायत

ललितपुर। शहर के मोहल्ला नई बस्ती निवासी अनुराम सिंह ने बिजली विभाग पर गलत बिल भेजने एवं उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। पीड़ित ने मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अनुराग सिंह पुत्र हरदयाल सिंह लोधी ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि उन्होंने पूर्व में जनपदवासियों के साथ मिलकर बिजली विभाग के खिलाफ गलत बिलिंग और स्मार्ट मीटर संबंधी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया था। साथ ही सोशल मीडिया व समाचार माध्यमों के जरिए भी मुद्दा उठाया था। इसके बाद से विभागीय कर्मचारी उनसे रंजिश रखने लगे और धमकी देने लगे। पीड़ित के अनुसार 19 अप्रैल 2026 की रात लगभग 9.58 बजे उनके मोबाइल पर संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें उनके विद्युत कनेक्शन संख्या 8890411327 पर 81,435.38 रुपये का बकाया दर्शाते हुए जल्द भुगतान न करने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई। जबकि वह नियमित रूप से हर माह बिजली बिल जमा करते रहे हैं। अनुराग सिंह ने बताया कि 20 अप्रैल को वह जिला पंचायत स्थित विद्युत कार्यालय पहुंचे, जहां जानकारी करने पर पता चला कि बिल में गलत धनराशि दर्ज की गई है। आरोप है कि वहां मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें यह कहकर टाल दिया कि विभाग के खिलाफ आवाज उठाने का परिणाम अब उन्हें भुगतना पड़ेगा और एसडीओ कार्यालय में जाने को कहा। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मांग की है कि उनके बिजली बिल को तत्काल संशोधित कर गलत धनराशि निरस्त कराई जाए तथा संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

कोविड में मां-बाप का साया छिना, हौसला नहीं टूटा, गरिमा ने हाईस्कूल में हासिल किए 92 प्रतिशत अंक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विपरीत परिस्थितियां कई बार बच्चों के सपनों को थामने की कोशिश करती हैं, लेकिन बिठूर के रमेल नगर की गरिमा सिंह ने साबित कर दिया कि हौसला मजबूत हो तो मुश्किलें भी राह नहीं रोक पातीं। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से आच्छादित गरिमा सिंह ने हाईस्कूल परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक प्रेरक उदाहरण पेश किया है। स्कॉलर मिशन स्कूल की छात्रा गरिमा ने यह सफलता ऐसे समय में हासिल की है, जब वह बहुत कम उम्र में माता-पिता दोनों का साया खो चुकी हैं। गरिमा के पिता अरविंद सिंह का निधन कोविड के दौरान हो गया था, जबकि उनकी माता संगीता सिंह का देहांत इससे पहले

ब्लड कैंसर के कारण हो चुका था। जीवन की इतनी बड़ी त्रासदी के बाद भी गरिमा ने पढ़ाई नहीं छोड़ी। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और पीएम केयर्स से मिली सहायता ने उसे सहारा दिया और इसी सहयोग के साथ उसने अपनी पढ़ाई लगातार जारी रखी।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत पात्र बच्चों को चार हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। यह राशि वर्ष में दो किस्तों में दी जाती है, जिसके तहत प्रत्येक छह माह पर 24 हजार रुपये एकमुश्त प्रदान किए जाते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा और दैनिक आवश्यकताओं में सहयोग मिलता है। वहीं पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की राशि देने का प्रावधान है। हाईस्कूल में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के बाद गरिमा सिंह ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की। जिलाधिकारी ने उसे इस उपलब्धि पर बधाई दी और उत्साहवर्धन के लिए उपहार भी दिए। इस दौरान उसकी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुम्बई क्राइम ब्रांच ने हत्यारोपी को किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना अंतर्गत मोती राम का पुरवा महियामऊ निवासी आकाश गुप्ता पुत्र अशोक गुप्ता को जेठवारा पुलिस के सहयोग से क्राइम डिटेक्शन ब्रांच-2 वसई,मीरा-भयंदर-विरार पुलिस कमिश्नरेट ने हत्या के आरोप में उसके घर से गिरफ्तार कर महाराष्ट्र लेकर चली गई। आरोप है कि 19 अप्रैल को वादी निवासी काशी अपार्टमेंट नालासोपारा पूर्व,जिल्हा पालघर महाराष्ट्र ने तुलींज पोलिस ठाणे मे अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा संख्या 296/26 धारा 103(1) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कराया।पुलिस की जांच पड़ताल में तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तथ्य प्रकाश मे आया कि मृतक की हत्या अभियुक्त आकाश गुप्ता पुत्र अशोक गुप्ता ने धारदार हथियार से सिर,गर्दन व हाथों पर घातक प्रहार कर की गई है।महाराष्ट्र पुलिस द्वारा जनपद प्रतापगढ़ पुलिस को वारदात से अवगत कराया गया। जेठवारा पुलिस के सहयोग से अभियुक्त आकाश को मुंबई पुलिस ले गई।

यमुना ब्रिज पर कार की टक्कर के बाद युवक ने नदी में लगाई छलांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र घाटमपुर के बार्डर पर स्थित यमुना ब्रिज के ऊपर कार की टक्कर के बाद हुए विवाद के बीच छतरपुर के युवक ने यमुना ब्रिज से नंदी में छलांग लगा कर जान दे दी, पुलिस पूर्व की नाराज़गी और झगड़े दोनों एंगल से जांच कर रही है, यमुना ब्रिज पर बीतीं देर रात हुए सड़क हादसे के बाद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई कार की टक्कर के बाद युवक द्वारा नंदी में छलांग लगाने की बात सामने आई है जब कि राहगीरों ने दोनों गाड़ियों के सवारो के बीच झगड़े की बात कही है,, म्रतक की पहचान आदित्य जैन निवासी गायत्री कालौनी थाना नौगांव जिला छतरपुर मध्यप्रदेश के रूप में हुई है वह अविवाहित था,, और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, बताया गया कि वह रजिस्ट्री कार्यालय में लेखक के रूप में काम करता था,, जानकारी के अनुसार आदित्य जैन कार से कानपुर की ओर जा रहा था,इस दौरान यमुना ब्रिज पर उसकी कार को दूसरी गाड़ी से टक्कर

हो गई,, हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जिसके बाद युवक ने अचानक पुल से यमुना नदी में छलांग लगा दी,,, सूचना मिलते ही कानपुर कमिश्नरेट पुलिस थाना सजेती और हमीरपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल हमीरपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे म्रत घोषित कर दिया,, हमीरपुर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि परिजनों और छतरपुर पुलिस अधीक्षक को सूचना दे दी गई है,, युवक किसी बात से नाराज़ हो कर घर से निकला था और कानपुर की ओर जा रहा था।

जनपद में डूबने की घटनाओं पर रोक के लिए एडवाइजरी जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद में डूबने से होने वाली घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। अपर जिलाधिकारी आदित्य प्रजापति ने बताया कि जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर यह पहल की गई है, जिसका उद्देश्य जनहानि को न्यूनतम करना है। प्रशासन के अनुसार जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में नदी, नहर, तालाब, कुआं और अन्य जलाशयों में स्नान, पशुओं को नहलाने तथा दैनिक कार्यों के दौरान अक्सर दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इन घटनाओं में बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति अधिक प्रभावित होते हैं। एडवाइजरी में डूबने के प्रमुख कारणों में लापरवाही, खतरे की अनदेखी, तैराकी का अभाव और बच्चों की उचित निगरानी न होना शामिल है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज धार या उफनायी हुयी नदी, नहर, नाले, तालाब आदि में स्वयं एवं अपने स्वजनों को जाने से रोके। बच्चो को पुल, पुलिया,ऊंचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोके। नदी या जल निकाय के किनारों पर जाना और स्नान करना यदि अति आवश्यक हो तो पानी में उतरते समय गहराई का ध्यान रखें। भली प्रकार तैरना जानते हो तभी पानी में उतरे व स्नान करें अन्यथा प्रशासन द्वारा बताये गये स्नान करने के चिन्हित घाटों पर ही स्नान करें। एक साथ परिवार के कई लोग नदी या अन्य घाटो पर स्नान न करें। बच्चो को यदि स्नान करना हो तो बड़ो की कुशल देखरेख में ही स्नान करने दें। प्रशासन ने यह भी चेताया है कि जलाशयों के किनारे सेल्फी लेना या स्टंट करना जानलेवा साबित हो सकता है।

किसी को डूबता देखकर मदद के लिये शोर मचायें जिससे आस-पास के सक्षम लोग मदद कर सके। यदि प्रभावित व्यक्ति का पेट फूला हुआ है तो पूरी सम्भावना है कि उसने पानी पी लिया होगा। अतः पेट से पानी निकालने के लिये अगर कोई स्वयं सेवक प्रशिक्षित है तो उसकी मदद लें अन्यथा नजदीकी चिकित्सक को बुलाये या सुविधानुसार चिकित्सालय ले जाये। आपात स्थिति में 102 एवं 108 एंबुलेंस को फोन कर बुला लें।

जल जीवन मिशन के पेयजल से पड़ रहा स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

मेडिकल टीम ने किया जागरूक

सुल्तानपुर- जनपद के दूबेपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत हरखी दौलतपुर और गढ़उपुर में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत स्वच्छ पेयजल योजनाओं का कितना सकारात्मक प्रभाव और सरकार द्वारा चलायी जा रही हर घर जल योजना के क्रियान्वयन के विभिन्न बिंदुओं पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ की टीम डॉ सौरभ कश्यप (एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसीन इन पब्लिक हेल्थ) के द्वारा गांव में भ्रमण कर स्थितियों को देखा गया कि अब स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य पर कितना बेहतर प्रभाव पड़ रहा है, एवं स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और अन्य सार्वजानिक स्थानों पर पेयजल सुविधा तथा ग्रामीणों में जल संचयन, स्वच्छता, पेयजल संरचनाओं के प्रति देखरेख, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति से ग्रामीणों के अच्छे स्वास्थ्य पर जागरूकता देख प्रभावित हुए और प्रसन्नता व्यक्त किए।

अनिरुद्ध ने जेईई मेन्स में 97 प्रतिशत लाकर बढ़ाया मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के ग्राम पूरेबंशीधर, रेड़ी गारापुर निवासी अनिरुद्ध मिश्र ने जेईई मेन्स परीक्षा में 97 प्रतिशत हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से गांव सहित आसपास के इलाकों में खुशी और गर्व का माहौल है। जैसे ही परिणाम की जानकारी लोगों तक पहुंची, बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया।अनिरुद्ध संजय मिश्र 'महावीर' के पुत्र है। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। परिजनों के अनुसार वह शुरू से ही मेधावी और परिश्रमी छात्र रहा है और लगातार अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखता है। इस सफलता पर भूतपूर्व आईएएस रामविशाल मिश्र, भूतपूर्व सीडीओ राजितराम मिश्र, भूतपूर्व जिला जज कृष्णकांत पाण्डेय, महादेव नगर इंटर कॉलेज के प्राचार्य, योगेंद्र बहादुर चौरसिया, डॉ. रामबोध

पाण्डेय, भूतपूर्व ग्राम प्रधान राजीव कुमार सिंह, स्टेशन मास्टर कृष्णानंद पाण्डेय, एआरपी सुनील पाण्डेय, पीडब्ल्यूडी के अविनाश पांडे, विनय कुमार तिवारी, जितेंद्र वर्मा, अम्बिकेश मणि त्रिपाठी, अशोक मिश्र, शिव बाबू पाण्डेय, तीर्थ राज पाल एवं अनिल वर्मा सहित अनेक लोगों ने अनिरुद्ध को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों का कहना है कि अनिरुद्ध की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बनेगी और यह संदेश देगी कि लगन, मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अंबेडकरनगर में हेल्थ सर्टिफिकेट देने पर बुजुर्ग डॉक्टरों को मिलेगा हॉस्पिटल का लाइसेंस, पहले से सख्त हुए नियम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों में यदि सर्जन, फिजीशियन व एनेस्थेटिस्ट की उम्र 68 वर्ष या इससे अधिक है तो उन्हें अब स्वास्थ्य प्रमाण पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में देना होगा। इसके आधार पर ही अब संबंधित निजी हॉस्पिटल को लाइसेंस जारी होंगे और पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण भी किया जाएगा। नए लाइसेंस पर भी यही व्यवस्था लागू की जाएगी। साथ ही निरीक्षण के समय पैनल में शामिल डॉक्टरों की उपस्थिति अनिवार्य करने के लिए विभागीय नियमों को सख्त किया गया है। जनपद में निजी हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटरों की संख्या हर माह बढ़ रही है। लाइसेंस प्राप्त करते

समय हॉस्पिटल संचालक चिकित्सकों के नाम का एक पैनल दर्शाते हैं। जब लाइसेंस प्राप्त हो जाता है तो पैनल में शामिल कई चिकित्सालय उक्त हॉस्पिटल में सेवा न देकर इधर-उधर निकल लेते हैं। अब ऐसे हॉस्पिटल पर भी शिकंजा कसने की तैयारियां की जा रही हैं। निरीक्षण के लिए पीसीपीएनडीटी के नोडल डा. संजय कुमार वर्मा व एसीएमओ डॉ. रामानंद सिद्धार्थ को जिम्मेदारी दी गई है।

देना होगा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल ने बताया कि निजी हॉस्पिटल में कार्यरत चिकित्सक सर्जन, फिजीशियन व एनेस्थेटिस्ट की उम्र 68 वर्ष या इससे अधिक है तो उन्हें अब स्वास्थ्य प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। हर सोमवार को गठित टीम के समक्ष उक्त डाक्टरों के स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा।

कानपुर में हावी दबंग मारपीट के साथ फाड़ रहे पुलिस की वर्दी, रिपोर्ट दर्ज,एक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। एक समय ऐसा भी था, जब लोग पुलिस के एक कांस्टेबल को देखकर न केवल भयभत हो जाते थे बल्कि अपने घरों से बाहर निकलने का भी साहस तब तक नहीं करते थे जब तक वह पुलिस वाला चला नहीं जाता था। और उस समय गांव में रहने वालों की हालत तो और भी पतली हुआ करती थी। वहां तो कॉन्स्टेबल को छोड़िए, अगर केवल गांव का चौकीदार ही किसी गली से निकल जाता था तो पूरे गांव में दहशत सी फैल जाती थी, लेकिन बदलते समय के साथ आज हालात वैसे नहीं रहे। अब तो पुलिस के साथ ही मारपीट और वर्दी फाड़ने जैसी घटनाएं आएदिन अक्सर घटित होती रहती हैं। इसी आशय की पुष्टि करने वाली दो घटनाएं इस महानगर में भी हुई, जहां दबंगों ने ना केवल पुलिस के साथ मारपीट की बल्कि उसकी वर्दी भी फाड़ डाली।फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। पहला मामला नजीराबाद थाना क्षेत्र का है जहांगाड़ी हटाने से जुड़ी एक घटना में पुलिस के साथ मारपीट और वर्दी फाड़ने की घटना हुई।

यातायात सिपाही राकेश कुमार मिश्रा के

अनुसार वह गुमटी स्थित बाटा चौराहा पर ड्यूटी पर तैनात थे। आरोप है कि बीच सड़क पर खड़ी गाड़ी हटाने को लेकर चालक ने गाली-गलौज की और साथियों को बुलाकर मारपीट की। जिससे उनकी वर्दी फट गई। घटना के बाद आरोपित भाग निकले। इसी तरह की दूसरी घटना में पीआरवी सिपाही धीरेंद्र कुमार हर्ष नगर में विवाद की सूचना पर पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे थे। यहां भी आरोपित ने गाली गलौज करते हुए सिर पर डंडा मारकर दिया और वर्दी फाड़ दी। साथी चालक होमगार्ड प्रकाश नारायण ने बचाने का प्रयास किया तो आरोपितों ने उन्हें भी पीट दिया।घटना में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नजीराबाद थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि दोनों सिपाहियों की शिकायत पर मुकदमा दर्जकर फरार दबंगों की तलाश की जा रही है।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

प्रतापगढ़। हथिगवां थाना के तुला का पुरवा मजरा बेंती निवासी देवी दीन यादव 19 अप्रैल की रात जन्म दिन कार्यक्रम उपरांत घर के बाहर खाट पर सो गया।सुबह खाट पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। पति की मृत देखकर पत्नी रीना यादव ने पुलिस को सूचित किया। कलयुगी नाटकीय औरत पुलिस के सामने पति के मरने का छाछंद कर घड़ियाली आंसू बहाकर पुलिस को गुमराह कर रही थी। इसको शायद यह नहीं अंदेशा था कि पुलिस की शक की निगाहों से वह बच नहीं पायेगी।प्रेमी के प्यार में अंधी रीना यादव ने अपने ही पति की हत्या प्रेमी के साथ मिलकर कर दी और अपना जीवन उजाड़ लिया।प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह मय हमराह एसआई राधेश्याम अजय कुमार विवेक पांडेय व स्वाट टीम ने पत्नी रीना यादव व सहयोगी सुभाष पाल 22 पुत्र स्व रामप्यारे निवासी बसवाही,गुड्डू पटेल 22 पुत्र मेवा लाल निवासी बलीपुर को डीहा स्थित दुआर नाले के पास से गिरफ्तार कर जिला कारागार को भेज दिया गया है।

सीआईएसएफ द्वारा अग्नि शमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम का समापन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती क्षेत्र अंतर्गत यमुना पट्टी में स्थित घाटमपुर थर्मल पावर प्लांट में घाटमपुर सीआईएसएफ यूनिट के द्वारा अग्नि शमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम का समापन किया गया,, इस मौके पर सीआईएसएफ के जवानों द्वारा विभिन्न प्रदर्शन करते हुए,आग एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाया गया, प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरे देश में इन दिनों अग्नि शमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है,इस दौरान सप्ताह भर विभिन्न प्रकार के अग्नि से सुरक्षा उपाय जवानों द्वारा प्रस्तुत कर नागरिकों को जागरूक किया जाता है,,इस मौके पर विशिष्ट अतिथि सीईओ एस दुरई कुमार निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड ने बताया कि अग्नि शमन सेवा दिवस मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों का ध्यान देश में प्रतिवर्ष अग्नि से होने वाली जन-धन की हानि को रोकने पर केंद्रित है,, घाटमपुर में स्थापित निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड में सीआईएसएफ यूनिट द्वारा हर वर्ष अग्नि शमन सेवा सप्ताह मनाया जाता है, कार्यक्रम के अंतर्गत सीआईएसएफ द्वारा विद्यालय के बच्चों

का कला प्रतियोगिता, एवं निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया,, कार्यक्रम में आए,सीजीएम चद्रशेखरन बी आर निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड घाटमपुर, सीएफओ मोहम्मद रिहान हमीरपुर,, सहायक कमांडेंट सीआईएसएफ अग्नि उपेंद्र कुमार,, निरीक्षक अग्नि कौशलेंद्र कुमार,, निरीक्षक अग्नि आरपीएस यादव,, निरीक्षक सुरक्षा शाखा अविनेश कुमार,और उनकी टीम मौजूद रही,, तथा अन्य एजेंसियों के फायर एंड सेफ्टी के अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे,, जिन्होंने जवानों उत्साहवर्धन किया,, इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतियोगिओ को मुख्य सचिव द्वारा उपहार भी भेंट किए गए,, कार्यक्रम का आयोजन उप

कमांडेंट सूरज राय सीआईएसएफ के नेतृत्व में अग्नि शमन सेवा सप्ताह के रूप में समापन हुआ। सहायक कमांडेंट उपेंद्र कुमार ने कि लोगों को अग्नि शमन सेवा सप्ताह से जानकारियां लेकर अन्य लोगों को भी जागरूक करना चाहिए जिससे आपातकाल में अपनी और दूसरों की जान बचा सके।

नवीन दिव्यांग पेंशन हेतु अधूरे आवेदन होंगे निरस्त, दिव्यांग पेंशन के लिए नए नियम लागू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने जनपद के दिव्यांगजनो को सूचित किया जाता है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण अनुभाग-2 के शासनादेश के संशोधित नियम के अनुसार पोर्टल पर नवीन दिव्यांग पेंशन हेतु आनलाइन आवेदन कराते हुये स्वीकृति किये जाने का प्राविधान है। जनपद के दिव्यांगजनो द्वारा पेशन पोर्टल http://sspy-up.gov.in पर नवीन दिव्यांग पेंशन हेतु ऑनलाइन आवेदन करते समय वांछित अभिलेख पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक है जिनमें सीएमओ द्वारा निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र 40 प्रतिशत से कम न हो, आय प्रमाण पत्र ग्रामीण क्षेत्र 46080 शहरी क्षेत्र 56460 से अधिक न हो, बैंक पासबुक की छायाप्रति, ग्रामसभा का प्रस्ताव, राशनकार्ड, एक पासपोर्ट साईज फोटो व मोबाइल नम्बर आवश्यक है। उन्होने बताया है कि ऐसे दिव्यांगजन जिनके द्वारा पूर्व में नवीन दिव्यांग पेंशन हेतु आनलाइन आवेदन किया गया है परन्तु वांछित अभिलेख में से ग्रामसभा की खुली बैठक का प्रस्ताव/खण्ड विकास अधिकारी की संस्तुति आय प्रमाण पत्र आदि अपलोड नहीं किये गये है,उनके आवेदन पत्र शासनादेशानुसार निरस्त कर दिया गया है। नवीन व्यवस्थानुसार पात्र दिव्यांग आवेदक फिर से पूरी कार्रवाई कर आवेदन करे।

विद्यालयों में छात्रों से पढ़ाई में मनमानी पैसे की वसूली पर होगी कड़ी कार्रवाई

प्रतापगढ़। अभिभावकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने स्ववित्तपोषित विद्यालयों के प्रबंधकों के साथ अहम बैठक की। बैठक में उन्होंने उत्तर प्रदेश शुल्क विनियमन अधिनियम 2018 के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए। स्पष्ट किया गया कि कोई भी विद्यालय निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं वसूल सकता है और शुल्क संरचना पूरी तरह पारदर्शी रखना अनिवार्य होगा। मनमानी वसूली, कैपिटेशन फीस तथा यूनिफॉर्म व किताबों की जबरन खरीद पर पूर्ण रोक रहेगी। उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर 1 लाख से 5 लाख तक जुर्माना और मान्यता समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। डीआईओएस ओमकार राणा ने भी सख्त चेतावनी दी है।

जनपद में 26 अप्रैल तक लू का अलर्ट, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति ने बताया है कि मौसम विभाग लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार जिले में 21 अप्रैल से 26 अप्रैल तक भीषण गर्मी और लू चलने की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने जनहित में एडवाइजरी जारी कर लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। एडवाइजरी के अनुसार सामान्य लोगों को गर्मी सहनीय रह सकती है, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए यह मौसम स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। वहीं मजदूरों, किसानों और धूप में लंबे समय तक काम करने वाले लोगों में निर्जलीकरण और लू लगने का खतरा अधिक बताया गया है। पशुधन और खड़ी फसलों पर भी गर्मी का असर पड़ने की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने लोगों को दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचने, हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने और सिर को ढककर रखने की सलाह दी है। पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ जैसे ओआरएस, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करने पर जोर दिया गया है। किसानों को फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करने और खेतों में आवश्यकतानुसार छाया की व्यवस्था करने को कहा गया है। गर्म रातों के प्रभाव को देखते हुए लोगों को घरों को ठंडा रखने, पंखा, कूलर या एसी का उपयोग करने तथा दिन में धूप रोकने के लिए पर्दे लगाने की सलाह दी गई है। साथ ही रात में बेहतर वेंटिलेशन के लिए खिड़कियां खोलने की भी अपील की गई है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, बच्चों और जानवरों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें तथा अत्यधिक गर्मी में श्रमसाध्य कार्यों से बचें। इसके अलावा बासी व दूषित खाद्य पदार्थों और अल्कोहल, चाय-कॉफी के अधिक सेवन से परहेज करने की सलाह दी गई है।

स्वशासी मेडिकल कॉलेज में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित

ललितपुर। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के निर्देशानुसार स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन विषय पर एक गरिमामय अकादमिक कार्यक्रम का आयोजन लेक्चर थियेटर-2 में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा स्वास्थ्य व सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डा.मयंक कुमार शुक्ला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है तथा उनके सम्मान और सशक्तिकरण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डा.रवि पचौरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही सुदृढ़ समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने-अपने विषयों पर विचार रखे। डा.मनोज सोनी ने महिला स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। डा.ए.एच. आमिर ने महिला स्वास्थ्य में पोषण एवं जैव-रासायनिक पहलुओं को विस्तार से समझाया। डा.सूरवीर सिंह ने नारी सशक्तिकरण को सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से जोड़ा, वहीं डा.प्रद्युम्न वर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। डा.दिव्या स्वामी ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया, जबकि डा.आशीष निरंजन ने स्वास्थ्य जागरूकता में महिलाओं की सहभागिता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्य, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ रेजिडेंट, इंटर्न, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गर्मी से हर कोई परेशान, शीतल पेय की बढ़ी मांग

सिद्धार्थनगर। इन दिनों गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। दोपहर के समय तेज धूप के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम के बदलते मिजाज से शीतल पेय पदार्थों की मांग भी बढ़ना शुरू हो गई है। चौराहों पर शीतल पेय की दुकानों पर भीड़ लगनी शुरू हो गई है। सुबह से ही धूप तेज रहने लगी और दोपहर होते-होते गर्मी का असर साफ दिखाई देने लगा। बाजारों और मुख्य मार्गों पर दोपहर के समय लोगों की आवाजाही भी कम नजर आई। तेज धूप के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। गर्मी बढ़ने के साथ-साथ किसानों की चिंता भी बढ़ने लगी है। खेतों में सब्जियों को बचाने के लिए किसानों को सिंचाई के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ रही है। नलकूप और पंपसेट के सहारे किसान खेतों में पानी पहुंचाने के लिए लगातार भागदौड़ कर रहे हैं। मौसम में यदि मौसम में बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में गर्मी और तेज हो सकती है।

मछली मंडी हटाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के बीचों बीच में मछली मंडी स्थापित रहने से लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। कस्बा के रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर स्थित रेलवे की पुराने मॉल गोदाम के खाली पड़ी जमीन पर मछली मंडी स्थित है। मछली मंडी में साफ सफाई न रहने से काफी गंदगी रहती है इससे बदबू भी फैल रहा है। इससे हर कोई परेशान है। कस्बा के पवन मिश्र, राजकुमार, अभिषेक, राम उजागिर आदि ने प्रशासन से मछली मंडी कहीं अन्यत्र स्थापित करने की मांग की है।

एसआरएच बनाम डीसीः अभिषेक शर्मा की दिल्ली के सामने दबंगई, नौवां शतक ठोक तीन पूर्व कप्तानों के बराबर पहुंचे

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की ताकत उसकी तूफानी बल्लेबाजी है। इस टीम में अभिषेक शर्मा जैसा बल्लेबाज है जो अगर चल जाए तो गेंदबाज कांपते हैं। आईपीएल में अभिषेक निरंतर नहीं हैं, लेकिन आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की है और शतकीय पारी खेली है। इसी के साथ उन्होंने खास लिस्ट में नाम लिखवा दिया। सिर्फ अभिषेक ही नहीं आज ट्रेविस हेड का बल्ला भी चला और इन दोनों ने मिलकर सनराइजर्स को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने मिलकर 97 रन जोड़े और इसी के साथ बड़े स्कोर की नींव भी रख दी।

अभिषेक ने इस मैच में शतक ठोका। इससे पहले उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 74 रनों की पारी खेली थी। सनराइजर्स के लिए ये मैच काफी अहम है और ऐसे में उसे अभिषेक से काफी उम्मीद थी। इस युवा बल्लेबाज ने टीम को निराश नहीं किया और तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। अभिषेक ने 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया।नौवें ओवर फेंकने आए दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल की पहली ही गेंद पर दो रन लिए और अपना अर्धशतक पूरा किया। यहां से अभिषेक ने अपने तूफानी अंदाज में और इजाफा किया। वह दिल्ली के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक ठोका। दिल्ली के पास अभिषेक को शतक से पहले आउट करने का मौका था, लेकिन जब वह 86 रनों पर थे तब नटराजन की मिड ऑन पर नीतीश राणा ने कैच छोड़ दिया। अभिषेक ने 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का मार अपना शतक पूरा किया। इसके लिए अभिषेक ने 47 गेंदें लीं। ये अभिषेक के टी20 करियर का नौवां शतक है।

इस लिस्ट में पहुंचे अभिषेक

अभिषेक नहीं रुके। 59 रनों का मुकाम छूते ही वह एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। जैसे ही अभिषेक ने अपना 59वां रन पूरा किया वह आईपीएल में एक टीम के लिए 2000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, भारत के शिखर धवन और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन शामिल हैं। ये तीनों ही इस फ्रेंचाइजी के कप्तान रह चुके हैं।

खोल दो नहीं तो...हॉर्मुज में चीन की एंट्री, ईरान को दिया सख्त आदेश!

● शी ने कहा कि चीन क्षेत्रीय देशों का समर्थन करता है कि वे परस्पर अच्छे पड़ोसी होने, विकास, सुरक्षा और सहयोग के आधार पर अपना भविष्य स्वयं अपने हाथ में रखें, तथा क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा को बढ़ावा दें।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिमी एशिया का तनाव अभी निर्णायक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। हालात इतने संवेदनशील हो चुके हैं कि पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिकी हैं। एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान में दूसरे दौर की वार्ता की तैयारी चल रही है। दूसरी ओर ईरान हॉर्मुज में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। इसी बीच इस पूरे घटनाक्रम में एक नई एंट्री चीन की हुई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ फोन पर बातचीत की है। इस चर्चा के दौरान ईरान और होर्मुज स्टेट की स्थिति पर विस्तार से बात हुई है। दरअसल, होर्मुद के बंद रहने से वैश्विक स्तर पर खासकर एशिया में ऊर्जा संकट गहरा गया है। चीन ईरानी तेल का प्रमुख आयातक है। अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के लंबे समय तक चलने से चिंतित है।

शी जिनपिंग ने कहा है कि चीन क्षेत्रीय देशों का सदभावना, विकास और सहयोग के आधार पर एक साझा भविष्य बनाने के लिए समर्थन देता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य आवागमन जारी रहना चाहिए, क्योंकि यह क्षेत्रीय देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों की पूर्ति करता है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने और उसके बाद मौजूदा संघर्ष में अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी पर चीनी नेता का यह पहला बयान है। जलडमरूमध्य के बंद होने से दुनिया भर में, विशेष रूप से एशिया में, ऊर्जा की भारी कमी हो गई है, और चीन, जो ईरानी तेल का एक प्रमुख आयातक है, अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के लंबे समय तक चलने को लेकर तेजी से चिंतित है।

शी ने कहा कि चीन क्षेत्रीय देशों का समर्थन करता है कि वे परस्पर अच्छे पड़ोसी होने, विकास, सुरक्षा और सहयोग के आधार पर अपना भविष्य स्वयं अपने हाथ में रखें, तथा क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा को बढ़ावा दें। उनकी यह टिप्पणी महत्वपूर्ण थी क्योंकि चीन ने पश्चिम एशिया में एक प्रमुख राजनयिक सफलता' हासिल की, जिसके तहत मार्च 2023 में कट्टर प्रतिद्वंद्वी ईरान और सऊदी अरब को एक साथ लाया गया।

परिणामस्वरूप, दोनों देशों ने राजनयिक संबंध बहाल कर लिए। अमेरिका-ईरान संघर्ष ने लेकिन सब कुछ बदल दिया है, ईरान ने सऊदी अरब और अन्य क्षेत्रीय देशों पर हमला करने के अलावा, उसके खिलाफ अमेरिकी युद्ध का मुकाबला करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। इसके अलावा, चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नौसेना द्वारा चीन से ईरान के बंदरगाह की ओर जा रहे उस मालवाहक जहाज पर गोलीबारी करने पर चिंता व्यक्त की है, जिसने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन किया था।

कटरीना की 'जिगरी यार' ने किया था आलिया भट्ट को सरेआम ट्रोल, अब दे डाली सफाई

नई दिल्ली। एक लाइव अवॉर्ड शो होस्ट करने के बाद आलिया भट्ट ट्रोलिंग और चर्चाओं का केंद्र बन गई। इस आलोचना के बीच, एक्टर और होस्ट मिनी माथुर का एक कमेंट वायरल हो गया, जिसे कई लोगों ने आलिया भट्ट की होस्टिंग पर एक तंज माना। एक कंटेंट क्रिएटर की इंस्टाग्राम पोस्ट पर मिनी के कमेंट के बाद यह बात इंटरनेट पर आग की तरह फैल गई। इस घटना के कुछ दिनों बाद, मिनी ने अब आलिया पर तंज कसने के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लेकिन जिस बात ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई, वह थी मिनी माथुर का उस इन्फ्लुएंसर की पोस्ट पर किया गया कमेंट। मिनी ने एक सीधा-सादा, लेकिन असरदार कमेंट किया, जिसमें लिखा था, 'धन्यवाद। आखिरकार किसी ने तो यह बात कही'। उन्होंने आगे कहा, 'यह उनकी मुख्य काबिलियत नहीं है, तो फिर उनसे ऐसी उम्मीदें क्यों? यह तो ऐसा है जैसे किसी होस्ट से बंदूक की नोक पर एक्टिंग करने को कहा जाए। मैंने तो बस इसी बात पर कमेंट किया था'। जब उनसे पूछा गया कि क्या आलिया के साथ उनकी कोई कथित अनबन है, तो मिनी ने कहा, 'यह सब बकवास है। मैं आलिया को बहुत पसंद करती हूं। इसके अलावा मैंने तो वह शो देखा भी नहीं है जिसके बारे में ये लोग इंटरनेट पर बातें कर रहे हैं'।

एस के चौबे के नेतृत्व में सामूहिक विवाह समारोह में पांच कन्याओं का विवाह सम्पन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। एक कहावत आप सुने होंगे कि कर बहियां बल आपनी छोड़ पराई आस इस कहावत को सत्य साबित करते हुए कभी किसी राजनीतिक दल से जुड़े रहने वाले एस के चौबे जो पटेल नगर विधान सभा दिल्ली से संबंध रखते है ने राजनीतिक दलों से अपने सब संबंध खत्म करते हुए अपने साथियों संग टीम फाटक संघर्ष समिति के नाम से संगठन बनाकर अपने क्षेत्र में सामाजिक कार्यों को आज से लगभग 10 वर्ष पहले से करने लगे और कार्य बड़े पैमाने पर करने लगे जिसका परिणाम हुआ कि सभी राजनीतिक दल आज चौबे जी के कद के सामने बौनी नजर आने लगी। क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कभी भी चौबे जी से मदद मांगने में परहेज नहीं है और जनता का फोन आधी रात को चौबे जी उठाते है ऐसा जनता का कहना है। विगत वर्ष दो कन्याओं का विवाह सामूहिक समारोह के माध्यम से करवाए थे और इस वर्ष दिनांक 20 अप्रैल 2026 को पांच कन्याओं की शादी फिर से करके सच्चे समाज सेवक का परिचय चौबे जी द्वारा दिया गया। चौबे जी इस पवित्र कार्य का श्रेय अपने सभी साथियों और क्षेत्र की जनता को दिए। जब हमारे पत्रकार द्वारा पूछा गया कि आगामी वर्षों में भी क्या इसी तरह के आयोजन होते रहेंगे तो इसके जवाब में चौबेजी बोले कि ऐसे आयोजन हर वर्ष होंगे जिससे हमारी जनता को राहत मिलती रहे।

समाज की सेवा करना तो सब चाहते है लेकिन सेवा में खरे उतरना सबके बस की बात नहीं है।एस के चौबे पेशे से तो इंजीनियर है लेकिन समाज निर्माण की भी भूमिका निभाने की काबिलियत रखते है ऐसा जनता का कहना है। जहां हर उभरते हुए चेहरे के प्रतिद्वंदी अधिकतर देखे जाते है वही चौबे जी के प्रतिद्वंदी कोई नहीं है ऐसा समाज देख रहा है।

पांचों कन्याओं की शादी बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुई जिसमें गिफ्ट के तौर पर बेड बिस्तर सहित, टेबल, 4 कुर्सी, सिलाई मशीन, टीवी, मिक्सर, जूसर, केटल, सूटकेश, 11 साड़ी, लड़की लड़के को घड़ी, 51 वर्तन का सेट, डिनर सेट, गैस चूल्हा, रेगुलेटर, प्रेस, टब, मिठाई, चटाई, मैटी, श्रृंगार का सामान श्रृंगार दानी के साथ, लेडीज पर्स, स्टील का ड्रम, सोने की नथिया और भी बहुत उपहार देकर कन्याओं की विदाई भी की गई।

उच्च शिक्षा मंत्री के आश्वासन के बाद भी नहीं स्थापित हो सकी भगवान परशुराम की मूर्ती-जीतेन्द्र प्रसाद द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरदोई (उत्तर प्रदेश)- प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व हिन्दू साम्राज्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी शाहजहांपुर जितेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में कुछ ब्राह्मण समाज के युवा भगवान श्री परशुराम जी की प्रतिमा 19 अप्रैल अक्षय तृतीया को को ग्राम रामपुर थाना बघौली जिला हरदोई में स्थापित करना चाहते थे भगवान परशुराम जी की पांच फिट की भव्य प्रतिमा कुशल कारीगरों के द्वारा शाहजहांपुर में तैयार हुई थे प्रतिमा हुई मूर्ती स्थापना भण्डारा एवं भोभा यात्रा के लिए बघौली थाना प्रभारी से मुलाक़ात की गरी एस एच ओ बघौली ब्रजेश कुमार मिश्रा ने कहा इस कार्यक्रम के लिए उपजिलाधिकारी से परमीशन दे लीजिए दिनांक 6/4/26 को अशोक कुमार मिश्रा जिनकी निजी भूमि पर मूर्ती की स्थापना होनी थी उनके द्वारा भूमि के खतौनी एवं ग्राम प्रधान के शपथ पत्र संलग्न करके आवेदन दिया गया जब मूर्ती तैयार करवाकर दिनांक 17/4/26 को चिन्हित भूमि पर पहुंची उसी समय थाना बघौली से पुलिस पहुंची मूर्ती को स्थापित करने से ये कहकर मना कर दिया कि तुम्हारी परमीशन कैंसिल हो गयी दिनांक 18/4/26 को मूर्ती स्थापना के लिए पूरे दिन प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे किसी ने नहीं सुना 18 शाम को एस एच ओ बघौली फोर्स सहित मूर्ती उठाकर थाने ले जाने के लिए आ गये ग्रामीणो के समझाने से मूर्ती को वहां से उठवा कर अशोक कुमार मिश्रा के घर पर रखवा कर वहीं पुलिस बल के साथ डेरा डाल दिया मूर्ती स्थापित करने को लेकर ग्रामीणों एवं पुलिस प्रशासन के बीच कई राउंड वार्ता हुई लेकिन हर वार विफल रही।

मूर्ती स्थापना को लेकर ग्रामीण एवं ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोग उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी के आवास पर उनसे मिले मंत्री जी ने एस डी एम से फोन से बात करके ग्रामीणों से कहा जाओ मूर्ती स्थापित करो जाकर जब ग्रामीण गांव पहुंचकर मूर्ती स्थापना के लिए चले तभी पुलिस ने रोक दिया एस एच ओ ने कहा एस डी एम से बात करवा दीजिए ग्रामीणों ने बहुत कोशिश के बाद एस डी एम और मंत्री जी ने फोन रिसीव नहीं किया शाहजहांपुर से पहुंचे समाज सेवी जितेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने एस एच ओ बघौली से बात की तो एस एच ओ ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही मूर्ती स्थापना की परमीशन प्रशासन द्वारा करवा कर मूर्ती स्थापित एवं शोभायात्रा में करवाऊंगा समाजसेवी जितेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के समझाने पर ग्रामीण मान गये एवं ज़िद छोड़कर भगवान श्री परशुराम जी की पूजा कर भण्डारा का शुभारम्भ किया गया ये समझ में नहीं आता कि प्रशासन पर किसका दबाव था कि अपनी निजी भूमि जिस पर पहले से देव स्थान है उस पर मूर्ती स्थापित नहीं होने दी गयी जब कि केंद्र एवं राज्य में सनातनी सरकार है सनातनी सरकार में सनातन धर्म अब मज़ाक बनकर रह गया है।

बलिया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारी तेज, 38 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

बलिया में उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर करीब 38 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सभी परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापक मौजूद रहे। अधिकारियों ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। परीक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए 260 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना पहचान पत्र के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। सभी को अनिवार्य रूप से आईडी कार्ड जारी किए जाएंगे। केंद्र व्यवस्थापकों को साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही खिड़कियों की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया है। परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। 23 अप्रैल को एक और बैठक कर अंतिम तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि ड्यूटी पर लगाए गए शिक्षकों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में पूरी जानकारी दी जाए। साथ ही अच्छे सेवा रिकॉर्ड वाले शिक्षकों को ही परीक्षा कार्य में लगाया जाए। परीक्षा से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। हेल्पलाइन नंबर 05498-220830 और 05498-220235 जारी किए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना है।

श्रीभूमि जिले के कृष्णनगर आदर्श गांव में बिजली संकट गहराया, केबल लाइन की जोरदार मांग

● विभागीय उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुल्लभछड़ा के निकट स्थित मॉडल विलेज कृष्णनगर के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से बिजली समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बार-बार आवेदन करने के बावजूद Assam Power Distribution Company Limited (ASEB) के दुल्लभछड़ा सब-डिवीजन द्वारा अब तक क्षेत्र में केबल लाइन लगाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। गांव में पेड़-पौधे और बांस की अधिकता के कारण खुले तारों के बजाय केबल लाइन बिछाने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

आरोप के अनुसार, पिछले वर्ष से इस मुद्दे को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ कई बार चर्चा हुई, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है। इससे ग्रामीण खुद को बेहद उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इसी बीच, क्षेत्र में बार-बार हो रही लोडशेडिंग को लेकर भी लोगों ने नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खासकर मौसम में बदलाव के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कई बार घंटों तक बिजली गुल रहती है, जो ग्रामीण जीवन के लिए बड़ी समस्या बन गई है।

एक स्थानीय निवासी ने कहा, 'हम नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करते हैं, फिर भी हमें उचित सेवा नहीं मिल रही है। यह उपभोक्ताओं के प्रति घोर लापरवाही है। 'ग्रामीणों के अनुसार, यह समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्था और जिम्मेदारी की कमी का परिणाम है। उन्होंने संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों—हैलाकांडी डिवीजन के तरू बदरपुर सर्कल के छ्लरूसहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर केबल लाइन स्थापित करने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

सी एसके फैंस के लिए सबसे बड़ी गुड न्यूज, आयुष म्हात्रे के झटके के बीच एमएस धोनी धांसू वापसी को तैयार

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में संघर्ष कर रही चेन्नई सुपर किंग्स को मंगलवार को एक बैड न्यूज और एक गुड न्यूज मिली। दोपहर में फ्रेंचाइजी ने बताया कि टॉप ऑर्डर बल्लेबाज आयुष म्हात्रे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। शाम होते-होते फ्रेंचाइजी ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का अभ्यास करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इससे संकेत मिल रहे हैं कि धोनी अब फिट हो गए हैं और वह आने वाले मुकाबलों में वापसी कर सकते हैं।

विकेट के पीछे मुस्तैद

चेन्नई सुपर किंग्स ने एक्स पर जो वीडियो शेयर किया है उसमें देखा जा सकता है कि धोनी विकेट के पीछे मुस्तैद हैं। बल्लेबाज ने आगे बढ़कर शॉट लगाने का प्रयास किया और गेंद मिस हो जाती है। विकेट के पीछे धोनी कोई गलती नहीं करते हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद कयास लगाए जाने लगे हैं कि धोनी की जल्द ही वापसी होने वाली है।

पहले 6 मैच नहीं खेले धोनी

महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट (calf injury) से जूझ रहे हैं। इस कारण वह 19वें सीजन के पहले 6 मैच नहीं खेले हैं। इस दौरान फ्रेंचाइजी ने सिर्फ 2 मुकाबलों में ही जीत दर्ज की है। चेन्नई ने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को मात दी थी। वहीं राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद से उन्हें हार मिली है। आने वाले मुकाबलों की बात करें तो 23 अप्रैल को चेन्नई का सामना मुंबई इंडियंस से और 26 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से होगा।

धोनी के प्रदर्शन पर नजर- एमएस धोनी आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में से रहे हैं। उनके नेतृत्व में चेन्नई ने 5 खिताब अपने नाम किए थे। धोनी ने लीग में अब तक 278 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने करीब 39 की औसत और 137 की स्ट्राइक रेट से 5439 रन बनाए हैं, आईपीएल में वह 24 अर्धशतक लगा चुके हैं। उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 84 रन है।

दिल्ली के बुराड़ी में कलयुगी बेटे ने बुजुर्ग मां को बनाया हवस का शिकार, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों को झकझोर कर रख दिया है। यहां आरोपित कलियुगी बेटे ने अपनी बुजुर्ग मां को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। आरोपित नशे का आदि है। बुराड़ी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता अपनी पोती और बेटे के साथ बुराड़ी इलाके में रहती है। वह घरों में घरेलू काम कर परिवार का भरण पोषण करती है। वहीं, उसका 36 वर्षीय बेटा लंबे समय से नशे का आदी है और कोई काम-धंधा नहीं करता। वह आए दिन घर में झगड़ा और मारपीट करता था। घटना की शुरुआत शुक्रवार को हुई जब आरोपी ने अपनी 16 साल की बेटी को पीट दिया। पिता के रोजाना के क्लेश से तंग आकर बेटी अपनी बुआ के घर चली गई। शनिवार रात जब घर में बुजुर्ग मां अकेली थी। तभी आरोपी बेटा नशे में धुत होकर पहुंचा। जब उसकी मां ने उसे खाना खाने को कहा तो वह भड़क गया और अपनी मां को ही बंधक बनाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया तड़के जब वह सो गया तो किसी तरह मां ने खुद को रस्सियों से खोला और थाने में जाकर शिकायत की।

असम विश्वविद्यालय सिलचर में 'आइंस्टीन का सामान्य सापेक्षता सिद्धांत और उससे आगे' विषय पर 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम विश्वविद्यालय, सिलचर (AUS) के भौतिकी विभाग द्वारा पुणे स्थित इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) तथा IUCAA सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ICARD) के सहयोग से आज 'आइंस्टीन का सामान्य सापेक्षता सिद्धांत और उससे आगे' विषय पर पाँच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला गत 20 से 24 अप्रैल 2026 तक भौतिकी विभाग के मेघनाद साहा कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान और उन्नत शोध-स्तरीय समझ के बीच की खाई को कम करना है, जिससे छात्रों एवं शोधार्थियों को आधुनिक भौतिकी की गहन अवधारणाओं की बेहतर समझ मिल सके। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भौतिकी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अशोक कुमार सेन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक एवं प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. पैट्रिक दासगुप्ता उपस्थित रहे। मंच पर विभागाध्यक्ष प्रो. हिमाद्रि शेखर दास, कार्यशाला समन्वयक एवं स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज के डीन प्रो. अत्रि देशमुख्य, तथा द्वय समन्वयक डॉ. अप्रतिम गांगुली सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आईएसआई कोलकाता की डॉ. भास्वती मंडल एवं आईआईटी गुवाहाटी के डॉ. सयान चक्रवर्ती सहित अन्य विशेषज्ञ भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतीकात्मक पौधारोपण के साथ की गई। इसके पश्चात उद्घाटन व्याख्यान में प्रो. अत्रि देशमुख्य ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन विशेष रूप से उन विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है, जिन्हें सामान्य सापेक्षता जैसे जटिल विषयों पर व्यवस्थित प्रशिक्षण कम मिलता है।

डॉ. अप्रतिम गांगुली ने द्वय की शैक्षणिक भूमिका और ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं प्रो. हिमाद्रि शेखर दास ने विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों और निरंतर आयोजित होने वाली अकादमिक गतिविधियों का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि प्रो. पैट्रिक दासगुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में भी गणितीय समस्याओं को स्वयं हल करने की प्रक्रिया शोधकर्ताओं के बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रतिभागियों की भागीदारी इस कार्यशाला में कुल 61 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें पीएचडी शोधार्थी, एम. एससी. छात्र तथा स्नातक स्तर के विद्यार्थी शामिल हैं। प्रतिभागी असम एवं त्रिपुरा के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन सुश्री संचाली नाथ मजूमदार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

ट्रेन संख्या 15888 गुवाहाटी-बदरपुर विस्टाडोम एक्सप्रेस को दुल्लभछड़ा तक विस्तार की मांग तेज

● प्रधानमंत्री और रेलमंत्री का ध्यान आकर्षित, सोनबील को केंद्र बनाकर पर्यटन विकास की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: पर्यटन विकास के उद्देश्य से केंद्र सरकार रेलवे के माध्यम से यात्रियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं शुरू कर रही है। विशेष रूप से विस्टाडोम कोच से युक्त ट्रेनों के जरिए प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है, जिस पर सरकार द्वारा भारी खर्च भी किया गया है। इसी संदर्भ में श्रीभूमि (करीमगंज) जिले के दुल्लभछड़ा और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने ट्रेन संख्या 15888 गुवाहाटी-बदरपुर विस्टाडोम एक्सप्रेस को दुल्लभछड़ा तक विस्तारित करने की मांग तेज कर दी है। वर्तमान में यह ट्रेन गुवाहाटी से बदरपुर जंक्शन तक सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार चलती है। लगभग 340-341 किलोमीटर की दूरी तय करने में इसे करीब 7 घंटे 50 मिनट का समय लगता है। रास्ते में Maibang, New Haflong और Jatinga सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर इसका ठहराव है। विस्टाडोम कोच होने के कारण यात्री पहाड़ी प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सकते हैं, जो पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस ट्रेन को दुल्लभछड़ा तक बढ़ाया जाए, और फाकुआ रेलवे स्टेशन पर ठहराव दिया जाए, तो सोनबील के आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। विशेष रूप से सोनबील, जो असम का सबसे बड़ा तथा एशिया के प्रमुख मौसमी आर्द्रभूमियों में से एक है, पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बन सकता है। लोगों का मानना है कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दुल्लभछड़ा और सोनबील क्षेत्र को यदि बेहतर रेल संपर्क मिल जाए, तो यह एक ऐतिहासिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, होटल व्यवसाय और छोटे व्यापारों को भी बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र के लोगों ने कहा,

'विस्टाडोम ट्रेन हमारे क्षेत्र के लिए वरदान साबित हो सकती है। अगर इसे दुल्लभछड़ा तक बढ़ाया जाता है, तो पर्यटन और आवागमन दोनों में सुधार होगा।' इस संबंध में क्षेत्र के लोगों ने लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से जोरदार अपील की है कि गुवाहाटी-बदरपुर विस्टाडोम एक्सप्रेस को दुल्लभछड़ा तक विस्तारित किया जाए और सोनबील के पास स्थित फाकुआ स्टेशन पर सप्ताह दो दिन विस्तार की व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि इस पहल से बराक घाटी की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और पर्यटन व आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।